■ फाल्गुन शुक्ल - 9 ■ संवत 2081 ■ वर्ष - 12 ■ अंक - 221 ■ पृष्ठ - 8 ■ रु. 5/- चेन्नई » शनिवार » 08-03-2025 ■ www.dakshinbharat.com ■ Email : chennai@dakshinbharat.com

दक्षिण भारत राष्ट्रमत

தக்ஷின் பாரத் ராஷ்ட்ரமத் | தினசரி ஹிந்தி நாளிதழ் | चेन्नई और बेंगलूरु से एक साथ प्रकाशित

4 आस्था और शौर्य का अद्भुत प्रतीक है तनोट माता मंदिर : हरिभाऊ बागड़े

6 बलात्कार और हिंसा पर कब टूटेगी समाज की चुप्पी?

7 'नसीब' साइन करने से डर गयी थी हेमा मालिनी

फर्स्ट टेक

स्पेसएक्स के 'स्टारशिप' की एक और परीक्षण उड़ान नाकाम

ब्राउंसविले (अमेरिका)/एपी। अमेरिकी अरबपति एलन मस्क की 'स्पेस एक्सप्लोरेशन टेक्नोलॉजीज कारपोरेशन' (स्पेसएक्स) ने बृहस्पतिवार को 'स्टारशिप' रॉकेट की उड़ान का परीक्षण किया, लेकिन यह एक बार फिर नाकाम हो गयी और रॉकेट का जलता हुए मलबा फ्लोरिडा में आसमान से नीचे गिरता दिखाई दिया। निजी अमेरिकी वांतरिक्ष और अंतरिक्ष परिवहन सेवा कंपनी ने करीब दो महीने पहले भी 'स्टारशिप' का परीक्षण किया था लेकिन वह भी नाकाम रहा था और उसका जलता मलबा तुर्क और कैकोस पर गिरा था। स्पेसएक्स ने बृहस्पतिवार को एक और विशालकाय 'स्टारशिप रॉकेट' की उड़ान का परीक्षण किया, लेकिन कुछ ही मिनटों बाद रॉकेट का संपर्क टूट गया और यान नीचे गिरकर टूट गया। इस बार, रॉकेट के जलते हुए मलबे को फ्लोरिडा में आसमान से गिरते देखा गया। हालांकि, यह तुरंत पता नहीं चला कि अंतरिक्ष यान की स्व-विनाश प्रणाली के कारण रॉकेट फटा या इसका कोई और कारण था।

रूस ने यूक्रेन के ऊर्जा ग्रिड पर बमबारी की

कीव/एपी। रूस ने बृहस्पतिवार रात यूक्रेन के ऊर्जा ग्रिड को निशाना बनाकर बड़े पैमाने पर मिसाइल और ड्रोन हमले किए। यूक्रेनी अधिकारियों ने शुक्रवार को बताया कि ये हमले राष्ट्रपति वोलोदिमीर जेलेंस्की के इस बयान के कुछ घंटों बाद हुए कि रूस से तीन साल से जारी युद्ध की समाप्ति के लिए अमेरिका के साथ बातचीत अगले हफ्ते होगी। यूक्रेन के ऊर्जा मंत्री हर्मन हालुशेंको ने फेसबुक पर लिखा, यूक्रेन पर बड़े पैमाने पर मिसाइल और ड्रोन हमले हुए हैं। प्राधिकारियों ने बताया कि इन हमलों में एक बच्चे समेत कम से कम 10 लोग घायल हुए हैं।

'इंडियाज गॉट लैटेंट' विवादः रणवीर इलाहाबादिया, अपूर्वा मखीजा ने मांगी एनसीडब्ल्यू से माफी

नई दिल्ली/भाषा। यूट्यूबर रणवीर इलाहाबादिया और अपूर्वा मखीजा ने ''इंडियाज गॉट लैटेंट'' पर की गई अपनी आपत्तिजनक टिप्पणियों को लेकर राष्ट्रीय महिला आयोग से लिखित में माफी मांगी है। आयोग की अध्यक्ष विजया रहाटकर ने शुक्रवार को यह जानकारी दी और कहा कि ऑनलाइन कार्यक्रम में की गई उनकी टिप्पणियां ''कतई स्वीकार्य नहीं'' हैं। इलाहाबादिया, मखीजा और शो के निर्माता सौरभ बोथरा एवं तुषार पुजारी बृहस्पतिवार को यहां राष्ट्रीय महिला आयोग (एनसीडब्ल्यू) के समक्ष पेश हुए। सूत्रों के अनुसार दोनों यूट्यूबर्स से कई घंटे तक पूछताछ की गई।

सूर्यास्त 08-03-2025	सूर्योदय 09-03-2025
6:18 बजे	6:20 बजे

BSE	NSE
74,332.58	22,552.50
(-7.52)	(+7.80)

सोना	चांदी
8,997 रु.	107,000 रु.
(24 कैरेट) प्रति ग्राम	प्रति किलो

मिशन मंडेला

दक्षिण भारत राष्ट्रमत

दक्षिण भारत का लोकप्रिय हिन्दी दैनिक

epaper.dakshinbharat.com

कैलाश मण्डेला, मो. 9828233434

भारत नीति

हम नहीं समर्थक हिंसा के,
आदर्श हमारे रहे बुद्ध।
हैं विश्व शांति के हम प्रहरी,
मन वचन कर्म से सदा शुद्ध।
जो मानवता पर घात करे,
उन दुष्टों पर ही हुए क्रुद्ध।
योद्धा हैं सबल शक्ति से युत,
पर नहीं चाहते कभी युद्ध।।

कर्नाटक के मुख्यमंत्री सिद्धरमैया ने 2025-26 के लिए 4,09,549 करोड़ रुपए का बजट पेश किया

बजट को 'हलाल' कहने पर मुख्यमंत्री सिद्दरामय्या ने भाजपा की आलोचना की

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
dakshinbharat.com

बेंगलूरु। कर्नाटक के मुख्यमंत्री सिद्दरामय्या ने राज्य के बजट को ''हलाल बजट'' और ''पाकिस्तान बजट'' कहने के लिए विपक्षी भारतीय जनता पार्टी (भाजपा) की शुक्रवार को आलोचना की। भाजपा ने बजट को ''तुष्टीकरण'' करार दिया है। मुख्यमंत्री ने कहा कि भाजपा का बयान उसकी ''वीभत्स मानसिकता'' को दर्शाता है। भाजपा ने सोशल मीडिया मंच एक्स' पर टोपी पहने हुए सिद्दरामय्या की एक तस्वीर साझा करते हुए लिखा, कर्नाटक में घोटालेबाज मुख्यमंत्री सिद्दरामय्या ने हलाल बजट पेश किया - तुष्टीकरण अपने चरम पर!''

मुख्यमंत्री ने अपना 16वां बजट पेश करने के बाद पत्रकारों से कहा कि अल्पसंख्यकों का मतलब सिर्फ मुसलमान नहीं है और इस श्रेणी में बौद्ध, जैन, सिख एवं ईसाई भी हैं। उन्होंने यह भी स्पष्ट किया कि ईसाइयों के लिए भी 250 करोड़ रुपये निर्धारित किए गए हैं।

■ भाजपा ने कर्नाटक के बजट को ''हलाल बजट'' और ''पाकिस्तान बजट'' कहकर धर्मनिरपेक्षता का अनादर किया है।

सिद्दरामय्या ने कहा, बजट का आकार 4.09 लाख करोड़ रुपये है और अगर हम अल्पसंख्यकों को 4,500 करोड़ रुपये देते हैं तो भाजपा इसे 'हलाल बजट' कहती है। उनका बयान उनकी वीभत्स मानसिकता को दर्शाता है। जब एक पत्रकार ने उनसे अन्य पिछड़ी जातियों (ओबीसी) के लिए आवंटन के बारे में सवाल किया जो कि कुल आबादी का 56 प्रतिशत हैं, तो सिद्दरामय्या ने कहा कि उनके लिए 4,300 करोड़ रुपये निर्धारित किए गए हैं। उन्होंने कहा कि अनुसूचित जाति उप-योजना और जनजातीय उप-योजना (एससीएसपी-टीएसपी) के लिए 42,018 करोड़ रुपये निर्धारित किए गए हैं।

मुख्यमंत्री ने कहा, हमने एससीएसपी-टीएसपी के लिए बड़ी राशि का आवंटन किया है।... उन्होंने आरोप लगाया कि कर्नाटक में भाजपा नेताओं में यह कहने का साहस नहीं है कि केंद्र सरकार को कर्नाटक द्वारा एससीएसपी-टीएसपी लागू किए जाने के तरीके को अपनाना चाहिए। मुख्यमंत्री ने कहा, लेकिन वे हमें यह बताने आते हैं कि हम मुसलमानों को पैसे दे रहे हैं। हमसे सवाल करने का उनका क्या नैतिक अधिकार है? उन्होंने कहा कि भाजपा ने कर्नाटक के बजट को ''हलाल बजट'' और ''पाकिस्तान बजट'' कहकर धर्मनिरपेक्षता का अनादर किया है। सिद्दरामय्या ने कहा, यह सभी समुदायों का देश है, जो भाजपा को पता होना चाहिए।

मुख्यमंत्री ने कहा कि उन्होंने जो बजट पेश किया है, उसमें दूरदर्शिता है और यह समानता, सामाजिक एवं आर्थिक विकास को ध्यान में रखकर बनाया गया बजट है। उन्होंने कहा कि वह राजकोषीय उत्तरदायित्व और बजट प्रबंधन (एफआरबीएम) अधिनियम का पालन करते हैं। उन्होंने कहा कि 2024-25 में बजट का आकार 3.71 लाख करोड़ रुपये था जो बढ़कर 4,09,549 करोड़ रुपये हो गया है और यह 38,166 करोड़ रुपये की वृद्धि है। उन्होंने कहा कि बजट की वृद्धि दर 10.3 प्रतिशत है।

काशी और अयोध्या के बाद अब मथुरा की बारी : योगी आदित्यनाथ

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
dakshinbharat.com

मथुरा (उप्र)/भाषा। उत्तर प्रदेश के मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ ने शुक्रवार को कहा कि काशी और अयोध्या के कायाकल्प के बाद अब मथुरा और ब्रज भूमि के विकास का समय आ गया है। योगी ने आश्वासन दिया कि मथुरा, वृंदावन, बरसाना, गोकुल, नंदगांव, गोवर्धन और बलदेव सहित ब्रज क्षेत्र में अयोध्या, वाराणसी और प्रयागराज के परिवर्तन के समान तेजी से विकास होगा।

बरसाना में आयोजित कार्यक्रम में मुख्यमंत्री ने श्री लाडली जी महाराज मंदिर में दर्शन-पूजन किया और फूलों एवं लड्डूमार होली के जरिए रंगोत्सव की शुरुआत की।

मुख्यमंत्री ने अपने संबोधन में कहा कि पांच हजार साल से भारत की सनातन संस्कृति को ऊर्जा देने वाली यह ब्रज भूमि श्रद्धा एवं आस्था की धरा है। इसके कण-कण में श्री राधा और श्री कृष्ण के दर्शन होते हैं।

मुख्यमंत्री ने कहा, ''उत्तर प्रदेश का सौभाग्य है कि यहां काशी, अयोध्या और मथुरा, ये तीनों तीर्थ स्थल सनातन एकता का प्रतीक के रूप में मौजूद हैं।'' उन्होंने आगे कहा कि प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी के नेतृत्व में विरासत और विकास की नई परंपरा स्थापित हुई है, जिसका परिणाम हाल ही में संपन्न प्रयागराज महाकुंभ के भव्य आयोजन के रूप में देखने को मिला। उन्होंने कहा, ''जो जितना सनातन धर्म के खिलाफ बोलता था, अफवाह फैलाता था और तर्कहीन बातें करता था, उन्हें सनातन धर्मावलंबियों ने महाकुम्भ के जरिए करारा जवाब दिया है। महाकुम्भ सनातन धर्म का दुर्लभतम क्षण बन गया है।''

वायुसेना का लड़ाकू विमान हरियाणा में दुर्घटनाग्रस्त, पायलट सुरक्षित : पुलिस

चंडीगढ़/भाषा। भारतीय वायुसेना का एक लड़ाकू विमान हरियाणा के पंचकूला जिले में शुक्रवार को दुर्घटनाग्रस्त हो गया, लेकिन पायलट सुरक्षित बाहर निकल आया। एक पुलिस अधिकारी ने यह जानकारी दी। उन्होंने बताया कि पायलट विमान को जमीनी बस्ती से दूर मैदान में ले गया और इस घटना में किसी के हताहत होने या घायल होने की कोई खबर नहीं है। पंचकूला जिले के रायपुररानी के थाना प्रभारी ने फोन पर 'पीटीआई-भाषा' को बताया, ''भारतीय वायुसेना का विमान पंचकूला जिले के पहाड़ी इलाके (मोरनी के पास) में दुर्घटनाग्रस्त हो गया। लेकिन पायलट सुरक्षित बाहर निकल आया।''

शाह ने भाषा के मुद्दे पर स्टालिन पर निशाना साधा,

मेडिकल, इंजीनियरिंग की शिक्षा तमिल में कराएं

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
dakshinbharat.com

रानीपेट (तमिलनाडु)। तमिलनाडु में सत्तारूढ़ द्रविड़ मुनेत्र कषगम (द्रमुक) और भारतीय जनता पार्टी (भाजपा) नीत केंद्र सरकार में भाषा के मुद्दे पर छिड़े विवाद के बीच केंद्रीय गृह मंत्री अमित शाह ने शुक्रवार को मुख्यमंत्री एम. के. स्टालिन से राज्य में तमिल में इंजीनियरिंग और मेडिकल की शिक्षा प्रदान करने को कहा तथा तमिल भाषा की भी सराहना की।

भाषा के मुद्दे, विशेष रूप से स्टालिन द्वारा 'हिंदी थोपे जाने' का आरोप लगाते हुए इसका विरोध करने को लेकर शाह ने कहा कि नरेन्द्र मोदी के नेतृत्व वाली सरकार ने बदलाव किए हैं और अब यह सुनिश्चित किया है कि केंद्रीय सशस्त्र पुलिस बल (सीएपीएफ) के अभ्यर्थी अपनी-अपनी क्षेत्रीय भाषाओं में परीक्षा दे सकें। चेन्नई से करीब 70 किलोमीटर दूर रानीपेट में आरटीसी थक्कोलम में केंद्रीय औद्योगिक सुरक्षा बल (सीआईएसएफ) के 56वें स्थापना दिवस पर आयोजित कार्यक्रम को संबोधित करते हुए गृह मंत्री ने कहा, प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी के नेतृत्व वाली सरकार ने यह सुनिश्चित किया है कि परीक्षा में उत्तर पुस्तिका तमिल में भी लिखी जा सकेगी। उन्होंने कहा, ''मैं तमिलनाडु के मुख्यमंत्री से छात्रों के लाभ के लिए राज्य में तमिल में इंजीनियरिंग और मेडिकल शिक्षा शुरू करने की अपील करता हूं।

राज्य में भाषा को लेकर जारी विवाद के बीच शाह की मुख्यमंत्री को निशाना साधते हुए ये टिप्पणी सामने आई। सत्तारूढ़ द्रमुक राष्ट्रीय शिक्षा नीति (एनईपी 2020) के माध्यम से हिंदी लागू करने का दावा कर रही है, हालांकि केंद्र ने इसका खंडन किया है। राज्य सरकार ने कहा है कि वह केवल द्वि-भाषा नीति, यानी तमिल और अंग्रेजी का पालन करेगी। उन्होंने तमिलनाडु की सराहना करते हुए कहा कि राज्य की संस्कृति ने भारत की सांस्कृतिक धारा को मजबूत करने में महत्वपूर्ण भूमिका निभाई है।

जयशंकर ने आयरलैंड में कहा

आतंकवाद सतत चुनौती है, इससे प्रतिबद्धता के साथ निपटा जाएगा

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
dakshinbharat.com

लंदन/भाषा। विदेश मंत्री एस. जयशंकर ने आयरलैंड में यूनिवर्सिटी कॉलेज डबलिन में अपने संबोधन में कहा कि संघर्ष आज एक प्रमुख मुद्दा है और भारत का मानना है कि मतभेदों को बातचीत एवं कूटनीति के जरिए सुलझाया जाना चाहिए।

जयशंकर ने विदेश नीति के विभिन्न मुद्दों पर अपने विचार रखे और आतंकवाद के खिलाफ भारत-आयरलैंड के साझा दृष्टिकोण को रेखांकित करने के लिए जून 1985 में एयर इंडिया विमान पर हुए आतंकवादी हमले का संदर्भ दिया। विदेश मंत्री ने कहा कि पश्चिमी कॉर्क में आयरिश गांव अहाकिस्ता, कनिष्क बम विस्फोट आपदा का गवाह है, जिसमें 329 लोगों की मौत हो गई थी। ये घटना आयरलैंड के तट पर हुई थी।

जयशंकर ने कहा, ''संघर्षों के बारे में एक विशेष बात, क्योंकि यह आज भारत के लिए एक बहुत ही प्रमुख मुद्दा है; हमारा हमेशा से यह मानना रहा है कि इस युग में मतभेदों को युद्ध के मैदान में नहीं सुलझाया जा सकता और न ही सुलझाया जाना चाहिए।''

वह बृहस्पतिवार को 'भारत का विश्व के प्रति दृष्टिकोण' विषय पर अग्रणी आयरिश शोध संस्थान में छात्रों, शिक्षाविदों और प्रवासी समुदाय के सदस्यों को संबोधित कर रहे थे।

साल 2050 तक 44 करोड़ भारतीय हो सकते हैं मोटापे से ग्रस्त, खाद्य तेल की खपत में कमी करें : मोदी

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
dakshinbharat.com

सिलवासा (दादरा और नगर हवेली)/भाषा। प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी ने शुक्रवार को एक बार फिर मोटापे की समस्या को उठाया और एक रिपोर्ट का हवाला देते हुए कहा कि 2050 तक 44 करोड़ भारतीय मोटापे से ग्रस्त हो सकते हैं। उन्होंने इन आंकड़ों को चौंकाने वाला और खतरनाक बताया।

मोटापे को कई बीमारियों की जड़ बताते हुए मोदी ने लोगों से आग्रह किया कि वे नियमित शारीरिक व्यायाम करके और खाद्य तेल की खपत को 10 प्रतिशत तक कम करके शरीर की अत्यधिक चर्बी को खत्म कर सकते हैं।

वह दादरा एवं नगर हवेली के सिलवासा शहर और गुजरात से सटे दमन और दीव में एक सभा को संबोधित कर रहे थे। इस कार्यक्रम में मोदी ने केंद्र शासित प्रदेश के लिए 2,587 करोड़ रुपए की विकास और बुनियादी ढांचा परियोजनाओं का उद्घाटन करने के साथ ही भूमि पूजन भी किया। उन्होंने कहा, ''हमारी जीवनशैली से जुड़ी बीमारियां आज हमारे स्वास्थ्य के लिए बहुत बड़ा खतरा पैदा कर रही हैं। मोटापा उनमें से एक है, क्योंकि यह कई बीमारियों का मूल कारण है। एक हालिया रिपोर्ट के मुताबिक भारत में 2050 तक करीब 44 करोड़ लोग मोटापे से ग्रस्त हो सकते हैं। यह आंकड़ा बहुत बड़ा है और उतना ही डरावना भी है।'' उन्होंने कहा कि अगर रिपोर्ट के परिणाम सही होते हैं, तो इसका मतलब है कि देश में हर तीन में से एक व्यक्ति 2050 तक मोटापे से पीड़ित हो सकता है।

मोदी ने चेताया कि मोटापा लोगों के स्वास्थ्य के लिए खतरनाक साबित होगा और हर किसी को इस स्थिति से उबरने की कोशिश शुरू करनी चाहिए। उन्होंने कहा, ''मैं पहले ही अपील कर चुका हूं कि लोगों को अपने खाद्य तेल की खपत 10 प्रतिशत कम करनी चाहिए। मैं चाहता हूं कि आप सभी संकल्प लें कि आप 10 प्रतिशत कम तेल खरीदेंगे। नियमित व्यायाम और साइकिल चलाना भी मोटापा कम करने में आपकी मदद करेगा।''

मोदी ने हाल ही में 'मन की बात' कार्यक्रम में देश में मोटापे की बढ़ती समस्या पर चिंता जताते हुए इस चुनौती से निपटने के लिए जीवनशैली में बदलाव पर जोर दिया था।

भारत में इस साल औसत वेतन वृद्धि 8.8 प्रतिशत रहने की उम्मीदः डेलॉयट इंडिया रिपोर्ट

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
dakshinbharat.com

मुंबई/भाषा। भारतीय कंपनियां वैश्विक और स्थानीय चुनौतियों से निपटते हुए अपने कर्मचारियों की पारिश्रमिक लागत से जुड़े बजट को अनुकूलतम बनाने पर ध्यान केंद्रित कर रही हैं जिससे इस साल औसत वेतन वृद्धि 8.8 प्रतिशत रह सकती है। डेलॉयट इंडिया ने शुक्रवार को एक रिपोर्ट में यह अनुमान जताया। वित्तीय परामर्श कंपनी डेलॉयट इंडिया की रिपोर्ट के मुताबिक, वर्ष 2025 के लिए वेतन वृद्धि 8.8 प्रतिशत रहने का अनुमान है जो वर्ष 2024 में नौ प्रतिशत रही थी।

इसके साथ ही रिपोर्ट कहती है कि 75 प्रतिशत कंपनियां या तो वेतन वृद्धि कम कर देंगी या पिछले वर्ष के समान ही रखेंगी। रिपोर्ट के मुताबिक, जहां अधिकांश क्षेत्र वेतन वृद्धि को पिछले वर्ष की तुलना में स्थिर या मामूली रूप से कम रखेंगे, वहीं उपभोक्ता उत्पाद क्षेत्र में वेतन वृद्धि बजट में उल्लेखनीय कमी की उम्मीद है। डेलॉयट इंडिया में साझेदार प्रखर त्रिपाठी ने कहा, कंपनियों की आय वृद्धि सुस्त पड़ने से उनका वेतन बजट स्वाभाविक रूप से दबाव में आ रहा है। नियंत्रित छंटनी और मध्यम मुद्रास्फीति कंपनियों को प्रतिभा परिणामों को प्रतिकूल रूप से प्रभावित किए बिना वेतन वृद्धि को अनुकूलित करने में मदद कर रही है। उन्होंने कहा, हालांकि उम्मीद है कि कंपनियों का प्रदर्शन और प्रतिभा विभेदीकरण पर ध्यान बना रहेगा।

डेलॉयट इंडिया टैलेंट आउटलुक-2025 रिपोर्ट सात क्षेत्रों की 500 से अधिक कंपनियों के निर्णयकर्ताओं के बीच किए गए सर्वेक्षण पर आधारित है। रिपोर्ट के मुताबिक, कंपनियों के प्रमुख प्रतिभाओं को बनाए रखने पर ध्यान केंद्रित कर रहे हैं, लेकिन शीर्ष प्रदर्शन करने वाले कर्मचारी औसत प्रदर्शन करने वालों की तुलना में 1.7 गुना वेतन वृद्धि की उम्मीद कर सकते हैं, जो पिछले वर्ष की तुलना में कुछ कम है।

व्यापार शुल्क डब्ल्यूटीओ के अनुरूप, राष्ट्रीय विकास के लिए उपयोगी: सीतारमण

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
dakshinbharat.com

विशाखापत्तनम/भाषा। केंद्रीय वित्त मंत्री निर्मला सीतारमण ने कहा कि 100 प्रतिशत तक के व्यापार शुल्क विश्व व्यापार संगठन के मानदंडों के अनुरूप हैं। उन्होंने कहा कि इन्हें राष्ट्रीय विकास और घरेलू उद्योगों को समर्थन देने के लिए लगाया जाता है।

कुछ अमेरिकी आयातों पर 100 प्रतिशत व्यापार शुल्क को लेकर पूछे गए एक सवाल पर वित्त मंत्री ने कहा कि शुल्क वैध साधन हैं। उन्होंने कहा, ''इसलिए, जब आप विकास के उस चरण में होते हैं, जब आपके अपने उद्योग को बढ़ना होता है, तो डब्ल्यूटीओ मानदंडों के अनुसार आप जो भी व्यापार शुल्क लगा सकते हैं... आप लगाएंगे।'' वित्तमंत्री ने यहां बजट के बाद एक बातचीत में कहा, ''इसलिए यह इसी मकसद से हो रहा है और जैसा कि मैंने कहा यह डब्ल्यूटीओ के अनुरूप है।''

सीतारमण ने कहा कि आज प्रचलित व्यापार शुल्क कई उद्देश्यों को पूरा करते हैं और यह सुरक्षा आगे भी जारी रहेगी। उन्होंने निर्यात और नए बाजारों तक पहुंचने की संभावना पर भी जोर दिया।

भारत और अमेरिका के बीच द्विपक्षीय संबंधों का जिक्र करते हुए उन्होंने कहा कि अमेरिका अपने हितों का ख्याल रखेगा, जबकि भारत अपने हितों को सर्वोच्च प्राथमिकता देगा। उन्होंने कहा कि इस बीच, उनके साथ बातचीत में यह विचार किया जाएगा कि हम किस तरह आगे बढ़ सकते हैं।

भारत पर जवाबी शुल्क लगाने के बारे में सीतारमण ने कहा कि वाणिज्य मंत्री पीयूष गोयल अमेरिकी वाणिज्य मंत्री और संयुक्त राज्य व्यापार प्रतिनिधि (यूएसटीआर) के साथ चर्चा करने के लिए अमेरिका गये हैं। वित्त मंत्री ने कहा कि उन वार्ताओं के आधार पर वह वापस आकर निर्णय लेंगे।

द्विपक्षीय व्यापार समझौते से अमेरिका के साथ व्यापार संबंधों को मजबूत करने पर विचार : भारत

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
dakshinbharat.com

नई दिल्ली/भाषा। भारत ने शुक्रवार को कहा कि वह अमेरिका के साथ द्विपक्षीय व्यापार समझौते के जरिये शुल्क और गैर-शुल्क बाधाओं को कम करने सहित व्यापार संबंधों को मजबूत करने पर विचार कर रहा है।

अमेरिकी राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप के अपने व्यापार साझेदारों पर जवाबी शुल्क की घोषणा करने के कुछ दिनों बाद यह बात कही गई। ट्रंप ने 'अमेरिका फर्स्ट' नीति के तहत दो अप्रैल से कई व्यापार साझेदारों पर जवाबी शुल्क की घोषणा की, जो अमेरिका से आयात पर अधिक शुल्क लगाते हैं। इस पर पहली प्रतिक्रिया देते हुए भारत ने संकेत दिया कि वह इस मुद्दे के सौहार्दपूर्ण समाधान की उम्मीद करता है। विदेश मंत्रालय के प्रवक्ता रणधीर जायसवाल ने कहा कि पिछले महीने प्रधानमंत्री की अमेरिका यात्रा के दौरान, दोनों पक्षों ने पारस्परिक रूप से लाभकारी, बहु-क्षेत्रीय द्विपक्षीय व्यापार समझौते (बीटीए) पर बातचीत करने की योजना की घोषणा की थी। वाणिज्य मंत्री पीयूष गोयल अमेरिका में थे और उन्होंने अपने समकक्षों से मुलाकात की तथा दोनों सरकारें बहु-क्षेत्रीय द्विपक्षीय व्यापार समझौते पर चर्चा को आगे बढ़ाने की प्रक्रिया में हैं। बीटीए के माध्यम से हमारा उद्देश्य माल और सेवा क्षेत्र में भारत-अमेरिका के दो-तरफा व्यापार को मजबूत करना, बाजार पहुंच बढ़ाना, शुल्क और गैर-शुल्क बाधाओं को कम करना है।

न्यायालय ने धारावी पुनर्विकास परियोजना पर यथास्थिति का आदेश देने से इनकार किया

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
dakshinbharat.com

नई दिल्ली/भाषा। उच्चतम न्यायालय ने शुक्रवार को मुंबई में धारावी पुनर्विकास परियोजना पर यथास्थिति का आदेश देने से इनकार कर दिया।

प्रधान न्यायाधीश संजीव खन्ना और न्यायमूर्ति संजय कुमार की पीठ ने बंबई उच्च न्यायालय के 20 दिसंबर, 2024 के फैसले को चुनौती देने वाली याचिका पर महाराष्ट्र सरकार और अदाणी प्रॉपर्टीज प्राइवेट लिमिटेड से जवाब मांगा। अदाणी प्रॉपर्टीज प्राइवेट लिमिटेड को इस परियोजना के लिए निविदा दी गई है। उच्च न्यायालय ने धारावी में बस्तियों के पुनर्विकास का रास्ता साफ कर दिया था और परियोजना के लिए अदाणी समूह को दी गई निविदा को बरकरार रखा था तथा कहा था कि निर्णय में कोई ''मनमानी, कुछ अनुचित या दुराग्रह'' नहीं था। इस प्रक्रिया में उच्च न्यायालय ने संयुक्त अरब अमीरात (यूएई) स्थित सेकलिंक टेक्नोलॉजीज कॉरपोरेशन की याचिका को खारिज कर दिया था। इस याचिका में राज्य सरकार के उस फैसले को चुनौती दी गई थी, जिसमें अदाणी प्रॉपर्टीज प्राइवेट लिमिटेड को पुनर्विकास परियोजना देने का फैसला किया गया था। अदाणी समूह ने परियोजना के लिए 5,069 करोड़ रुपए की बोली लगाई थी। सेकलिंक टेक्नोलॉजीज कॉरपोरेशन 2018 में 7,200 करोड़ रुपए की पेशकश के साथ परियोजना के लिए सबसे बड़ी बोली लगाने वाली कंपनी के रूप में उभरी थी, लेकिन बाद में सरकार ने निविदा रद्द कर दी थी। अदाणी समूह मुंबई के मध्य में 259 हेक्टेयर की धारावी पुनर्विकास परियोजना के लिए सबसे अधिक बोली लगाने वाले के रूप में उभरा था और 2022 की निविदा प्रक्रिया में 5,069 करोड़ रुपए की पेशकश के साथ इसे हासिल किया था।

सेकलिंक टेक्नोलॉजीज कॉरपोरेशन ने उच्च न्यायालय के फैसले के खिलाफ याचिका दायर की है। याचिका पर नोटिस जारी करते हुए, पीठ ने अदाणी प्रॉपर्टीज प्राइवेट लि. को एक ही बैंक खाते के माध्यम से परियोजना के लिए भुगतान करने का निर्देश दिया। याचिका पर पीठ द्वारा नोटिस जारी करने के बाद, सेकलिंक टेक्नोलॉजीज कॉरपोरेशन की ओर से पेश वरिष्ठ अधिवक्ता सी. आर्यमा सुंदरम ने अदालत से यथास्थिति का आदेश देने का आग्रह किया। हालांकि, प्रधान न्यायाधीश ने कहा, ''नहीं।'' सुंदरम ने पीठ को बताया कि याचिकाकर्ता कंपनी ने पहली निविदा में 7,200 करोड़ रुपए की पेशकश की थी। उन्होंने पीठ से कहा, ''हम (कंपनी) 7,200 करोड़ रुपए की अपनी पेशकश में 20% की वृद्धि करेंगे।''

भारतीय विश्वविद्यालयों में महिलाओं का नामांकन 2024 में 26 प्रतिशत बढ़ा : रिपोर्ट

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
dakshinbharat.com

नई दिल्ली/भाषा। भारत में उच्च शिक्षा में महिलाओं की भागीदारी में उत्साहजनक वृद्धि देखने को मिली है और गत वर्ष के मुकाबले 2024 में उनका नामांकन 26 प्रतिशत बढ़ा। एक हालिया अध्ययन से यह जानकारी सामने आई। इसकी तुलना में, इसी अवधि के दौरान भारतीय विश्वविद्यालयों में पुरुषों के नामांकन में 3.6 प्रतिशत की वृद्धि हुई।

सिखाने और लोगों को रोजगार के लिये तैयार करने के क्षेत्र से जुड़ी कंपनी 'टीमलीज एडटेक' की एक रिपोर्ट के अनुसार, इसके साथ ही 2023 से 2024 तक कुल छात्र नामांकन में लगभग 12 प्रतिशत की वृद्धि हुई। कार्य-संबंधित, कार्य-एकीकृत और प्रत्यक्ष प्रवेश (डीए) कार्यक्रमों में महिलाओं की भागीदारी दोगुनी से अधिक हो गई, जो 124 प्रतिशत से अधिक की उल्लेखनीय वृद्धि दर्शाती है। इन कार्यक्रमों में पुरुषों के नामांकन में भी लगभग 66 प्रतिशत की उल्लेखनीय वृद्धि देखी गयी। टीमलीज एडटेक के संस्थापक और मुख्य कार्यकारी अधिकारी (सीईओ) शांतनु रूज ने कहा कि यह प्रवृत्ति भविष्य में समतापूर्ण कार्यबल के लिए एक ठोस आधार तैयार कर रही है। उन्होंने कहा, विश्वविद्यालय और कार्य-एकीकृत कार्यक्रमों में महिला आवेदकों की संख्या में वृद्धि आज की महिलाओं की उभरती आकांक्षाओं का प्रमाण है। हमें उच्च शिक्षा के नजरिए से परे इस प्रवृत्ति पर गौर करने की जरूरत है।

देश में 2023-24 में 8.9 करोड़ शहरी महिलाएं श्रम बाजार से बाहर रहीं

नई दिल्ली/भाषा। वित्त वर्ष 2023-24 में 8.9 करोड़ से अधिक शहरी महिलाएं श्रम बाजार से बाहर रहीं और ऐसा पिछले छह वर्षों में महिलाओं के रोजगार में 10% बढ़ोतरी के बावजूद हुआ। ग्रेट लेक्स इंस्टीट्यूट ऑफ मैनेजमेंट, चेन्नई की रिपोर्ट 'भारत का स्त्री-पुरुष रोजगार विरोधाभास' शहरी भारत में महिलाओं की बेरोजगारी के बारे में बताती है। इस रिपोर्ट को अंतरराष्ट्रीय महिला दिवस पर पेश किया गया। इसने शिक्षित महिलाओं के कौशल के कम उपयोग और स्त्री-पुरुष विविधता के कारण होने वाले जोखिम सहित अन्य चुनौतियों के बारे में भी बताया। रिपोर्ट आवधिक श्रम सर्वेक्षण, राष्ट्रीय परिवार स्वास्थ्य सर्वेक्षण और समय उपयोग सर्वेक्षण के माध्यमिक आंकड़ों के विश्लेषण पर आधारित है। रिपोर्ट में कहा गया, ''भारत में व्यक्तिगत पसंद या सामाजिक मानदंडों की बाधाओं के कारण 1.9 करोड़ से अधिक स्नातक शिक्षित शहरी महिलाओं के कौशल का उपयोग नहीं हो रहा। इससे शैक्षिक निवेश की बर्बादी का पता चलता है।'' डीन सुरेश रामनाथन ने कहा कि शहरी भारत में महिलाओं के कार्यरत रहने के बावजूद उन्हें पति द्वारा हिंसा का जोखिम रहता है और कुछ मामलों में नौकरीपेशा महिलाएं पति के दुर्व्यवहार को उचित ठहराती हैं।

जम्मू कश्मीर विधानसभा में 1.12 लाख करोड़ रुपए का बजट पेश

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
dakshinbharat.com

जम्मू/भाषा। जम्मू कश्मीर के मुख्यमंत्री उमर अब्दुल्ला ने शुक्रवार को वित्त वर्ष 2025-26 के लिए 1.12 लाख करोड़ रुपए का बजट पेश किया जिसमें कल्याण और समावेशी विकास पर खास जोर दिया गया है।

जम्मू कश्मीर के 2019 में केंद्रशासित प्रदेश के रूप में तब्दील होने के बाद पहली बार बजट पेश किया गया। नेशनल कॉन्फ्रेंस के नेतृत्व वाली सरकार में वित्त विभाग का भी दायित्व संभाल रहे अब्दुल्ला ने विधानसभा में अपने बजट भाषण में कहा कि यह एक नए और समृद्ध जम्मू कश्मीर का खाका है, जो लोगों की आकांक्षाओं को दर्शाता है और आर्थिक वृद्धि, सामाजिक प्रगति और टिकाऊ विकास के लिए एक मजबूत नींव रखता है। उन्होंने कहा कि बेहतर माहौल आर्थिक प्रगति में योगदान दे रहा है। इससे जम्मू कश्मीर की अर्थव्यवस्था 2019-20 के 1,64,103 करोड़ रुपए से बढ़कर 2023-24 में 2,45,022 करोड़ रुपए हो गई है। उन्होंने कहा, 2024-25 में प्राथमिक, द्वितीयक और तृतीयक क्षेत्रों द्वारा जीएसवीए (सकल राज्य मूल्य वर्धन) में क्रमशः 20 प्रतिशत, 18.30 प्रतिशत और 61.70 प्रतिशत योगदान देने का अनुमान है। यह जम्मू कश्मीर के नेतृत्व द्वारा रखी गई मजबूत नींव का प्रमाण है कि अपनी भौगोलिक चुनौतियों और कई दशकों की उथल-पुथल के बावजूद सामाजिक-आर्थिक संकेतक मजबूत बने हुए हैं।

अब्दुल्ला ने विश्वास व्यक्त किया कि जम्मू कश्मीर विकास में अग्रणी क्षेत्र के रूप में उभरेगा और 2047 तक विकसित भारत के संकल्प में महत्वपूर्ण भूमिका निभाएगा। उन्होंने कहा, इस वर्ष हमने केंद्र सरकार के साथ सक्रिय रूप से बातचीत की, जिसकी वजह से वित्तीय मुद्दों को हल करने के लिए एक विशेषज्ञ समिति का गठन किया गया। अब्दुल्ला ने विभिन्न क्षेत्रों में सहयोग के लिए प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी, केंद्रीय गृह मंत्री अमित शाह और केंद्रीय वित्त मंत्री निर्मला सीतारमण की प्रशंसा की।

मैं उद्धव ठाकरे नहीं हूं, जो चल रही परियोजनाओं पर रोक लगा दूं : फडणवीस

मुंबई/भाषा। महाराष्ट्र के मुख्यमंत्री देवेन्द्र फडणवीस ने शिवसेना (उबाठा) के अध्यक्ष एवं पूर्व मुख्यमंत्री उद्धव ठाकरे पर शुक्रवार को कटाक्ष करते हुए कहा कि वह उनकी (ठाकरे) तरह नहीं हैं जो चल रही परियोजनाओं पर रोक लगा दें। राज्य विधानमंडल के संयुक्त सत्र में राज्यपाल सी.पी. राधाकृष्णन के अभिभाषण के लिए धन्यवाद प्रस्ताव पर चर्चा के दौरान फडणवीस ने कहा कि पिछली महायुति सरकार द्वारा लिए गए निर्णय अकेले एकनाथ शिंदे के नहीं थे, बल्कि समन्वय से लिए गए थे।

मुख्यमंत्री ने सदन में कहा, ''मैं उद्धव ठाकरे नहीं हूं, जो चल रही परियोजनाओं पर रोक लगा दूं। एकनाथ शिंदे के मुख्यमंत्री रहते हुए लिए गए फैसले अकेले उनके नहीं थे। वे मेरी और अजित पवार की भी जिम्मेदारी थे।'' उन्होंने कहा कि भाजपा, शिवसेना और राकांपा की महायुति सरकार समन्वय से काम करती है और गठबंधन के सभी नेता निर्णय लेने में शामिल होते हैं। मुख्यमंत्री ने दावा किया कि मीडिया में गुणवत्तापूर्ण समाचारों और विपक्षी दलों की ओर से गुणवत्तापूर्ण आलोचना का अभाव है। उन्होंने परियोजनाओं पर रोक लगाने के आरोपों को खारिज करते हुए कहा, ''यहां तक कि अगर कोई संभागीय आयुक्त किसी योजना अथवा परियोजना पर रोक लगाता है, यदि वह केंद्र सरकार के दिशा-निर्देशों को पूरा नहीं करती है, तो ऐसा कहा जाता है कि मैंने रोक लगा दी है।''

11 नक्सलियों ने किया आत्मसमर्पण

नारायणपुर/भाषा। छत्तीसगढ़ के नारायणपुर जिले में 40 लाख रुपए के इनामी 11 नक्सलियों ने सुरक्षाबलों के सामने आत्मसमर्पण कर दिया है। पुलिस अधिकारियों ने बताया कि आत्मसमर्पण करने वाले नक्सलियों में सात महिला भी शामिल हैं। नारायणपुर पुलिस, भारत तिब्बत सीमा पुलिस और सीमा सुरक्षा बल के प्रयासों से जिले में 11 नक्सलियों सन्नू उर्फ मंगेश (38), संतु उर्फ बदरू वड़दा (35), जनिला उर्फ जलको कोर्राम (36), सुक्की मंडावी (25), शांति कोवाची (20), मासे उर्फ क्रांति (20), सरिता उसेण्डी (19), मंगती (25), देवा राम (21), रतन उर्फ मुकेश पुनेम (21) और कला (20) ने सुरक्षाबलों के सामने आत्मसमर्पण कर दिया है।

'नायक' फिल्म के नायक जैसा महसूस कर रही हूं : मुख्यमंत्री रेखा गुप्ता

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
dakshinbharat.com

नई दिल्ली/भाषा। दिल्ली की मुख्यमंत्री रेखा गुप्ता ने शुक्रवार को कहा कि इस पद के लिए चुने जाने के बाद उन्हें हिंदी फिल्म 'नायक' के नायक जैसा महसूस हो रहा है। उन्होंने कहा कि यह कोई 'लॉटरी' नहीं बल्कि देश की सभी बेटियों के लिए सम्मान है।

'इंडिया टुडे कॉन्क्लेव' को संबोधित करते हुए गुप्ता ने कहा कि दिल्ली में भाजपा सरकार तीन साल में यमुना की सफाई सुनिश्चित करेगी, यमुना में नौका सेवा शुरू करेगी और अगले दो वर्षों में तीन 'लैंडफिल साइट' को 80-90 प्रतिशत तक कम करेगी। गुप्ता भाजपा शासित राज्यों में एकमात्र महिला मुख्यमंत्री हैं। उनकी सरकार की अन्य प्राथमिकताएं यह सुनिश्चित करना है कि दिल्ली के लोगों को गर्मियों में पानी की कमी और मानसून के दौरान जलभराव का सामना नहीं करना पड़े। मुख्यमंत्री पद के लिए कई वरिष्ठ नेताओं और विधायकों के मुकाबले उन्हें तरजीह दिए जाने के बारे में पूछे जाने पर गुप्ता ने कहा, ''किसी को कोई गलतफहमी नहीं होनी चाहिए। यह जीत दिल्ली की जनता और प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी के नेतृत्व की वजह से है।'' गुप्ता ने कहा, ''यह कोई पद नहीं है, यह एक काम और जिम्मेदारी है। हमारा लक्ष्य विकसित भारत के लिए विकसित दिल्ली बनाना है।'' उन्होंने इस बात को रेखांकित किया कि भारतीय समाज में महिलाओं को ''फ्रंट फुट'' पर आगे बढ़ने के अवसर नहीं मिलते हैं। दिल्ली की मुख्यमंत्री के रूप में उनकी नियुक्ति देश की सभी बेटियों के लिए सम्मान की बात है और इसे लेकर काफी उत्साह है। एक महिला को मुख्यमंत्री के रूप में नियुक्त करना पार्टी और प्रधानमंत्री मोदी का एक बहुत ही महत्वपूर्ण दृष्टिकोण है और यह केवल एक ''प्रतीकात्मक बदलाव'' नहीं है, बल्कि महिलाओं को निर्णय लेने वाले उच्च पदों पर पदोन्नत करने का एक वास्तविक प्रयास है। गुप्ता ने कहा कि यह एक सपने के सच होने जैसा नहीं है। उन्होंने कहा कि वह अपने रास्ते पर आगे बढ़ रही थीं और तभी उन्हें इस पद के लिए चुना गया। दिल्ली की मुख्यमंत्री ने कहा, ''मैं 'नायक' फिल्म के नायक जैसा महसूस कर रही हूं। मैं यह नहीं कहूंगी कि यह लॉटरी लगने जैसा था। यह देश की सभी बेटियों का सम्मान है और मोदी जी ने महिला-नेतृत्व वाले विकास और महिला-नेतृत्व वाली सरकार के दृष्टिकोण को साकार किया है।'' दिल्लीवासी अब समझ गए हैं कि भाजपा की ''डबल इंजन'' की सरकार राष्ट्रीय राजधानी को विकसित शहर बनाने के लिए ''सबसे अच्छा रास्ता'' है। गुप्ता ने कहा कि पार्टी का पूरा नेतृत्व उनके साथ खड़ा है। मुख्यमंत्री ने कहा कि दिल्ली के लोगों को नई सरकार से बहुत उम्मीदें हैं। उन्होंने कहा कि वह बुनियादी सुविधाओं को मजबूत करने और दिल्ली को एक आधुनिक शहर बनाने की दिशा में काम करेंगी।

महिलाओं को 2,500 रुपए देने का वादा पूरा करें दिल्ली की मुख्यमंत्रीः आतिशी

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
dakshinbharat.com

नई दिल्ली/भाषा। आम आदमी पार्टी (आप) की वरिष्ठ नेता आतिशी ने शुक्रवार को दिल्ली की मुख्यमंत्री रेखा गुप्ता को पत्र लिखकर उनसे विधानसभा चुनावों के दौरान भारतीय जनता पार्टी (भाजपा) द्वारा किए गए वादे के मुताबिक महिलाओं के खातों में 2,500 रुपए तत्काल हस्तांतरित करने का आग्रह किया।

दिल्ली विधानसभा में विपक्ष की नेता ने लिखा, ''प्रधानमंत्री ने दिल्ली की माताओं और बहनों को आश्वासन दिया था कि भाजपा के सत्ता में आते ही मंत्रिमंडल की पहली बैठक में महिलाओं को 2,500 रुपए प्रति माह देने की योजना को मंजूरी दी जाएगी और महिला दिवस तक महिलाओं के खातों में धनराशि पहुंचनी शुरू हो जाएगी।'' आतिशी ने कहा कि महिला दिवस में अब केवल एक दिन शेष रह गया है और दिल्ली भर की महिलाएं इस वादे के पूरा होने का बेसब्री से इंतजार कर रही हैं। आतिशी ने कहा, ''उन्हें उम्मीद है कि भाजपा द्वारा दिए गए आश्वासन के अनुसार महिलाओं के खातों में पहली किस्त जमा हो जाएगी। दिल्ली की महिलाओं को उनका हक दिलाने के लिए बिना देरी के धनराशि हस्तांतरित की जानी चाहिए। यहां की हर महिला आपकी ओर उम्मीद से देख रही है।''

सीआईएसएफ ने देश के विकास में निभाई है अहम भूमिका : अमित शाह

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
dakshinbharat.com

चेन्नई। केंद्रीय गृह मंत्री अमित शाह शुक्रवार को तमिलनाडु के अरक्कोणम केंद्रीय औद्योगिक सुरक्षा बल (सीआईएसएफ) के 56वें स्थापना दिवस के अवसर पर आयोजित कार्यक्रम में मुख्य अतिथि के रूप में शामिल हुए। इस अवसर पर उन्होंने सीआईएसएफ से संबंधित पत्रिका सेंटिनल का विमोचन किया। उन्होंने सीआईएसएफ की तरफ से आयोजित परेड का निरीक्षण किया। इस खास मौके पर केंद्रीय मंत्री ने कई विकास परियोजनाओं का उद्घाटन किया और सीआईएसएफ के कार्यों की सराहना भी की।

केंद्रीय मंत्री ने कहा, केंद्रीय औद्योगिक सुरक्षा बल (सीआईएसएफ) के 56वें स्थापना दिवस के अवसर पर मैं देशभर के सीआईएसएफ कर्मियों और उनके परिवारों को हार्दिक बधाई एवं शुभकामनाएं देता हूं। देश में औद्योगिक सुरक्षा के संचालन में सीआईएसएफ ने महत्वपूर्ण भूमिका निभाई है। उन्होंने सीआईएसएफ के बहुआयामी कार्यों की सराहना करते हुए कहा कि 56 सालों में सीआईएसएफ ने देश के विकास और सुरक्षा में महत्वपूर्ण भूमिका निभाई है। इसके लिए मैं सीआईएसएफ के प्रत्येक कर्मियों को बहुत-बहुत बधाई देना चाहता हूं।

केंद्रीय मंत्री अमित शाह ने आगे कहा कि आज हमारे देश के पूर्व गृह मंत्री और महान स्वतंत्रता सेनानी गोविंद बल्लभ पंत की पुण्यतिथि है। मैं आज उन्हें अपनी हार्दिक श्रद्धांजलि अर्पित करना चाहता हूं। यहां मैंने सीआईएसएफ के 127 शहीदों की स्मृति में भी श्रद्धांजलि अर्पित की है। इन 127 जवानों ने विभिन्न क्षेत्रों में सुरक्षा कर्तव्यों का पालन करते हुए अपना सर्वोच्च बलिदान दिया। मैं इन शहीदों के परिवारों से कहना चाहता हूं कि आपके प्रियजनों के बलिदान के कारण ही हमारा देश आज दुनिया के सामने गर्व से खड़ा है।

केंद्रीय मंत्री ने कहा कि आज मैं तमिलनाडु की महान भूमि पर खड़ा हूं। 2019 में हमने केवल दिल्ली के बजाय देश के विभिन्न हिस्सों में सीआईएसएफ स्थापना दिवस मनाने का फैसला किया। मुझे खुशी है कि इस वर्ष, यह कार्यक्रम थक्कोलम में क्षेत्रीय प्रशिक्षण केंद्र में आयोजित किया जा रहा है। तमिलनाडु की समृद्ध संस्कृति ने भारत की विरासत को काफी मजबूत किया है। चाहे वह प्रशासनिक सुधार हो, आध्यात्मिक उन्नति हो, शिक्षा का स्तर हो या राष्ट्रीय एकता और अखंडता का संदेश हो। अमित शाह ने केंद्रीय सशस्त्र पुलिस बल भर्ती पर बात करते हुए कहा, अभी तक सीएपीएफ भर्ती में मातृभाषा के लिए कोई स्थान नहीं था। प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने निर्णय लिया कि हमारे युवा अब तमिल सहित आठ भाषाओं में सीएपीएफ परीक्षा दे सकेंगे। मैं तमिलनाडु के मुख्यमंत्री से आग्रह करना चाहता हूं कि वे जल्द से जल्द मेडिकल और इंजीनियरिंग पाठ्यक्रमों में तमिल भाषा को शामिल करने की दिशा में कदम उठाएं।

चेन्नई से करीब 70 किलोमीटर दूर रानीपेट में आरटीसी थक्कोलम में सीआईएसएफ के 56वें स्थापना दिवस पर आयोजित कार्यक्रम को संबोधित करते हुए गृह मंत्री ने कहा, प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी के नेतृत्व वाली सरकार ने यह सुनिश्चित किया है कि परीक्षा में उत्तर पुस्तिका तमिल में भी लिखी जा सकेगी। उन्होंने कहा, मैं तमिलनाडु के मुख्यमंत्री से छात्रों के लाभ के लिए राज्य में तमिल में इंजीनियरिंग और मेडिकल शिक्षा शुरू करने की अपील करता हूं। उन्होंने कहा कि तमिलनाडु की संस्कृति ने भारत की सांस्कृतिक धारा को मजबूत करने में महत्वपूर्ण भूमिका निभाई है। शाह ने कहा, चाहे वह प्रशासनिक सुधार हो, आध्यात्मिक ऊंचाइयों को प्राप्त करना हो, शिक्षा हो या राष्ट्र की एकता और अखंडता हो, तमिलनाडु ने हर क्षेत्र में भारतीय संस्कृति को मजबूत किया है। इस कार्यक्रम में अर्द्धसैनिक बल के टुकड़ियों का 'मार्च पास्ट', योग प्रदर्शन और कमांडो अभियान का प्रदर्शन किया गया।

रेलवे एसोसिएशन ऑफ फिजिशियन ऑफ इंडिया कॉन्फ्रेंस (रैपिकॉन) 2025

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
dakshinbharat.com

चेन्नई। रेलवे के चिकित्सकों के संघ के वार्षिक सम्मेलन, रैपिकॉन 2025 का औपचारिक उद्घाटन 7 मार्च को यहां के डॉ. अंबेडकर आरंगम में हुआ। इस बहुप्रतीक्षित कार्यक्रम में देश भर से लगभग 250 प्रतिष्ठित डॉक्टर और चिकित्सा पेशेवर एक साथ आए, जिसने एक विचारोत्तेजक और व्यावहारिक सम्मेलन की शुरुआत की। रैपिकॉन 2025 का विषय, चिकित्सा में तकनीकी परिवर्तन: नई सीमाओं को पार करना, स्वास्थ्य सेवा प्रौद्योगिकी में तेजी से हो रही प्रगति और चिकित्सा पद्धति पर उनके गहन प्रभाव को सटीक रूप से दर्शाता है। सम्मेलन ने चिकित्सा पेशेवरों को तेजी से विकसित हो रहे स्वास्थ्य सेवा परिदृश्य में ज्ञान, अनुभव और सर्वोत्तम प्रथाओं को साझा करने के लिए एक अनूठा मंच प्रदान किया। सम्मेलन ने रेलवे मेडिकल चिकित्सकों को चिकित्सा प्रौद्योगिकी के उभरते क्षेत्रों में खुद को अपडेट करने के लिए उपयुक्त मंच प्रदान किया।

उद्घाटन समारोह के दौरान मुख्य अतिथि रेलवे बोर्ड के महानिदेशक, रेलवे स्वास्थ्य सेवा डॉ. मानसिंह और दक्षिण रेलवे के महाप्रबंधक आर.एन. सिंह ने एसोसिएशन ऑफ फिजिशियन ऑफ रेलवे की ई-पत्रिका का उद्घाटन किया, जो नवाचार और ज्ञान साझा करने के लिए संगठन की प्रतिबद्धता का प्रमाण है। मुख्य अतिथि ने रेलवे स्वास्थ्य सेवा में रोबोटिक्स सर्जरी शुरू करने पर जोर दिया। प्रधान कार्यकारी निदेशक/स्वास्थ्य/रेलवे बोर्ड डॉ. एम. रविन्द्रन ने रैपिकॉन 2025 स्मारिका जारी की, जो आयोजकों और प्रतिभागियों की कड़ी मेहनत और समर्पण का सम्मान करती है। समारोह में आईएमए नॉर्थ ज़ोन, टीएन के उपाध्यक्ष डॉ. एस. कासी को चिकित्सा क्षेत्र में उनके उत्कृष्ट योगदान के लिए सम्मानित भी किया गया। इस सम्मेलन का आयोजन दक्षिण रेलवे के प्रधान मुख्य चिकित्सा निदेशक डॉ. सी.एम. रवि, प्रधान मुख्य चिकित्सा निदेशक/मुख्यालय डॉ. एस. कल्याणी और रेलवे अस्पताल, पेरम्बूर के चिकित्सा निदेशक डॉ. वी. कन्नन के नेतृत्व में किया गया। विभिन्न क्षेत्रीय रेलवे के प्रधान मुख्य चिकित्सा निदेशक और चिकित्सक भी इस कार्यक्रम में शामिल हुए, जिससे यह वास्तव में चिकित्सा पेशेवरों की एक राष्ट्रीय सभा बन गई। रैपिकॉन 2025 में कृत्रिम बुद्धिमत्ता, टेलीमेडिसिन और सटीक चिकित्सा सहित चिकित्सा प्रौद्योगिकी में नवीनतम प्रगति पर गहन चर्चा की गई। इस सम्मेलन ने चिकित्सा पेशेवरों को विशेषज्ञों के साथ जुड़ने, अनुभव साझा करने और स्वास्थ्य सेवा वितरण को बदलने में इन प्रौद्योगिकियों की क्षमता का पता लगाने का एक अनूठा अवसर प्रदान किया। रैपिकॉन 2025 भारत में स्वास्थ्य सेवा नवाचार की यात्रा में एक महत्वपूर्ण कदम है।

आइनॉक्स विंड को तमिलनाडु में 153 मेगावाट पवनचक्की की आपूर्ति का ऑर्डर मिला

चेन्नई/नई दिल्ली। आईनॉक्स विंड लि. (आईडब्ल्यूएल) को एक वैश्विक नवीकरणीय ऊर्जा कंपनी से तमिलनाडु में 51 पवनचक्कियों की आपूर्ति का नया ऑर्डर मिला है। आईनॉक्स विंड ने शुक्रवार को बयान में कहा कि प्रत्येक टर्बाइन की क्षमता तीन मेगावाट होगी, जिससे ऑर्डर की कुल क्षमता 153 मेगावाट हो जाएगी।

कंपनी ने कहा, आइनॉक्स विंड ने घोषणा की है कि उसे तमिलनाडु में कंपनी द्वारा विकसित की जा रही एक परियोजना के लिए अग्रणी नवीकरणीय ऊर्जा कंपनी से 153 मेगावाट का ऑर्डर मिला है। इसके अलावा, आईडब्ल्यूएल परियोजना के लिए सीमित दायरे की इंजीनियरिंग, खरीद और निर्माण (ईपीसी) के साथ-साथ टर्बाइन के चालू होने के बाद बहु-वर्षीय संचालन और रखरखाव (ओ एंड एम) सेवाएं भी प्रदान करेगा। आईनॉक्स विंड के समूह मुख्य कार्यपालक अधिकारी (सीईओ) कैलाश ताराचंदानी ने कहा, भारत का वाणिज्यिक और औद्योगिक (सीएंडआई) बाजार तेजी से बढ़ रहा है। पवन ऊर्जा परियोजना निष्पादन में हमारी विशेषज्ञता, मजबूत उत्पाद और उत्कृष्ट सेवा द्वारा समर्थित, इसे बड़े अक्षय ऊर्जा परियोजना डेवलपर्स के लिए पसंदीदा भागीदार बनाती है। कंपनी ने ऑर्डर से संबंधित कोई और विवरण नहीं बताया।

स्टालिन ने मुख्यमंत्रियों से परिसीमन पर संयुक्त कार्रवाई समिति में शामिल होने का आग्रह किया

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
dakshinbharat.com

चेन्नई। तमिलनाडु के मुख्यमंत्री एमके स्टालिन ने शुक्रवार को केरल, कर्नाटक, तेलंगाना, पश्चिम बंगाल, पंजाब, ओडिशा के अपने समकक्षों और विभिन्न पार्टी प्रमुखों को पत्र लिखकर उन्हें राज्य का साथ देने और लोकसभा सीट के परिसीमन पर एक संयुक्त कार्रवाई समिति (जेएसी) का हिस्सा बनने के लिए आमंत्रित किया। स्टालिन ने 22 मार्च 2025 को चेन्नई में जेएसी की पहली बैठक का प्रस्ताव रखा और नेताओं से आगे की दिशा में ''सामूहिक प्रयास'' करने के लिए एकजुट होने का आग्रह किया।

मुख्यमंत्रियों और विभिन्न पार्टी प्रमुखों को लिखे पत्र में स्टालिन ने कहा कि रिपोर्ट से पता चलता है कि जनसंख्या के आधार पर परिसीमन की प्रक्रिया पर विचार किया जा रहा है, जिसके दो संभावित तरीके हैं। उन्होंने कहा कि पहले मामले में, मौजूदा 543 सीट को राज्यों के बीच पुनर्वितरित किया जा सकता है और दूसरे मामले में, सीट की कुल संख्या 800 से अधिक की जा सकती है।

स्टालिन ने कहा, ''दोनों ही स्थितियों में, यदि यह कवायद 2026 के बाद की जनसंख्या पर आधारित है, तो वे सभी राज्य जिन्होंने जनसंख्या नियंत्रण उपायों को सफलतापूर्वक लागू किया है, उन्हें काफी नुकसान होगा। हमें जनसंख्या वृद्धि को प्रभावी ढंग से नियंत्रित करने और राष्ट्रीय विकास लक्ष्यों को बनाए रखने के लिए इस तरह दंडित नहीं किया जाना चाहिए।'' उन्होंने कहा कि इस मुद्दे की गंभीरता के बावजूद, केंद्र सरकार ने न तो स्पष्टता दिखाई है और न ही चिंताओं को दूर करने के लिए कोई ठोस प्रतिबद्धता प्रदर्शित की है। स्टालिन ने पूछा, ''जब हमारे लोकतंत्र की नींव ही दांव पर लगी हो, तो क्या हम ऐसे अस्पष्ट आश्वासनों को स्वीकार कर सकते हैं? जब हमारे राज्यों का भविष्य अधर में लटका हो, तो क्या हम पारदर्शी संवाद के हकदार नहीं हैं?'' उन्होंने कहा, ''हमें मिलकर इस चुनौती के संवैधानिक, कानूनी और राजनीतिक आयामों की जांच करनी चाहिए। हमें मिलकर ऐसे विकल्प विकसित करने चाहिए, जो प्रतिशत के लिहाज से हमारे मौजूदा प्रतिनिधित्व को बनाए रखें।''

स्टालिन ने प्रस्तावित जेएसी में शामिल होने के लिए मुख्यमंत्रियों/पार्टी प्रमुखों की औपचारिक सहमति मांगी, जिसमें दक्षिण में तमिलनाडु, केरल, आंध्र प्रदेश, तेलंगाना और कर्नाटक, पूर्व में पश्चिम बंगाल और ओडिशा तथा उत्तर क्षेत्र में पंजाब शामिल हैं। द्रविड़ मुनेत्र कषगम (द्रमुक) प्रमुख ने कहा कि नेतागण अपनी पार्टी से एक वरिष्ठ प्रतिनिधि को नामित करें, जो जेएसी में काम कर सके और एकीकृत रणनीति के समन्वय में मदद दे सके। तमिलनाडु के मुख्यमंत्री ने केंद्र सरकार की परिसीमन योजना को संघवाद पर एक जबरदस्त हमला बताया, जो जनसंख्या नियंत्रण और सुशासन सुनिश्चित करने वाले राज्यों को दंडित करती है।

स्टालिन ने कहा कि उन्होंने केरल, कर्नाटक, तेलंगाना, पश्चिम बंगाल, ओडिशा और पंजाब के मुख्यमंत्रियों को पत्र लिखा है। साथ ही, उन्होंने केरल, आंध्र प्रदेश, तेलंगाना, कर्नाटक, पश्चिम बंगाल, ओडिशा और पंजाब की पार्टियों के प्रमुखों को पत्र लिखकर इस अनुचित कवायद के खिलाफ बिना किसी समझौते के लड़ने का आह्वान किया है।

त्रिभाषा नीति हस्ताक्षर अभियान : पुलिस ने भाजपा नेता तमिलिसाई सुंदरराजन को हिरासत में लिया

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
dakshinbharat.com

चेन्नई। वरिष्ठ भाजपा नेता तमिलिसाई सुंदरराजन को गुरुवार को एमजीआर नगर में हस्ताक्षर अभियान का नेतृत्व करते समय ग्रेटर चेन्नई पुलिस ने हिरासत में ले लिया। यह घटना पुलिस अधिकारियों और भाजपा समर्थकों के बीच तीखी नोकझोंक के बाद हुई। यह अभियान राष्ट्रीय शिक्षा नीति (एनईपी) के तहत विवादास्पद तीन-भाषा नीति के लिए समर्थन जुटाने हेतु आयोजित किया गया। तमिलनाडु भाजपा इकाई ने हस्ताक्षर अभियान की शुरुआत की, जिसमें राज्य अध्यक्ष के. अन्नामलाई, सुंदरराजन और कई अन्य वरिष्ठ नेता शामिल हुए। इस पहल में जिला और मंडल अध्यक्षों की भागीदारी देखी गई, जिससे यह एक बड़े पैमाने का आंदोलन बन गया।

सुंदरराजन ने तीन-भाषा नीति के लिए राज्य के विरोध पर सवाल उठाते हुए कहा कि एक अतिरिक्त भाषा सीखने से छात्रों के लिए बेहतर नौकरी और शिक्षा के अवसर खुल सकते हैं। उन्होंने पूछा, सरकारी संस्थानों में छात्रों को दूसरी भाषा सीखने के अवसर से क्यों वंचित किया जा रहा है, जो उनके करियर की संभावनाओं को बढ़ा सकता है? वरिष्ठ भाजपा नेता ने आगे कहा, निजी संस्थान पहले से ही तीन-भाषा नीति का पालन कर रहे हैं, लेकिन सरकार सरकारी स्कूलों में दो-भाषा प्रणाली लागू कर रही है। उन्होंने आगे जोर देकर कहा कि भाजपा चाहती है कि सभी छात्रों के लिए समान अवसर सुनिश्चित करने के लिए एनईपी को केंद्रीय बोर्ड, राज्य बोर्ड और सरकारी स्कूल परीक्षाओं में समान रूप से लागू किया जाए।

मुख्यमंत्री और डीएमके अध्यक्ष एमके स्टालिन के नेतृत्व वाली तमिलनाडु सरकार ने एनईपी 2020, विशेष रूप से इसके त्रि-भाषा फॉर्मूले का कड़ा विरोध किया है। डीएमके ने आरोप लगाया कि यह नीति केंद्र द्वारा तमिलनाडु में हिंदी थोपने का एक प्रयास है। पार्टी सदस्यों को लिखे पत्र में मुख्यमंत्री स्टालिन ने अपना रुख दोहराते हुए तर्क दिया था कि संस्कृत को बढ़ावा देने के लिए हिंदी का इस्तेमाल दिखावा के तौर पर किया जा रहा है। उन्होंने दावा किया कि मैथिली, ब्रजभाषा, बुंदेलखंडी और अवधी जैसी कई उत्तर भारतीय भाषाओं को हिंदी ने पीछे छोड़ दिया है, जिससे उनका पतन हुआ है। मुख्यमंत्री स्टालिन ने कहा कि एनईपी के प्रति तमिलनाडु का विरोध इस चिंता से उपजा है कि यह नीति क्षेत्रीय भाषाओं की कीमत पर संस्कृत और हिंदी को बढ़ावा देती है। उन्होंने भाजपा शासित राज्यों पर अन्य भारतीय भाषाओं की तुलना में संस्कृत को प्राथमिकता देने का आरोप लगाया और उदाहरण के तौर पर राजस्थान में उर्दू प्रशिक्षकों के बजाय संस्कृत शिक्षकों की नियुक्ति के फैसले का हवाला दिया।

उच्च न्यायालय ने दयानिधि मारन का निर्वाचन बरकरार रखा

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
dakshinbharat.com

चेन्नई। मद्रास उच्च न्यायालय ने 2024 में हुए लोकसभा चुनाव के दौरान चेन्नई सेंट्रल निर्वाचन क्षेत्र से द्रविड़ मुनेत्र कषगम (द्रमुक) उम्मीदवार दयानिधि मारन के निर्वाचन को चुनौती देने वाली याचिका शुक्रवार को खारिज कर दी। यह याचिका अधिवक्ता एमएल रवि ने दायर की थी, जिन्होंने खुद चेन्नई सेंट्रल निर्वाचन क्षेत्र से चुनाव लड़ा था। न्यायमूर्ति एन आनंद वेंकटेश ने दयानिधि मारन की एक अन्य अर्जी को स्वीकार कर लिया, जिसमें रवि द्वारा दायर याचिका में की गई कुछ दलीलों को रद्द करने का अनुरोध किया गया था।

न्यायाधीश ने कहा, आज (शुक्रवार को) यानी सात मार्च को पारित आदेश के मद्देनजर इस याचिका पर सुनवाई का कारण नहीं बचता। इसलिए इस याचिका को खारिज किया जाता है। मारन की अर्जी पर पारित आदेश में न्यायाधीश ने कहा कि याचिकाकर्ता (रवि) ने केवल एक अनुमान पेश किया है कि आवेदक (मारन) ने निर्वाचन क्षेत्र में मौजूद घरों के बाहर स्टिकर चिपकाने पर कितना खर्च किया गया होगा। उन्होंने कहा कि प्रथम दृष्टया इस बात को साबित करने के लिए कोई सबूत नहीं था कि निर्वाचन क्षेत्र में घरों के बाहर चिपकाए गए स्टिकर सीधे आवेदक से संबंधित थे। न्यायाधीश ने कहा कि याचिकाकर्ता (रवि) चाहता है कि यह अदालत उसके द्वारा लगाए गए व्यय के अनुमान के आधार पर कार्रवाई करे, ताकि उसे आवेदक (मारन) के कुल खर्च में जोड़ा जा सके। उन्होंने कहा कि याचिकाकर्ता के प्रयास में कोई दम नहीं है और उपलब्ध दलीलें भ्रष्ट आचरण या जनप्रतिनिधित्व अधिनियम की धारा 77 के उल्लंघन के लिए कार्रवाई करने का कोई वाजिब कारण नहीं देती हैं।

अन्नामलाई ने टीएएसएमएसी पर ईडी के छापे को लेकर द्रमुक शासन पर लगाया' भ्रष्टाचार' का आरोप

चेन्नई। भारतीय जनता पार्टी (भाजपा) की तमिलनाडु इकाई के अध्यक्ष के अन्नामलाई ने बृहस्पतिवार को आरोप लगाया कि सरकारी कंपनियों को कमीशन के ''केन्द्र'' के रूप में चलाने के कारण प्रवर्तन निदेशालय (ईडी) ने सरकारी शराब निगम 'टीएएसएमएसी' के परिसरों की तलाशी ली है। अन्नामलाई ने सोशल मीडिया पोस्ट में आरोप लगाया, तमिलनाडु को भ्रष्टाचार की भूमि में बदलने और सरकारी कंपनियों को कमीशन के केंद्र के रूप में चलाने का नतीजा आज टीएएसएमएसी पर ईडी की छापेमारी के स्तर तक पहुंच गया है। उन्होंने व्यंग्यात्मक लहजे में मुख्यमंत्री स्टालिन से कहा कि अगर वह द्वि-भाषा नीति के लाभों का वीडियो जारी करके ध्यान भटका सकते हों तो देख लें। तमिलनाडु राज्य विपणन निगम (टीएएसएमएसी) सरकार द्वारा संचालित शराब निगम है।

अभिनेत्री वैजयंतीमाला बाली का स्वास्थ्य अच्छा, झूठी खबरें फैलाना बंद करें: परिवार

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
dakshinbharat.com

चेन्नई/भाषा। दिग्गज अदाकारा-नृत्यांगना वैजयंतीमाला बाली के परिवार और मित्रों ने उनके स्वास्थ्य के बारे में सोशल मीडिया पर फैली खबरों का खंडन किया और कहा कि वह ठीक हैं।

कर्नाटक संगीतकार गिरिजाशंकर सुंदरेशन ने शुक्रवार को अपनी इंस्टाग्राम स्टोरी में लिखा, ''डॉ. वैजयंतीमाला बाली स्वस्थ हैं और इसके विपरीत कोई भी खबर झूठी है। साझा करने से पहले कृपया खबर के स्रोत की पुष्टि कर लें। कृपया बेबुनियाद अफ़वाहें फैलाना बंद करें।'' यह स्टोरी नंदिनी बाली ने साझा की, जो वैजयंतीमाला के बेटे सुचिन्द्र बाली की पत्नी हैं। वैजयंतीमाला ने 1949 में तमिल फिल्म 'वाजकाई' से करियर की शुरुआत की थी और इसके बाद उन्होंने तमिल, तेलुगु तथा हिंदी फिल्मों में अभिनय किया। बिमल रॉय की 'देवदास' (1955) में चंद्रमुखी की भूमिका के लिए उन्हें व्यापक पहचान मिली। इस भूमिका के लिए उन्हें सर्वश्रेष्ठ सहायक अभिनेत्री का फिल्मफेयर पुरस्कार मिला। उन्होंने कथित तौर पर पुरस्कार लेने से इनकार कर दिया और कहा कि वह ''सहायक अभिनेत्री'' नहीं हैं। 'देवदास' में वैजयंतीमाला की सफलता ने उनके लिए उस समय के प्रमुख नायकों के साथ और अधिक हिंदी फिल्मों में काम करने का मार्ग प्रशस्त किया, जिससे उन्हें अपार प्रसिद्धि और स्टारडम मिला। करियर के चरम पर, वैजयंतीमाला ने अभिनेता राज कपूर के पारिवारिक चिकित्सक डॉ. चमनलाल बाली से विवाह करने के बाद अभिनय से संन्यास ले लिया था। बाद में, वह 1984 में भारतीय राष्ट्रीय कांग्रेस में शामिल हो गईं लेकिन 1999 में उन्होंने इस्तीफा दे दिया तथा उसी वर्ष भाजपा में शामिल हो गईं।

अन्नाद्रमुक ने त्रि-भाषा नीति का समर्थन करने पर पूर्व विधायक को पार्टी से बर्खास्त किया

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
dakshinbharat.com

चेन्नई। अन्नाद्रमुक महासचिव एडप्पादी के पलानीस्वामी ने शुक्रवार को पूर्व विधायक के. एस. विजयकुमार को पार्टी अनुशासन का उल्लंघन करने के कारण पार्टी की प्राथमिक सदस्यता और अन्य सभी पदों से हटा दिया।

विजयकुमार के खिलाफ यह कार्रवाई ऐसे समय में की गई है जब उन्होंने त्रि-भाषा नीति का कथित तौर पर समर्थन किया था और इस संबंध में भाजपा के अभियान के समर्थन में अपने हस्ताक्षर किए थे। पार्टी की ओर से जारी एक विज्ञप्ति में पलानीस्वामी ने कहा कि तिरुवल्लूर उत्तर जिले से संबंध रखने वाले विजयकुमार ने पार्टी की विचारधारा और सिद्धांतों के खिलाफ काम किया।

इसमें कहा गया है कि विजयकुमार ने पार्टी अनुशासन का उल्लंघन किया, इसलिए उन्हें पार्टी से निकाल दिया गया है तथा कार्यकर्ता उनसे कोई संपर्क नहीं रखेंगे।

पिंक सिटी जयपुर में सितारों का जमावड़ा

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
dakshinbharat.com

जयपुर। पिंक सिटी जयपुर में इस समय बॉलीवुड के सबसे बड़े सितारों का जमावड़ा लगा हुआ है। इंटरनेशनल इंडियन फिल्म एकेडमी अवार्ड्स 2025 का आयोजन जयपुर में होने वाला है , जहां फिल्म इंडस्ट्री के प्रमुख कलाकार, निर्देशक और प्रोड्यूसर एक साथ एक मंच पर नजर आ रहे हैं। इस मौके पर बॉलीवुड के कई मशहूर सितारे जैसे शाहिद कपूर, रेखा, नोरा फतेही, निमरत कौर, करिश्मा तन्ना समेत अन्य कई सितारे शिरकत करने पहुंचे।

अभिनेता विजय वर्मा, अपारशक्ति खुराना और अभिषेक बनर्जी जयपुर पहुंच चुके थे। सुपरस्टार शाहरुख खान के शुक्रवार को पहुंचने की उम्मीद है और वे तीन दिन तक यहां रहेंगे।आईफा अवार्ड्स का ग्रैंड फिनाले 9 मार्च को होगा, जहां भारतीय सिनेमा के सर्वश्रेष्ठ कार्यों और कलाकारों को प्रतिष्ठित आईफा ट्रॉफी से सम्मानित किया जाएगा।

हालांकि आईफा पुरस्कार समारोह पारंपरिक रूप से अंतरराष्ट्रीय स्थानों पर आयोजित किए जाते रहे हैं, लेकिन इस वर्ष यह समारोह भारत में ही आयोजित किया जा रहा है, जिसकी शुरुआत सांस्कृतिक रूप से समृद्ध और खूबसूरत शहर जयपुर से हो रही है। यह तीन दिवसीय समारोह कई यादगार कार्यक्रमों, प्रदर्शनों और बॉलीवुड की कुछ महानतम उपलब्धियों को सम्मान देने से भरपूर होगा।

तापमान सामान्य से अधिक रहने का अनुमान

जयपुर। राजस्थान में आगामी सप्ताह के दौरान अधिकतम तापमान सामान्य से दो से तीन डिग्री सेल्सियस अधिक रहने का अनुमान है। मौसम विभाग ने यह जानकारी दीं

इसके अनुसार राज्य के अधिकांश भागों में आगामी सप्ताह के दौरान मौसम मुख्यतः शुष्क रहने की संभावना है। इस दौरान राज्य में अधिकतम तापमान सामान्य से 2 से 3 डिग्री सेल्सियस अधिक रह सकता है। बीते चौबीस घंटे में राज्य में मौसम मुख्यत शुष्क रहा। इस दौरान राज्य में सर्वाधिक अधिकतम तापमान बाड़मेर में 36.4 सेल्सियस दर्ज किया गया जबकि न्यूनतम तापमान फतेहपुर (सीकर) में 7.2 डिग्री सेल्सियस दर्ज किया गया।

आस्था और शौर्य का अद्भुत प्रतीक है तनोट माता मंदिर : राज्यपाल

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
dakshinbharat.com

जयपुर। राज्यपाल हरिभाऊ बागड़े ने शुक्रवार को भारत पाक सीमा पर स्थित प्राचीन शक्तिपीठ मां तनोट राय के दर्शन कर पूजा अर्चना की एवं समस्त प्रदेशवासियों के सुख समृद्धि और खुशहाली की प्रार्थना की। इस अवसर पर उन्होंने कहा तनोट माता मंदिर आस्था और शौर्य का अद्भुत प्रतीक है। यह मंदिर विषम परिस्थितियों में देश की रक्षा में तैनात जवानों की अटूट श्रद्धा का केंद्र है।

इस दौरान तनोट माता परिसर स्थित विजय स्तंभ पर सीमा सुरक्षा बल के जवानों ने उन्हें गार्ड ऑफ ऑनर दिया। वहीं, राज्यपाल बागड़े ने विजय स्तम्भ पर पुष्प चक्र अर्पित कर शहीदों को श्रद्धांजलि दी। इस मौके पर राज्यपाल को उपमहानिरीक्षक सीमा सुरक्षा बल नॉर्थ योगेंद्र सिंह राठौड़ ने उनका स्वागत किया एवं तनोट माता की तस्वीर भेंट की।

राज्यपाल बागड़े इसके पश्चात अंतर्राष्ट्रीय सीमा पर बावलियांवाला चौकी पहुंचे और वहां पर तैनात सीमा सुरक्षा बल (बीएसएफ) के जवानों से मुलाकात की । विषम परिस्थितियों में देश की सीमाओं की रक्षा कर रहे सैनिकों की प्रशंसा करते हुए उन्होंने कहा कि इन वीर जवानों के साहस और त्याग की बदौलत ही हम सभी देशवासी चैन की नींद सो पाते हैं।

राज्यपाल ने बावलियांवाला चौकी पर सैनिकों से संवाद कर परिचय प्राप्त करते हुए कहा कि आपके बीच आकर मैं अपने आप में एक नई ऊर्जा का एहसास कर रहा हूं। साथ ही, यह पल मेरे लिए सदा एक यादगार पल रहेगा। इस दौरान उन्होंने सैनिकों की हौसला अफजाई की एवं उनके साथ पूरी आत्मीयता दिखाई। उन्होंने सैनिकों को सम्मान स्वरूप फल और मिठाई भेंट की। राज्यपाल ने कहा कि सीमा सुरक्षा बल देश की पहली रक्षा पंक्ति है। सीमा सुरक्षा बल के जवान हर जगह सतर्क और सीमा सुरक्षा के प्रति प्रतिबद्ध है। किसी भी तरह की चुनौतियों का मुंहतोड़ जवाब देने के लिए हर दम तैयार है। साथ ही उन्होंने कहा कि रात-दिन इस कठिन परिस्थितियों में मुश्किल इलाकों की सुरक्षा में तैनात सीमा सुरक्षा बल के जवानों पर हम सबको गर्व है।

राज्यपाल हरिभाऊ बागड़े की अध्यक्षता में शुक्रवार को तनोट माता मंदिर परिसर में स्थित सीमा सुरक्षा बल के सभागार में जिला प्रशासन एवं सीमा सुरक्षा बल के उच्च अधिकारियों के साथ आंतरिक सुरक्षा समन्वय की बैठक आयोजित की गई। इस अवसर पर उन्होंने आंतरिक सुरक्षा व्यवस्था का मजबूत तंत्र, सीमावर्ती क्षेत्रों में सड़क, पेयजल सहित अन्य मूलभूत सुविधाएं विकसित करने की आवश्यकता पर जोर दिया। उन्होंने कहा कि देश की सीमाओं पर चौकसी जितनी जरूरी है, उतना ही आवश्यक यह है कि 'हमारे यहां आंतरिक सुरक्षा व्यवस्था प्रभावी रहे।

बैठक में राज्यपाल बागड़े ने पाक विस्थापित की स्थिति, अवैध मादक प्रदार्थों की तस्करी रोकथाम, तस्करी के खिलाफ की जा रही कार्रवाई,साईबर अपराधों के विरुद्ध आपरेशन सहित अन्य संबंधित बिंदुओं पर विस्तृत चर्चा कर स्थिति एवं सुरक्षा की जानकारी ली एवं नियमानुसार शीघ्र कार्रवाई के निर्देश दिए। साथ ही, उन्होंने युवाओं में बढ़ रही नशे की प्रवृति की रोकधाम एवं अवैध मादक प्रदार्थों की तस्करी करने वालों के खिलाफ सख्त कार्रवाई के भी निर्देश दिए।

राज्यपाल हरिभाऊ बागड़े ने सीमावर्ती गांव रणाऊ के राजकीय उच्च माध्यमिक विद्यालय में ग्रामीणों की सभा को संबोधित करते हुए कहा कि राजस्थान की धरती सदैव ही शूरवीरों की धरती रही है। उन्होंने कहा कि सीमावासियों ने सीमाओं की रक्षा के लिए सदैव सहयोग दिया इसके लिए वे बधाई के पात्र है। उन्होंने ग्रामीणों के साथ संवाद करते हुए उनसे क्षेत्र की पानी, बिजली, चिकित्सा एवं अन्य मूलभूत सुविधाओं का फीडबैक लिया। उन्होंने लोगों से प्रधानमंत्री आवास योजना में बनाए गए पक्के आवासों की जानकारी ली एवं संबंधित अधिकारियों को निर्देश दिए कि योजनाओं के पात्र लोगों को प्रधानमंत्री आवास स्वीकृत कर उन्हें लाभान्वित करें। राज्यपाल बागड़े ने विद्यार्थियों के साथ भी संवाद किया एवं उनके शैक्षिक स्तर की जानकारी ली।

क्रय-विक्रय सहकारी समितियों के लाभ में रहने पर ही कर्मचारियों को वेतनमान का लाभ : दक

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
dakshinbharat.com

जयपुर। राजस्थान के सहकारिता राज्य मंत्री गौतम कुमार दक ने शुक्रवार को विधानसभा में कहा कि राज्य की क्रय-विक्रय सहकारी समितियों के लाभ में रहने पर नियमानुसार कर्मचारियों को वेतनमान का लाभ दिया जा सकता है। दक प्रश्नकाल में पूरक प्रश्नों का जवाब दे रहे थे। उन्होंने बताया कि सहकारी समितियां स्वायत्तशासी संस्थाएं हैं। इनमें सहकारी भर्ती बोर्ड के माध्यम से भर्तियां की जाती है तथा इनके अपने सेवा नियम हैं। उन्होंने जानकारी दी कि क्रय विक्रय सहकारी समितियों में विभिन्न वेतनमान लागू हैं।

उन्होंने बताया कि समिति के स्थाई कर्मचारियों को वेतनमान का लाभ देने के लिए समितियों द्वारा कुछ शर्तों को पूरा करना अनिवार्य है जैसे समिति द्वारा गत तीन वर्षों में लाभ अर्जित किया गया हो, सदस्यों को नियमानुसार लाभांश का भुगतान किया गया हो तथा गठित कोषों में समिति द्वारा आवश्यक विनिधान कर दिया गया हो, कर्मचारियों को वेतनमान का लाभ दिए जाने के बाद भी संस्था हानि की स्थिति में न आये, समिति आगामी वर्षों में अपना व्यवसाय इस प्रकार बढ़ाए कि व्यवसाय में होने वाले लाभ इस व्यय हेतु पर्याप्त हो, इसके अतिरिक्त समिति द्वारा यह भी सुनिश्चित किया जाए कि यह वेतन संबंधी लाभ दिए जाने के बाद वेतन एवं प्रशासनिक व्यय वर्ष के सकल लाभ के 50 प्रतिशत से अधिक न हो। उन्होंने कहा कि इन शर्तों को पूरा करने के बाद प्रशासनिक स्वीकृति लेकर समितियों के स्थायी कर्मचारियों को वेतनमान का लाभ दिया जा सकता है। इससे पहले विधायक गीता बरवड के मूल प्रश्न के लिखित जवाब में उन्होंने बताया कि क्रय विक्रय सहकारी समितियों में राजस्थान सहकारी भर्ती बोर्ड के माध्यम से चयनित कार्मिकों को संतोषप्रद परिवीक्षाकाल पूर्ण करने के उपरांत संबंधित समिति में लागू वेतनमान के अनुसार वेतन दिया जाता है। उन्होंने बताया कि राज्य की क्रय विक्रय सहकारी समितियों में समान रूप से वेतनमान लागू नहीं है।

राजस्थान के आयुष्मान आरोग्य मंदिर में 'जनता क्लीनिक' से कहीं बेहतर सुविधाएं : मंत्री

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
dakshinbharat.com

जयपुर। राजस्थान सरकार में चिकित्सा एवं स्वास्थ्य मंत्री गजेन्द्र सिंह ने विधानसभा में बताया कि राज्य में इस समय 357 शहरी आयुष्मान आरोग्य मंदिर हैं, जिनका वित्तपोषण केन्द्र सरकार करती है। सिंह, प्रश्नकाल के दौरान सदस्य द्वारा इस संबंध में पूछे गए पूरक प्रश्नों का जवाब दे रहे थे। उन्होंने कहा कि इन आरोग्य मंदिरों में टीकाकरण, दवाइयां, ओपीडी, परिवार कल्याण और स्वास्थ्य जांच जैसी सुविधाएं उपलब्ध हैं। सिंह ने कहा कि पूर्ववर्ती सरकार द्वारा दिल्ली के मोहल्ला क्लिनिक की तर्ज पर वर्ष 2019 - 20 में 'जनता क्लीनिक' खोले गये थे, जिनकी संख्या मात्र 15 ही थी। उन्होंने कहा कि इन्हें वर्ष 2021-22 में शहरी स्वास्थ्य कल्याण केन्द्र नाम दे दिया गया।

सिंह ने कहा कि प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी द्वारा शहरी आयुष्मान आरोग्य मंदिर राजस्थान में खोले गये। मंत्री ने कहा कि केन्द्र सरकार द्वारा वर्ष 2020-21 में 142 आरोग्य मंदिर, 2022-23 में 47, 2023-24 में 143 और 2024-25 में 180 शहरी आयुष्मान आरोग्य मंदिरों को मंजूरी दी गयी। उन्होंने कहा कि जनता क्लीनिक पूरी तरह से दानदाताओं तथा सीएसआर वित्तपोषण के भरोसे चल रहे थे और इनका स्थाई बुनियादी ढांचा भी नहीं था।

सिंह ने सदन में बताया कि राज्य में संचालित शहरी आयुष्मान आरोग्य मंदिरों में चिकित्सक, तकनीकी स्टाफ, लैब टेक्नीशियन, सफाई कर्मियों का वेतन, उपकरण, मरम्मत, मेंटेनेंस, टीकाकरण, दवाइयां, ओपीडी, परिवार कल्याण और स्वास्थ्य जांच आदि सुविधाओं के लिए केन्द्र सरकार द्वारा प्रतिवर्ष 70 लाख रुपये का भुगतान किया जाता है।

राजीव गांधी के लिए ऐसे शब्द कोई 'सिरफिरा' ही कह सकता है : अशोक गहलोत

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
dakshinbharat.com

जयपुर। राजस्थान के पूर्व मुख्यमंत्री अशोक गहलोत ने पूर्व प्रधानमंत्री राजीव गांधी पर आपत्तिजनक टिप्पणी के लिए कांग्रेस के वरिष्ठ नेता मणिशंकर अय्यर की निंदा की और कहा कि यह बयान अय्यर की 'हताशा' की पराकाष्ठा को दर्शाता है। उन्होंने कहा कि राजीव गांधी के लिए ऐसे शब्द कोई 'सिरफिरा' ही कह सकता है। गहलोत ने यहां संवाददाताओं से कहा, जिस रूप से राजीव गांधी के बारे में अचानक टिप्पणियां (अय्यर की टिप्पणी) की गयी हैं, वह हताशा की पराकाष्ठा हैं। इतनी हताशा में व्यक्ति क्या बोलता है, उसको खुद को ही समझ में नहीं आता।

उन्होंने कहा, कोई सिरफिरा व्यक्ति ही राजीव गांधी को लेकर ऐसी बात बोल सकता है। उन्होंने (राजीव गांधी ने) दुनिया के मुल्कों में भारत का मान बढ़ाया। गहलोत ने कहा कि पूर्व प्रधानमंत्री राजीव गांधी के कार्यकाल में जो कानून पारित किए गए वे इतिहास में स्वर्ण अक्षरों में लिख गए और उस व्यक्ति के बारे में टिप्पणियों की जितनी निंदा की जाए कम है। भारतीय जनता पार्टी (भाजपा) के आईटी प्रकोष्ठ के प्रमुख अमित मालवीय ने बुधवार को 'एक्स' पर एक वीडियो क्लिप साझा किया, जिसमें अय्यर को यह दावा करते हुए सुना जा सकता है कि राजीव गांधी को इंग्लैंड में शैक्षणिक रूप से परेशानी का सामना करना पड़ा। उन्होंने आश्चर्य व्यक्त करते हुए कहा, जो व्यक्ति (राजीव गांधी) हवाई जहाज का पायलट था और दो बार विफल रहा, वह प्रधानमंत्री कैसे बन सकता है?

दुष्कर्मियों का आर्थिक बहिष्कार किया जाए : भड़ाना

भीलवाड़ा। राजस्थान में भीलवाड़ा में कैफे कांड के साथ ही बिजयनगर दुष्कर्म और ब्लैकमेल कांड पर तीखी प्रतिक्रिया व्यक्त करते हुए भारतीय जनता पार्टी (भाजपा) के मांडल के विधायक उदयलाल भड़ाना ने कहा है कि दुष्कर्मियों का 'आर्थिक बहिष्कार' करने की मांग की। भड़ाना ने गुरुवार को यहां ग्रामीण हाट बाजार में राजीविका की ओर से लगाए गये सखी मेले में मुख्य अतिथि के रूप में बोलते हुए कहा कि लोग संगठित होकर ताकत के साथ रहें तो उनकी तरफ कोई आंख उठाकर नहीं देख सकेगा। उन्होंने कहा कि हमारे देश, गांव, घर-परिवार की माताएं-बहनें सुरक्षित रहें, ये हमारी आन-बान और शान हैं। अगर इन पर आंच आती है तो सभी राजनीतिक दलों को अपने मतभेद भुलाकर एक साथ एक मंच पर खड़ा रहना चाहिए।

किसने मना किया है जांच कराने से : धारीवाल

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
dakshinbharat.com

जयपुर। राजस्थान के पूर्व मंत्री एवं कांग्रेस विधायक शांति धारीवाल ने शुक्रवार को विधानसभा में राज्य सरकार पर केवल भाषण एवं घोषणा करने का आरोप लगाते हुए कहा है कि वह कई बार कह चुकी है कि पूववर्ती सरकार के समय वितरित पट्टों की जांच करायेगी लेकिन अभी तक कोई जांच नहीं कराई गई हैं। धारीवाल सदन में अनुदान की मांग संख्या 39 नगरीय विकास एवं आवासन तथा मांग संख्या 40 स्वायत्त शासन पर हो रही चर्चा में भाग लेते समय यह बात कही। उन्होंने कहा हमने 13 लाख पट्टे बांटे हैं, जांच कराये, अगर मैंने गलती की है तो सजा दी जाये, लेकिन केवल भाषण में कहना और डेढ़ सौ बार बोल चुके हैं कि जांच करायेंगे मगर एक बार भी जांच नहीं कराई गई। किसने मना किया हैं जांच कराने से। उन्होंने कहा कि लोगों को पट्टे देकर मालिकाना हक दिया गया हैं।

इस पर नगरीय विकास एवं आवासन राज्य मंत्री झाबर सिंह खर्रा ने हस्तक्षेप करते हुए कहा कि दस हजार वर्ग मीटर तक नियमन किया गया इतनी जमीन एक सामान्य किसान के पास नहीं होगी। इस दौरान दोनों में हल्की नोंकझोंक भी हुई और धारीवाल ने कहा कि जांच कराओ ना। उन्होंने कहा कि सरकार का विजन क्या हैं यह तो बताए, कराना क्या चाहते हो। केवल घोषणा कर दी, जांच कराए केवल आरोप लगा रहे, जांच करानी चाहिए। धारीवाल ने कहा कि राज्य सरकार को मास्टर प्लान पर ध्यान देना चाहिए और बढ़ती जनसंख्या के मद्देनजर उसे बसाने एवं उसकी व्यवस्था के बारे में सोचना चाहिए।

जयपुर, लालसोट और बहरोड़ में इनकम टैक्स की रेड, तीन शहरों में 22 ठिकानों पर छापेमारी

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
dakshinbharat.com

जयपुर । राजस्थान के तीन शहरोंजयपुर, लालसोट और बहरोड़ में शुक्रवार सुबह इनकम टैक्स डिपार्टमेंट ने बड़ी कार्रवाई करते हुए तीन बड़े कारोबारियों के 22 ठिकानों पर छापेमारी की। यह रेड कारपेट, रियल एस्टेट और कार्गो बिजनेस से जुड़े व्यापारियों के ठिकानों पर हुई, जिन पर करोड़ों रुपये की टैक्स चोरी का आरोप है। सूत्रों के अनुसार, जयपुर में 19, लालसोट में 2 और बहरोड़ में 1 ठिकाने पर इनकम टैक्स अधिकारियों ने सुबह 7 बजे ही दबिश दी। जयपुर के ब्रह्मपुरी, बजाज नगर और बापू नगर स्थित बिजनेसमैन अनिल गुप्ता, अशोक पाटनी और शब्बीर खान के घरों में भी सर्च ऑपरेशन चल रहा है।

जांच एजेंसियों को इन व्यापारियों के पास बेनामी संपत्तियों और अघोषित संपत्तियों की जानकारी मिली है। शुरुआती छानबीन में भारी मात्रा में कैश, बैंक लॉकर और वित्तीय दस्तावेज जब्त किए गए हैं, जिनका सत्यापन जारी है। इनकम टैक्स अधिकारियों का मानना है कि इस रेड में करोड़ों की टैक्स चोरी का पर्दाफाश हो सकता है।

बहरोड़ में आशादीप बिल्डर्स के दफ्तर पर जब इनकम टैक्स की टीम पहुंची तो वहां ताला लटका मिला। टीम को देखते ही सोसाइटी के कर्मचारी सतर्क हो गए और किसी ने भी ऑफिस नहीं खोला। अधिकारी गाड़ियों में बैठे रहे और उच्च अधिकारियों से निर्देश का इंतजार करते रहे। लालसोट में कारपेट व्यवसाय से जुड़े प्रकाश चंद पाटनी के घर भी इनकम टैक्स की रेड हुई। अधिकारियों ने पाटनी हाउस के बाहर पुलिसकर्मियों की तैनाती कराई, जिससे कोई भी अंदर-बाहर न जा सके। पाटनी परिवार का कारपेट उद्योग के अलावा पेट्रोल पंप और अनाज मंडी में भी कारोबार है।

सूत्रों के अनुसार, इन तीनों व्यवसायियों का आपस में गहरा कनेक्शन है और काफी समय से टैक्स चोरी की शिकायतें मिल रही थीं।

आईटी डिपार्टमेंट ने पूरी जांच के बाद ही इस छापेमारी की योजना बनाई। रेड में बरामद दस्तावेजों की जांच जारी है और जल्द ही इन व्यापारियों पर ठोस कानूनी कार्रवाई हो सकती है। आयकर विभाग इस पूरे मामले में बड़े घोटाले की संभावना से इनकार नहीं कर रहा है।

मंदिर भूमि पर अतिक्रमण का विवाद : संतों की चेतावनी

कोटा। 1300 साल पुराने श्रीरघुनाथ जी मंदिर की भूमि पर अतिक्रमण का मामला गरमा गया है। संत समाज ने जिला प्रशासन को ज्ञापन सौंपते हुए अतिक्रमण हटाने, जमीन सीमांकन करवाने और अवैध गतिविधियों पर रोक लगाने की मांग की है।

संतों का आरोप है कि समाज विशेष के लोग मंदिर परिसर की भूमि पर कब्जा कर रहे हैं और विरोध करने पर धमकियां दी जा रही हैं। मठ के महंत जगदेवदास नागाजी ने बताया कि कैथून स्थित चंद्रलोही नदी के तट पर बने श्रीरघुनाथ जी मंदिर की जमीन पर अवैध निर्माण कर लिया गया है। उन्होंने कहयह मंदिर 1300 साल पुराना है, और इसकी भूमि पर अवैध रूप से दुकानें बनाई जा रही हैं। मंदिर के पास मांस की दुकानें भी खुल गई हैं, जिससे आस्था को ठेस पहुंच रही है।

सूरतगढ़ में 413 गांव और 25 ढाणियों को लाभान्वित करने के लिए 98 योजनाएं स्वीकृत : कन्हैयालाल

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
dakshinbharat.com

जयपुर। राजस्थान के जन स्वास्थ्य अभियांत्रिकी मंत्री कन्हैया लाल ने शुक्रवार को विधानसभा में कहा कि सूरतगढ़ विधानसभा क्षेत्र में 481 आबाद ग्रामों तथा 50 चिह्नित ढ़ाणियों में से 413 गांवों तथा 25 ढाणियों को जल जीवन मिशन के तहत लाभान्वित किया गया है। कन्हैयालाल प्रश्नकाल में पूरक प्रश्नों का जवाब दे रहे थे। उन्होंने बताया कि इन गांव, ढाणियों तक जल पहुंचाने के लिए राज्य स्तरीय योजना स्वीकृति समिति द्वारा लगभग 98 योजनाओं की स्वीकृतियां जारी की गई हैं। उन्होंने कहा कि सूरतगढ़ विधानसभा क्षेत्र के लिए स्वीकृत 98 जल योजनाओं में से 35 जल योजनाएं पूर्ण की जा चुकी हैं। इनका मुख्य जल स्रोत इंदिरा गांधी नहर प्रणाली तथा भाखड़ा नहर प्रणाली पर आधारित है। शेष रही 61 जल योजनाओं का कार्य वर्तमान में प्रगति पर है तथा दो योजनाओं की निविदा सक्षम स्तर पर अनुमोदन के लिए प्रक्रियाधीन है। उन्होंने बताया कि 481 आबाद ग्रामों में से शेष 67 ग्रामों को जल जीवन मिशन के नए दिशानिर्देशों के तहत लाभान्वित किया जाना तकनीकी रूप से फिजिबल नहीं है तथा एक ग्राम विद्युत संयंत्र कॉलोनी सूरतगढ़ के माध्यम से लाभान्वित है। इसी प्रकार विधानसभा क्षेत्र सूरतगढ़ की 50 चिह्नित ढाणियों में से 25 ढाणियां ग्राम की मूल आबादी के समीप होने के कारण विभिन्न विभागीय जल योजनाओं के अंतर्गत घर-घर जल संबंधों द्वारा लाभान्वित हैं। शेष 25 ढाणियों की आबादी बिखरी,एकल घर,खेतों में बसे होने के कारण इनको लाभान्वित किया जाना तकनीकी रूप से फिजीबल नहीं है।

इससे पहले विधायक डूंगरराम गेदर के मूल प्रश्न के लिखित जवाब में उन्होंने कहा कि विधानसभा क्षेत्र सूरतगढ़ में जनवरी 2023 से गत दिसम्बर तक की अवधि में विभाग द्वारा जल जीवन मिशन तहत किसी भी कार्य की स्वीकृति जारी नहीं की गई। जल जीवन मिशन के अतिरिक्त अन्य विभागीय योजनाओं में 17 कार्यों की राशि रूपये 452.42 लाख की स्वीकृतियां जारी की गई। उन्होंने बताया कि स्वीकृत समस्त 17 कार्य पूर्ण किये जा चुके हैं। उन्होंने इन कार्यों का विवरण सदन के पटल पर रखा। उन्होंने कहा कि विधानसभा क्षेत्र सूरतगढ़ में जल जीवन मिशन योजना के तहत स्वीकृत 17 विभिन्न जल योजनाओं में जनवरी 2023 से दिसम्बर 2024 तक की अवधि में 19 उच्च जलाशयों का निर्माण कार्य पूर्ण किया गया है। उन्होंने योजनावार विवरण सदन के पटल पर रखा।

उन्होंने कहा कि इस विधानसभा क्षेत्र में जनवरी, 2023 से दिसम्बर, 2024 तक जल जीवन मिशन योजना के तहत किसी भी ढाणी में जल संबंध जारी नहीं किये गये हैं। इसके तहत स्वीकृत योजनाओं के अंतर्गत विधानसभा क्षेत्र सूरतगढ़ के विभिन्न ग्रामों में जनवरी 2023 से दिसम्बर 2024 तक की अवधि में 20 हजार 614 जल संबंध जारी किये गये हैं। उन्होंने ग्रामवार विवरण सदन के पटल पर रखा।

मुस्लिम नेताओं से राजभर ने कहा, नफरत के बीज बोना बंद करें, शिक्षा और रोजगार पर ध्यान दें

बलिया (उप्र)/भाषा। उत्तर प्रदेश के पंचायती राज मंत्री एवं सुहेलदेव भारतीय समाज पार्टी (सुभासपा) के अध्यक्ष ओम प्रकाश राजभर ने शुक्रवार को मुस्लिम नेताओं से नफरत फैलाना बंद करने और इसके बजाय शिक्षा, रोजगार और सामाजिक सद्भाव के माध्यम से अपने समुदाय के कल्याण पर ध्यान केंद्रित करने का आग्रह किया।

समाजवादी पार्टी के महाराष्ट्र विधायक अबू आज़मी की मुगल शासक औरंगजेब की प्रशंसा करने वाली हालिया टिप्पणियों पर प्रतिक्रिया देते हुए राजभर ने कहा, मुस्लिम नेताओं को नफरत के बीज बोना बंद कर देना चाहिए।'' उन्होंने कहा, ''उन्हें अपने समुदाय के लिए बेहतर शिक्षा, स्वास्थ्य सेवा, नौकरी और रोजगार के बारे में बात करनी चाहिए। उन्हें विभाजन को भड़काने के बजाय शांति और भाईचारे के लिए काम करना चाहिए। उन्होंने चेतावनी दी कि इस तरह के बयान मुस्लिम समुदाय की छवि को नुकसान पहुंचा रहे हैं। उन्होंने कहा, घृणा फैलाकर उन्होंने पूरे समुदाय को ऐसी स्थिति में पहुंचा दिया है, जहां अब उसे संदेह की नजर से देखा जाता है। मैं ऐसे लोगों से अपील करता हूं कि वे घृणा फैलाना बंद करें और इसके बजाय समाज की बेहतरी के लिए लड़ें। उन्हें बेबुनियाद बयान देने से बचना चाहिए।

राजभर ने अपराध पर योगी आदित्यनाथ के नेतृत्व वाली सरकार के सख्त रुख का भी बचाव किया और कहा कि अपराधियों के लिए तीन समाधान हैं– अंदर, ऊपर या जेल के अंदर। जब उनसे पूछा गया कि क्या वह सुभासपा कार्यकर्ता उमापति राजभर के कथित उत्पीड़न के विरोध में इस्तीफा देंगे, तो मंत्री ने इस विचार को खारिज कर दिया और याद दिलाया कि वह 2017 में एक बार सरकार से इस्तीफा दे चुके हैं।

राजद सांसद ने बिहार के दो शीर्ष अधिकारियों पर वित्तीय धोखाधड़ी का आरोप लगाया

पटना/भाषा। राष्ट्रीय जनता दल (राजद) के सांसद सुधाकर सिंह ने आरोप लगाया कि बिहार के मुख्यमंत्री नीतीश कुमार के भरोसेमंद दो शीर्ष अधिकारी करोड़ों रुपए के ''घोटाले'' में शामिल हैं, जो ''एक निजी कंपनी और एक गैर सरकारी संगठन के बीच सांठगांठ'' से जुड़ा है। जिन दो अधिकारियों का उल्लेख किया, फिलहाल उनकी तरफ से इन आरोपों पर कोई प्रतिक्रिया नहीं आई है। बक्सर से लोकसभा सदस्य एक बयान में कहा, ''उक्त एनजीओ और निजी कंपनी के सांठगांठ से हुए करोड़ों रुपए के इस घोटाले की जांच के लिए मैं प्रधानमंत्री कार्यालय, सीएजी, लोकपाल और संसद में ज्ञापन दूंगा।''

सिंह ने आरोप लगाया कि इस सप्ताह की शुरुआत में पेश किए गए राज्य बजट में बिहार सरकार के वित्त विभाग के द्वारा मुख्यमंत्री के प्रधान सचिव दीपक कुमार की बेटी और केवल ढाई महीने पहले स्थापित की गई कंपनी 'बोधी सेंटर फॉर सस्टेनेबल ग्रोथ प्राइवेट लिमिटेड' की मालिक ईशा वर्मा को 25 करोड़ रुपए से 'बिहार ग्रीन डेवलपमेंट फंड' की स्थापना करके लाभ पहुंचाने की कोशिश की गई है। राजद सांसद ने दावा किया कि बिहार के वित्त विभाग के प्रधान सचिव आनंद किशोर की शादी दीपक कुमार की बहन से हुई है। उन्होंने आरोप लगाया कि किशोर ने वर्मा व उसकी कंपनी 'बोधी सेंटर फॉर सस्टेनेबल ग्रोथ प्रा.लि.' को वित्त विभाग में काम करने की अनधिकृत अनुमति बिना किसी निविदा या कानूनी प्रक्रिया के दी है।

यौन इच्छा के बिना नाबालिग के होठों को दबाना, छूना पॉक्सो के तहत अपराध नहीं : दिल्ली उच्च न्यायालय

नई दिल्ली/भाषा। दिल्ली उच्च न्यायालय ने कहा है कि यौन प्रेरित प्रयासों के बिना नाबालिग लड़की के होठों को छूना और दबाना तथा उसके बगल में सोना पॉक्सो (यौन अपराध से बच्चों का संरक्षण) अधिनियम के तहत ''गंभीर यौन उत्पीड़न'' नहीं है जिसके लिए आरोपी के खिलाफ अभियोजन चलाया जाए।

न्यायमूर्ति स्वर्णकांता शर्मा ने कहा कि ये कृत्य नाबालिग की गरिमा का उल्लंघन और उसे ठेस पहुंचा सकते हैं, लेकिन ''प्रकट या यौन इरादे की मंशा'' के बिना पॉक्सो अधिनियम की धारा 10 के तहत आरोप तय करने के लिए आवश्यक वैधानिक सीमा को पूरा करना मुश्किल होगा। न्यायमूर्ति ने अपने फैसले में कहा कि प्रथम दृष्टया भारतीय दंड संहिता (आईपीसी) की धारा 354 के तहत 'महिला की गरिमा को ठेस पहुंचाने के इरादे से उस पर हमला या आपराधिक बल का प्रयोग' करने का स्पष्ट मामला बनता है। अदालत ने 24 फरवरी को 12 वर्षीय नाबालिग लड़की के चाचा की उस याचिका पर सुनवाई करते हुए यह फैसला सुनाया, जिसमें उसके खिलाफ आईपीसी की धारा 354 और पॉक्सो अधिनियम की धारा 10 के तहत आरोप तय किए जाने के खिलाफ दलील दी गई थी। अदालत ने धारा 354 के तहत आरोप बरकरार रखा, लेकिन पॉक्सो अधिनियम की धारा 10 के तहत उसे बरी कर दिया। शीर्ष अदालत के फैसलों का हवाला देते हुए अदालत ने कहा कि न्यायालय ने बार-बार कहा है कि आईपीसी की धारा 354 के संदर्भ में महिला की गरिमा की व्याख्या किसी महिला या नाबालिग लड़की की गरिमा और शरीर पर उसके अधिकार के सदंर्भ में की जानी चाहिए।

बिना भेदभाव प्रगति के अवसर मिलेंगे लेकिन किसी का तुष्टिकरण नहीं होगा : योगी

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
dakshinbharat.com

आगरा (उप्र)/भाषा। उत्तर प्रदेश के मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ ने शुक्रवार को कहा कि 'नए' भारत में सभी को बिना किसी भेदभाव के सुरक्षा और प्रगति के अवसर मिलेंगे, लेकिन किसी का तुष्टिकरण नहीं होगा।

आगरा में 'मुख्यमंत्री युवा उद्यमी विकास अभियान' के अंतर्गत 1,000 युवाओं के बीच ऋण वितरण के लिये आयोजित कार्यक्रम को मुख्यमंत्री संबोधित कर रहे थे। योगी ने आगरा मंडल के 1,000 युवाओं को शुक्रवार को मुख्यमंत्री युवा उद्यमी विकास अभियान' के अंतर्गत ऋण का चेक एवं उप्र ओडीओपी (एक जिला-एक उत्पाद) के प्रशिक्षणार्थियों को टूल किट का वितरण किया। उन्होंने कहा युवा देश की ऊर्जा के प्रतीक हैं। आज 1,000 नए युवा उद्यमी प्रदेश और देश के विकास में अपना योगदान देने के लिए तत्पर होकर आगे बढ़ रहे हैं।

मुख्यमंत्री ने सभी युवाओं को हार्दिक बधाई एवं शुभकामनाएं देते हुए महाकुम्भ-2025, प्रयागराज की चर्चा की। उन्होंने कहा कि कुंभ ने उत्तर प्रदेश को आस्था के पांच कॉरिडोर दिए हैं और यह पंच तीर्थ आज आस्था के साथ-साथ आजीविका के भी आधार बने हैं।

उन्होंने कहा, इस नए भारत में किसी के साथ कोई भेदभाव नहीं है। सुरक्षा और समृद्धि सभी के लिए है, विकास के अवसर सभी के लिए हैं, लेकिन किसी का तुष्टिकरण नहीं होगा।

असम की सकल कृषि भूमि में मामूली गिरावट, सिंचित क्षेत्र में वृद्धि : मंत्री अशोक सिंघल

गुवाहाटी/भाषा। असम में सकल कृषि भूमि 2015-16 के बाद से पिछले नौ वर्षों में मामूली रूप से कम हुई है, जबकि सिंचित भूमि क्षेत्र में वृद्धि हुई है। प्रदेश के सिंचाई मंत्री अशोक सिंघल ने शुक्रवार को विधानसभा में यह जानकारी दी।

निर्दलीय विधायक अखिल गोगोई के एक सवाल का जवाब देते हुए सिंघल ने कहा, राज्य में सकल कृषि भूमि 2015-16 में 35.09 लाख हेक्टेयर थी, जो 2024-25 में घटकर 34.94 लाख हेक्टेयर रह गई है। इसी अवधि के दौरान शुद्ध कृषि भूमि 28.01 लाख हेक्टेयर से मामूली रूप से बढ़कर 28.62 लाख हेक्टेयर हो गई। मंत्री ने कहा, 2015-16 में शुद्ध सिंचित भूमि और सकल सिंचित भूमि क्रमशः 3.25 लाख हेक्टेयर और 4.55 लाख हेक्टेयर थी, जो राज्य की कुल कृषि भूमि का 11.60% थी। उन्होंने कहा कि 2024-25 में शुद्ध सिंचित भूमि और सकल सिंचित भूमि क्रमशः 6.95 लाख हेक्टेयर और 8.80 लाख हेक्टेयर है, जो कुल कृषि भूमि का 24.28 प्रतिशत होगी।

मणिपुर मुद्दे को सुलझाने के लिए प्रधानमंत्री मोदी का दृष्टिकोण व्यावहारिक है: किरेन रीजीजू

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
dakshinbharat.com

नई दिल्ली/भाषा। केंद्रीय मंत्री किरेन रिजिजू ने शुक्रवार को कहा कि प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी मणिपुर के लोगों की समस्या का दीर्घकालिक समाधान निकालने के लिए व्यावहारिक दृष्टिकोण रखते हैं।

रीजीजू ने 'इंडिया टुडे कॉन्क्लेव' में कहा कि उन्हें उम्मीद है कि मणिपुर में जल्द ही शांति आएगी क्योंकि सरकार इस समस्या का समाधान खोजने के लिए स्पष्ट दृष्टिकोण अपना रही है। उन्होंने मोदी की मणिपुर यात्रा की विपक्ष की मांग को भी खारिज कर दिया। मंत्री ने कहा कि प्रधानमंत्री को समस्या पता होनी चाहिए और यही अधिक महत्वपूर्ण है। उन्होंने कहा कि दौरा करना और बयान देना दूसरी बात है। उन्होंने कहा कि मोदी एकमात्र प्रधानमंत्री हैं जो यह सुनिश्चित करने के लिए जड़ तक गए हैं कि मणिपुर के लोगों के समक्ष जो समस्या है उसका समाधान हो जाए और हमेशा के लिए उसका हल निकले। उन्होंने कहा कि पहले जब मणिपुर में हजारों लोग मारे गए थे, तब केवल संयुक्त सचिव स्तर का अधिकारी ही राज्य का एक दिवसीय दौरा करता था। रीजीजू ने कहा कि गृह मंत्री अमित शाह चार दिन तक मणिपुर में रहे और लोगों से शांति की अपील की। रीजीजू ने कहा कि मणिपुर में राष्ट्रपति शासन लागू होने के बाद राज्यपाल ने हथियार डालने की अपील की है। केंद्रीय संसदीय कार्य और अल्पसंख्यक मामलों के मंत्री रीजीजू ने कहा, '' हथियार जमा कराए जा रहे हैं...अच्छी खबर आ रही है।'' उन्होंने कहा कि बीते दशक में भाजपा पूर्वोत्तर में मजबूत इसलिए हुई है क्योंकि प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी ने इस क्षेत्र के भविष्य के लिए जो पेशकश की, वह लोगों को पसंद आई।

भारतीय फुटबॉल की खराब स्थिति को भी उजागर करती है छेत्री की वापसी

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
dakshinbharat.com

नई दिल्ली/भाषा। सुनील छेत्री के 40 साल की उम्र में संन्यास से वापसी करने के फैसले को अखिल भारतीय फुटबाल महासंघ (एआईएफएफ) ने भले ही बुद्धिमता पूर्ण करार दिया हो लेकिन इससे भारतीय फुटबॉल की खराब स्थिति का भी पता चलता है जहां एक अरब 40 करोड़ जनसंख्या वाले देश में एक अदद स्ट्राइकर तैयार नहीं हो पाया।

उस खिलाड़ी की जितनी भी तारीफ की जाए कम है जिसने लगभग दो दशक तक राष्ट्रीय टीम को अपनी सेवाएं दी और भारत की तरफ से सर्वाधिक 94 गोल करके अंतरराष्ट्रीय फुटबॉल को अलविदा कहा था।

छेत्री ने पिछले साल मई में सन्यास की घोषणा की थी तब वह अंतरराष्ट्रीय स्तर पर सर्वाधिक गोल करने वाले सक्रिय खिलाड़ियों की सूची में पुर्तगाल के स्टार स्ट्राइकर क्रिस्टियानो रोनाल्डो और अर्जेंटीना के लियोनेल मेसी के बाद तीसरे नंबर पर थे।

लेकिन छेत्री की उपलब्धियां अपनी जगह हैं और उनका संन्यास लेने के एक साल से भी कम समय में वापसी करने का फैसला चौंकाने वाला है और इससे भारतीय फुटबॉल को लेकर अच्छे संकेत नहीं गए।

एआईएफएफ के अनुसार उन्हें राष्ट्रीय टीम के मुख्य कोच मनोलो मार्केज़ उन्हें संन्यास से वापसी करने के लिए मनाने में सफल रहे। मुख्य कोच ने उन्हें एएफसी एशिया कप 2027 के क्वालीफायर्स के अंतिम दौर के लिए टीम से जुड़ने का आग्रह किया था।

छेत्री अंतरराष्ट्रीय फुटबॉल से संन्यास लेने के बाद भी इंडियन सुपर लीग (आईएसएल) में बेंगलूरू एफसी की तरफ से खेलते रहे। वह इस टूर्नामेंट के वर्तमान सत्र में अभी तक 23 मैच में 12 गोल कर चुके हैं। उनके इस प्रदर्शन के कारण ही राष्ट्रीय कोच ने उन्हें राष्ट्रीय टीम से जुड़ने के लिए कहा।

आईएसएल में उनके प्रदर्शन से एआईएफएफ के अध्यक्ष कल्याण चौबे भी प्रभावित थे।

चौबे ने कहा, 'सुनील की नेतृत्व क्षमता बेजोड़ है। उनके जैसा खिलाड़ी पूरी टीम को प्रेरित कर सकता है। आईएसएल में उनकी फॉर्म भी शानदार रही है। उन्होंने 12 गोल किए हैं और उनके जैसे स्ट्राइकर से भारत को काफी फायदा हो सकता है।''

चौबे की तरह एआईएफएफ महासचिव अनिलकुमार पी और अपने जमाने के दिग्गज खिलाड़ी आईएम विजयन ने भी इस फैसले के सकारात्मक पक्ष पर ही ध्यान देना उचित समझा।

हिन्दू महासभा के सदस्यों ने संभल की शाही जामा मस्जिद में पूजा करने की अनुमति मांगी

संभल (उप्र)/भाषा। हिंदू महासभा का सदस्य होने का दावा करने वाले लोगों के एक समूह ने शुक्रवार को संभल की शाही जामा मस्जिद में पूजन-हवन करने की अनुमति नहीं मिलने के बाद स्थानीय उपजिलाधिकारी (एसडीएम) के कार्यालय में 'हवन' किया। सूत्रों ने बताया कि महासभा के सदस्यों ने संभल की शाही जामा मस्जिद को हरिहर मंदिर करार देते हुये वहां शुक्रवार को पूजा और हवन करने की अनुमति मांगी थी।

संभल की एसडीएम वंदना मिश्रा ने पत्रकारों को बताया कि हिंदू महासभा का सदस्य होने का दावा करने वाले कुछ लोग नई दिल्ली से यहां आए थे, और उन्होंने शाही जामा मस्जिद में हवन एवं पूजन करने की अनुमति मांगी। उन्होंने कहा, ''उन लोगों को वहां पूजन और हवन करने की अनुमति नहीं दी गयी, तो उन्होंने एसडीएम कार्यालय के बाहर हवन करने का विकल्प चुना और क्षेत्र को देवभूमि घोषित कर वहीं हवन शुरू कर दिया।'' एसडीएम ने बताया कि हमारे द्वारा यह कहा गया कि यह मामला न्यायालय में विचाराधीन है। आप वहां अपना पक्ष रखें, यदि न्यायालय की ओर से कोई आदेश दिया जाता है तो हम सहयोग करेंगे।

यह पूछे जाने पर कि क्या उन लोगों ने वहां नमाज रोकने की भी बात कही है, उन्होंने कहा, ''इस बात को उन्होंने ज्ञापन के माध्यम से कहा है, जिसे उच्चाधिकारियों तक पहुंचा दिया जाएगा।''

मनुस्मृति मामले में राजद नेता प्रियंका भारती को राहत देने से इनकार

प्रयागराज/भाषा। इलाहाबाद उच्च न्यायालय ने समाचार चैनलों की लाइव परिचर्चा में एक धर्म विशेष के पवित्र ग्रंथ मनुस्मृति के कथित तौर पर कुछ पन्ने फाड़ने के लिए राष्ट्रीय जनता दल की नेता प्रियंका भारती के खिलाफ दर्ज प्राथमिकी रद्द करने से इनकार कर दिया। न्यायमूर्ति विवेक कुमार बिड़ला और न्यायमूर्ति अनीष कुमार गुप्ता की पीठ ने राजद प्रवक्ता प्रियंका भारती द्वारा दायर आपराधिक रिट याचिका पर यह आदेश पारित किया।

अदालत ने कहा, हम पाते हैं कि मनुस्मृति के पन्नों को फाड़ने का कृत्य कुछ और नहीं, बल्कि प्रथम दृष्टया याचिकाकर्ता द्वारा दुर्भावना से और जानबूझकर किया गया कृत्य है और यह बिना किसी वैध कारण के किया गया है। अदालत ने आगे कहा, हम इस तथ्य को नजरअंदाज नहीं कर सकते कि याचिकाकर्ता एक उच्च योग्य व्यक्ति है और टीवी चैनल की परिचर्चा में एक राजनीतिक पार्टी के प्रवक्ता के तौर पर हिस्सा ले रही थी। इसलिए दलील नहीं दी जा सकती कि यह कृत्य नादानी में हो गया। इसलिए हमारे विचार से यह प्रथम दृष्टया एक संज्ञेय अपराध बनता है।

वक्फ विधेयक का पुरजोर विरोध करेंगे, 'इंडि' गठबंधन के घटक दलों को साथ लेंगे : रमेश

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
dakshinbharat.com

नई दिल्ली/भाषा। कांग्रेस महासचिव जयराम रमेश ने बजट सत्र के दूसरे चरण की शुरुआत से कुछ दिनों पहले शुक्रवार को कहा कि यदि सरकार वक्फ संशोधन विधेयक लाती है तो उनकी पार्टी सभी लोकतांत्रिक माध्यमों का इस्तेमाल करते हुए इसका पुरजोर विरोध करेगी क्योंकि संयुक्त संसदीय समिति (जेपीसी) में ''बुलडोजर चलाया गया और तानाशाही हुई।''

उन्होंने 'पीटीआई-भाषा' के साथ बातचीत में यह भी कहा कि कांग्रेस वक्फ विधेयक को लेकर 'इंडियन नेशनल डेवलपमेंटल इन्क्लूसिव अलायंस' (इंडिया) के घटक दलों को इस मुद्दे पर एकजुट करने के लिए उनके साथ व्यापक विचार-विमर्श करेगी तथा आने वाले दिनों में लोकसभा में नेता प्रतिपक्ष राहुल गांधी और राज्यसभा में नेता प्रतिपक्ष मल्लिकार्जुन खरगे विपक्षी दलों के नेताओं से खुद बात करेंगे। संसद के बजट सत्र का दूसरा चरण आगामी 10 मार्च से चार अप्रैल तक प्रस्तावित है। माना जा रहा है कि सरकार इस दौरान वक्फ संशोधन विधेयक पेश कर सकती है। केंद्रीय मंत्रिमंडल ने पिछले दिनों संसद की संयुक्त समिति (जेपीसी) द्वारा प्रस्तावित 14 संशोधनों को अपनी मंजूरी दी थी।

राज्यसभा सदस्य रमेश ने वक्फ संशोधन विधेयक से जुड़े सवाल पर कहा, ''हम यह मानकर चल रहे हैं कि अगले दो तीन हफ्तों में वक्फ संशोधन विधेयक पेश होगा। हम इसका पुरजोर विरोध करेंगे।'' उन्होंने कहा, ''हमारी मांग थी कि जेपीसी का गठन होना चाहिए और फिर गठन हुआ। लेकिन जेपीसी में बुलडोजर चलाया गया है...दो दिन का समय देकर सदस्यों को 600 पन्नों की रिपोर्ट पकड़ा दी गई। विपक्ष के सांसदों के सुझावों को पूरी तरह से नजरअंदाज किया गया।'' कांग्रेस नेता का कहना था, ''जेपीसी में खंड-वार चर्चा होती है। लेकिन पहली बार इस तरह की तानाशाही देखने को मिली कि जेपीसी में खंड-वार चर्चा नहीं हुई। जिस तरह से जेपीसी में बुलडोजर चलाया गया, उसका हम विरोध करेंगे।''

रांची के आश्रम में दोहरा हत्याकांड: भाजपा विधायक का दावा-झारखंड में साधु भी सुरक्षित नहीं

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
dakshinbharat.com

रांची/भाषा। झारखंड भाजपा विधायक नवीन जायसवाल ने शुक्रवार को विधानसभा में रांची के हालिया दोहरे हत्याकांड का मामला उठाया और आरोप लगाया कि झारखंड में साधु भी सुरक्षित नहीं हैं। सरकार ने उन्हें आश्वासन दिया कि अपराध में शामिल लोगों के खिलाफ कड़ी कार्रवाई की जाएगी।

रांची के चान्हो प्रखंड स्थित आनंद मार्ग आश्रम में बुधवार रात कुछ हमलावरों ने साधु मुकेश शाह और राजेंद्र यादव नामक एक व्यक्ति की गोली मारकर हत्या कर दी। हटिया विधायक ने कहा कि हमलावर आश्रम में घुसे और दोनों की गोली मारकर हत्या कर दी। जायसवाल ने कहा, ''यह महज लूट का मामला नहीं हो सकता, क्योंकि आश्रम में ज्यादा संपत्ति नहीं है। इसका मकसद कुछ और है। झारखंड में साधु भी सुरक्षित नहीं हैं, लेकिन सरकार चुप है।'' भाजपा विधायक को जवाब देते हुए संसदीय कार्य मंत्री राधा कृष्ण किशोर ने कहा कि घटना दुर्भाग्यपूर्ण है। उन्होंने सदन को बताया कि पुलिस ने त्वरित कार्रवाई करते हुए दोहरे हत्याकांड के सिलसिले में चार व्यक्तियों को गिरफ्तार किया है।

किशोर ने कहा, ''दो अन्य आरोपी अभी भी फरार हैं। मैं इस मामले में रांची एसएसपी से और जानकारी लूंगा। इस घटना में शामिल लोगों के खिलाफ सख्त कार्रवाई की जाएगी।'' पुलिस ने बृहस्पतिवार को कहा कि प्रारंभिक जांच से पता चला है कि अपराध के पीछे मुख्य मकसद चोरी था। भारतीय जनता पार्टी (भाजपा) की झारखंड इकाई के अध्यक्ष बाबूलाल मरांडी ने भी घटना की आलोचना की। उन्होंने सोशल मीडिया मंच 'एक्स' पर पोस्ट किया, ''झारखंड में रांची के चान्हो स्थित आनंद मार्ग आश्रम में लूटपाट और साधु की हत्या की घटना राज्य सरकार और पुलिस प्रशासन की विफलता को दर्शाती है।

सुकांत मजूमदार ने यादवपुर विवि गतिरोध को राजनीति से प्रेरित बताया

कोलकाता/भाषा। भारतीय जनता पार्टी (भाजपा) की पश्चिम बंगाल इकाई के अध्यक्ष सुकांत मजूमदार ने शुक्रवार को दावा किया कि यादवपुर विश्वविद्यालय में जारी गतिरोध कृत्रिम रूप से खड़ा किया गया है और अगर अधिकारी वास्तव में मंशा रखते हैं, तो इसे सुलझाया जा सकता है। उन्होंने आरोप लगाया कि इस मुद्दे को राजनीतिक कारणों से लंबा खींचा जा रहा है।

मजूमदार ने निवेश शिखर सम्मेलन रोड शो में शिक्षा मंत्री ब्रत्य बसु के विश्वविद्यालय दौरे के समय पर सवाल उठाया, जो अगले वर्ष होने वाले विधानसभा चुनावों से पहले हुआ है। मजूमदार ने कहा, अगर वाकई मंशा है, तो गतिरोध को सुलझाया जा सकता है। चुनाव से ठीक पहले शिक्षा मंत्री को दौरा करने की क्या जरूरत पड़ गई? यह एक सुनियोजित कदम है और गतिरोध निकट भविष्य में खत्म नहीं होगा, क्योंकि यह राजनीति से प्रेरित है। हालांकि, बंगाल के लोग इस बात से वाकिफ हैं। यादवपुर विवि की ओर इशारा करते हुए आरोप लगाया कि राज्य के कुछ विश्वविद्यालयों में बुद्धिजीवी नक्सली मौजूद हैं।

पैरा-गेम्स को बढ़ावा देने की पहल को बढ़ाएं सार्वजनिक क्षेत्र के उपक्रम: पुरी

नई दिल्ली/भाषा। केंद्रीय पेट्रोलियम एवं प्राकृतिक गैस मंत्री हरदीप सिंह पुरी ने शुक्रवार को तेल क्षेत्र की सार्वजनिक कंपनियों से पैरा-एथलीट के लिए खेल गतिविधियों को बढ़ावा देने के अपने प्रयासों को बढ़ाने को कहा।

केंद्रीय मंत्री ने त्यागराज स्टेडियम में छठे ओएनजीसी पैरा खेलों का उद्घाटन करते हुए कहा कि कई पैरा-एथलीटों ने विभिन्न अंतरराष्ट्रीय मंचों पर अपने प्रदर्शन से भारत को गौरवान्वित किया है। पुरी ने कहा कि पेरिस में 2024 में हुए पैरालंपिक खेलों में भारत ने सात स्वर्ण, नौ रजत और 13 कांस्य सहित कुल 29 पदक जीतकर रिकॉर्ड बनाया था। खेल मोदी सरकार के लिए विशेष ध्यान का क्षेत्र है। मैं कंपनियों से आग्रह करता हूं कि वे ऐसे प्रयासों को आगे बढ़ाएं, जिससे खेल और सामाजिक समावेश को बढ़ावा मिले। ऑयल एंड नेचुरल गैस कॉरपोरेशन लि. के चेयरमैन और मुख्य कार्यपालक अधिकारी अरुण कुमार ने कहा कि उनका संगठन पैरा-खेलों को बढ़ावा देने और दिव्यांग एथलीटों के लिए एक मंच प्रदान करने के लिए प्रतिबद्ध है।

रोहित शर्मा को बड़ा स्कोर बनाने का लक्ष्य रखना चाहिए : सुनील गावस्कर

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
dakshinbharat.com

नई दिल्ली/भाषा। महान क्रिकेटर सुनील गावस्कर का मानना है कि रोहित शर्मा को सिर्फ 25-30 रन बनाकर संतुष्ट नहीं होना चाहिए और लंबी पारी खेलने पर ध्यान देना चाहिए क्योंकि क्रीज पर उनकी मौजूदगी भारत के लिए मैच का रुख बदलने वाला असर डाल सकती है।

गावस्कर ने 'इंडिया टुडे' से कहा, ''(अगर) वह (रोहित शर्मा) 25 ओवर भी बल्लेबाजी करते हैं तो भारत 180-200 रन के आसपास होगा। सोचिए कि अगर उन्होंने तब तक सिर्फ दो विकेट खो दिए तो जरा सोचिए कि वे क्या कर सकते हैं। वे 350 रन या इससे अधिक के स्कोर तक पहुंच सकते हैं। '' उन्होंने कहा, '' उन्हें इस बारे में भी सोचना चाहिए। आक्रामक होकर खेलना एक बात है, लेकिन 25-30 ओवर तक बल्लेबाजी करने का मौका देने के लिए थोड़ा संयम से खेलना चाहिए। अगर वह ऐसा करता है तो वह विपक्षी टीम से मैच छीन सकता है। इस तरह का असर मैच जीतने वाला होता है। ''

रोहित ने टूर्नामेंट में पाकिस्तान, न्यूजीलैंड और ऑस्ट्रेलिया के खिलाफ क्रमशः 20, 15 और 28 रन बनाए हैं। गावस्कर ने कहा, ''साथ ही मुझे लगता है कि बतौर बल्लेबाज क्या आप 25-30 रन बनाकर खुश हैं? आपको खुश नहीं होना चाहिए! इसलिए मैं उनसे यही कहूंगा कि अगर आप सिर्फ सात से नौ ओवर के बजाय 25 ओवर तक बल्लेबाजी करते हैं तो इससे टीम पर काफी अच्छा असर पड़ेगा। '' दुबई में ग्रुप ए का अंतिम मैच खेलने के बाद भारत और न्यूजीलैंड रविवार को चैंपियंस ट्रॉफी के फाइनल में फिर से आमने-सामने होंगे। इंग्लैंड के पूर्व कप्तान नासिर हुसैन ने न्यूजीलैंड की जीत का समर्थन करते हुए कहा कि उनकी टीम में कुछ ऐसे मजबूत क्रिकेटर हैं जो दबाव में नहीं आयेंगे। हुसैन ने 'स्काई स्पोर्ट्स' से कहा, ''वे दबाव में नहीं आयेंगे। हम पूर्व ऑस्ट्रेलियाई बल्लेबाज आरोन फिंच के साथ रात्रिभोज कर रहे थे और उन्होंने बहुत अच्छी बात कही कि न्यूजीलैंड कभी भी दबाव में लाकर खुद को हराने वाली टीम नहीं है। टीम शानदार प्रदर्शन करेगी। ''

सुविचार

कभी-कभी हम धागे ही इतने कमज़ोर चुन लेते हैं कि पूरी उम्र ही गाँठ बांधने में गुज़र जाती है।

दक्षिण भारत राष्ट्रमत

क्या हम यह संकल्प लेंगे?

विदेश मंत्री एस जयशंकर ने लंदन में चैथम हाउस थिंकटैंक के एक सत्र को संबोधित करते हुए जम्मू-कश्मीर से जुड़े सवाल का जो जवाब दिया, उससे रावलपिंडी और इस्लामाबाद में हंगामा हो गया। यह होना ही था। उन्होंने उचित ही कहा कि 'कश्मीर विवाद' का समाधान 'कश्मीर के चुराए गए हिस्से की वापसी के बाद होगा, जो अवैध रूप से पाकिस्तान के कब्जे में है।' यह राष्ट्रीय भावनाओं की अभिव्यक्ति है। भारत मां का मुकुट तब तक अधूरा ही है, जब तक हम पाकिस्तान और चीन द्वारा अवैध रूप से कब्जाए गए इलाके वापस नहीं ले लेते। इसमें समय लग सकता है। तब तक हमें तैयारी करनी चाहिए। कागज के नक्शे पर खींची गईं कृत्रिम रेखाएं हमारा वर्तमान और भविष्य तय नहीं कर सकतीं। यहूदी तो सदियों-सदियों तक पूरी दुनिया में घूमते रहे थे। आखिरकार उन्हें इजराइल मिल गया। उनका संकल्प दृढ़ था। इससे पहले, दुनिया के किसी भी कोने में जब दो या इससे ज्यादा यहूदी मिलते और अलविदा कहते तो संकल्प को दोहराते कि हम या हमारी पीढ़ियां, एक दिन इजराइल में मिलेंगे। उस संकल्प में कितनी दृढ़ता रही होगी! क्या हम ऐसा संकल्प ले सकते हैं? क्या हम कह सकते हैं कि एक दिन शारदा पीठ में मिलेंगे और इस रास्ते में आने वाली एलओसी को मिटा देंगे? क्या हम यह संकल्प ले सकते हैं कि एक दिन भारत मां को उसका पूर्ण मुकुट पहनाएंगे? जो कौमें दृढ़ संकल्प लेती हैं, वे सिद्धि भी प्राप्त करती हैं। पिछले पांच वर्षों में जम्मू-कश्मीर के हालात बहुत बेहतर हुए हैं। आतंकवाद पर काफी काबू पा लिया गया है। अलगाववादी संगठनों की कमर टूट गई है। उनके हिमायती हतोत्साहित हैं। फंडिंग बंद होने से पत्थरबाज भी ठंडे पड़ गए हैं। आम कश्मीरी समझ चुका है कि उसका हित तिरंगे के साए में सुरक्षित है। किशोर और युवा अपना ध्यान पढ़ाई-लिखाई में लगा रहे हैं। दूसरी ओर, पीओके में हाहाकार मचा है। वहां कभी आटे के लिए तो कभी ईंधन के लिए लंबी-लंबी लाइनें लगी रहती हैं।

पीओके के लोग सोशल मीडिया पर जम्मू-कश्मीर में विकास कार्यों और चीजों के दाम देखते हैं तो उस घड़ी को कोसते हैं, जब उनके यहां पाकिस्तान ने अवैध कब्जा किया था। कुछ परिवार, जो पूर्व में जम्मू-कश्मीर में रहते थे और पारिवारिक वजहों से पीओके चले गए, आज उनकी संतानें उनके फैसलों पर सवाल उठा रही हैं। उनके पास मौका था, जब वे पाकिस्तान के पंजे से जान छुड़ाकर जम्मू-कश्मीर की खुली हवा में सांस ले सकते थे, लेकिन उनका दुर्भाग्य रहा कि आज पाकिस्तानी फौज उनकी छाती पर मूंग दल रही है। उक्त पंक्तियों में जम्मू-कश्मीर के मुख्यमंत्री उमर अब्दुल्ला के कुछ सवालों के जवाब भी हैं। हम पीओके कब वापस लेंगे? कारगिल युद्ध के समय देश के पास पीओके को लेने का मौका था, लेकिन क्यों नहीं लिया? पीओके वापस लेने का सबसे अच्छा समय तब होगा, जब वहां रहने वाले लोग पाकिस्तान के कब्जे से त्रस्त होकर आवाज बुलंद करें। इसकी कुछ झलकियां हम पूर्व में देख चुके हैं, लेकिन अभी और इंतजार करना चाहिए। पीओके के लोगों का सिर्फ इस आधार पर पाकिस्तानी कब्जे के खिलाफ खड़े हो जाना काफी नहीं है, चूंकि वहां चीजें महंगी हैं और जम्मू-कश्मीर में सस्ती हैं। उन्हें सांस्कृतिक आधार पर भारत के साथ एकजुटता दिखानी होगी। यह न भूलें कि पीओके में अब वह पीढ़ी जवान हो चुकी है, जिसके दिलो-दिमाग में पाकिस्तानी एजेंसियों और कट्टरपंथियों ने भारत के खिलाफ खूब जहर भर दिया है। कारगिल युद्ध के दौरान बेशक हमारे पास मौका था कि भारतीय सेना पीओके में दाखिल हो और कब्जा कर ले। जब पीओके की बात होती है तो इसका मतलब सिर्फ जमीन नहीं है, वहां के लोग भी हैं। पाकिस्तान ने पीओके में बड़ी संख्या में आतंकवादियों और कट्टरपंथियों को बसा रखा है। अगर ऐसे लोग इधर आते तो कई समस्याएं खड़ी करते। याद करें, इराक, सीरिया, अफगानिस्तान जैसे देशों से आम शरणार्थियों के साथ कई आतंकवादी भी यूरोप चले गए थे। आज वे कहीं धमाका कर रहे हैं, कहीं आम लोगों को चाकू मार रहे हैं, कहीं भीड़ पर ट्रक चढ़ा रहे हैं, कहीं आराधना स्थलों में तोड़फोड़ कर रहे हैं। पीओके लेने से पहले आतंकवाद का पूरी तरह खात्मा करना जरूरी है। अभी जम्मू-कश्मीर में आतंकवाद खात्मे की ओर है। उसके बाद पीओके में पल रहे आतंकवादियों का नंबर आएगा। भारत मां का मुकुट जरूर अखंड बनाएंगे। क्या हम यह संकल्प लेंगे?

ट्वीटर टॉक

राजस्थान विधान सभा के पूर्व अध्यक्ष महारावल लक्ष्मण सिंह जी की जयंती पर सविनय नमन। प्रदेश की विधायी परंपराओं को सुदृढ़ बनाने के साथ ही राजनीति और समाज कल्याण के क्षेत्र में उनका योगदान सदैव स्मरणीय रहेगा।

-ओम बिरला

दुनिया के सभी लोगों ने भारत के आर्थिक जगत को सराहा है,लेकिन कांग्रेस वाले बेरोजगारी-बेरोजगारी कह रहे हैं। आज हम 11वें नंबर की अर्थव्यवस्था से दुनिया की 5वें नंबर की अर्थव्यवस्था बने हैं और तीसरे नंबर की अर्थव्यवस्था बनने की ओर अग्रसर हैं।

-जेपी नड्डा

मैं स्वयं एक किसान हूं, हर महीने अनिवार्य रूप से अपने खेत पर जाता हूं और खेती करता हूं। कृषि जीवन का आधार है। फल, सब्जी और अनाज कोई मशीन बना नहीं सकती, वो तो खेत में किसान ही पैदा कर सकता है। अर्थव्यवस्था का आधार भी खेती और किसानी है।

-शिवराजसिंह चौहान

प्रेरक प्रसंग

जीवन के खजाने

एक बार एक दादी अपनी पोती को सलाह देते हुए बोली, 'बिटिया, अपनी ज़िन्दगी में कभी तीन चीज़ों को छोड़ना मत, सबसे खूबसूरत कपड़े पहनना, सबसे अद्भुत जगहों पर यात्रा करना और सबसे कीमती खजाने रखना।' पोती हैरान होकर बोलीं, 'पर दादी, हम अमीर नहीं हैं। मैं यह कैसे कर सकती हूं?' समझदार दादी मुस्कुराई और बोलीं, 'अगर तुम अपने कपड़े आत्मविश्वास और खुशी के साथ पहनोगी तो साधारण कपड़े भी सबसे सुंदर लगेंगे। अगर तुम अपने आसपास की दुनिया को जिज्ञासा और आश्चर्य के साथ देखोगी, तो हर जगह एक अद्भुत जगह बन जाएगी। इसी प्रकार अगर तुम अपने प्यारे रिश्तों और यादों को संजोने लगोगी, तो तुम सबसे कीमती खजाने की मालिक बन जाओगी।' पोती की आंखों में समझ की चमक आ गई और उसने अपनी दादी को गले लगा लिया।

सामयिक

अब महिलाओं के प्रति बदलना होगा नजरिया

आज अंतर्राष्ट्रीय महिला दिवस है

रमेश सर्राफ धमोरा

मोबाइल : 9414255034

भारत वह देश है जहां महिलाओं की सुरक्षा और इज्जत का खास ख्याल रखा जाता है। अगर हम इक्कीसवीं सदी की बात करे तो यहां की महिलाएं हर क्षेत्र में पुरुषों के साथ कंधे से कंधा मिला काम कर रही है। अब तो भारत की संसद ने भी महिलाओं के लिये लोकसभा व विधानसभाओं में 33 प्रतिशत आरक्षण का विधेयक पास कर दिया है। उससे आने वाले समय में भारत की राजनीति में महिलाओं की भूमिका अधिक महत्वपूर्ण हो जायेगी। देश में महिलाओं को अब सेना में भी महत्वपूर्ण पदो पर तैनात किया जाने लगा है। जो महिला सशक्तिकरण की दिशा में एक बड़ा कदम है।

यहां महिलाओं को पुरुषों के बराबर अधिकार है। महिलायें देश की आधी आबादी का प्रतिनिधित्व करती है तथा विकास में भी बराबर की भागीदार है। आज के युग में महिला पुरुषों के साथ ही नहीं बल्कि उनसे दो कदम आगे निकल चुकी है। महिलाओं के बिना समाज की कल्पना भी नहीं की जा सकती है। भारतीय संविधान के अनुसार महिलाओं को भी पुरुषों के समान जीवन जीने का हक है। भारत में नारी को देवी के रूप में देखा गया है। कहा जाता है कि जहां नारी की पूजा होती है वहां देवता निवास करते हैं। प्राचीन काल से ही यहां महिलाओं को समाज में विशिष्ट आदर एवं सम्मान दिया जाता है।

अंतर्राष्ट्रीय महिला दिवस हर साल 8 मार्च 1911 से पूरे विश्व में मनाया जाता है। जिसका उद्देश्य महिलाओं की सामाजिक, सांस्कृतिक, आर्थिक और राजनीतिक उपलब्धियों का जश्न मनाना है। अंतर्राष्ट्रीय महिला दिवस 2025 का थीम है कार्रवाई में तेज़ी लाना। वर्ष की 2025 थीम में सभी महिलाओं और लड़कियों के लिए अधिकार, समानता, सशक्तिकरण होगी। जो वैश्विक स्तर पर महिलाओं और लड़कियों की प्रगति को रोकने वाली प्रणालीगत बाधाओं को तोड़ने के लिए समावेशन और तत्काल कार्रवाई की आवश्यकता पर प्रकाश डालती

राष्ट्रीय अपराध रिकॉर्ड ब्यूरो (एनसीआरबी) के ताजा आंकड़ों के मुताबिक साल 2023 में भारत में महिलाओं के खिलाफ कुल 4,05,861 अपराध दर्ज किए गए। इन अपराधों में बलात्कार, छेड़छाड़, दहेज उत्पीड़न, घरेलू हिंसा, यौन उत्पीड़न, साइबर अपराध, और अपहरण जैसे गंभीर अपराध शामिल हैं। इनमें सबसे ज्यादा मामले घरेलू हिंसा और यौन उत्पीड़न के सामने आए हैं। जो समाज में महिलाओं की सुरक्षा के प्रति हमारी उदासीनता को दर्शाते हैं। इससे पहले 2022 में 4,45,256 मामले, 2021 में 4,28,278 मामले 2020 में 3,71,503 मामले दर्ज किए गए थे।

> **राष्ट्रीय महिला आयोग की ओर से जारी आंकड़ों के मुताबिक 2023 में महिलाओं के खिलाफ अपराध के मामले में उत्तर प्रदेश सबसे आगे रहा। राष्ट्रीय महिला आयोग की तरफ से जारी आंकड़ों के मुताबिक देश भर से पूरे साल में महिलाओं के खिलाफ अपराध की 28,811 शिकायतें मिलीं। इसमें 16 हजार से ज्यादा मामले उत्तर प्रदेश राज्य से आए हैं। आंकड़े हैरान कर देने वाली हैं। क्योंकि आयोग में ये शिकायत गरिमा के अधिकार कैटेगरी के अंतर्गत दर्ज किया गया है।**

एनसीआरबी के आंकड़ों के मुताबिक प्रति एक लाख आबादी पर महिला अपराध की दर 66.4 फीसदी रिकॉर्ड की गई। ऐसे मामलों में आरोप पत्र दायर करने की दर 75.8 फीसदी रही। एनसीआरबी ने बताया कि भारतीय दंड संहिता के तहत महिलाओं के खिलाफ सबसे ज्यादा 31.4 फीसदी जुर्म पति या उसके रिश्तेदारों की क्रूरता किए जाने के थे। इसके बाद अपहरण के 19.2 फीसदी, शील भंग करने के इरादे से महिलाओं पर हमले के 18.7 फीसदी और दुष्कर्म के 7.1 फीसदी मामले रहे। एनसीआरबी के मुताबिक पिछले साल देश में जितने मामले सामने आए उनमें से 2,23,635 यानी 50 फीसदी उत्तर प्रदेश, महाराष्ट्र, राजस्थान, पश्चिम बंगाल और मध्य प्रदेश में दर्ज किए गए। उत्तर प्रदेश में 2021 में महिला अपराध के 56,083 और और 2020 में 49,385 मामले दर्ज किए थे। इसके बाद राजस्थान (40,738 और 34,535), महाराष्ट्र (39,526 और 31,954), पश्चिम बंगाल (35,884 और 36,439) और मध्य प्रदेश (30,673 और 25,640) रहे थे।

भारत में वर्षो से महिला सुरक्षा से जुड़े कई कानून बने है। इसमें हिंदू विडो रीमैरिज एक्ट 1856, इंडियन पीनल कोड 1860, मैटरनिटी बेनिफिट एक्ट 1861, क्रिस्चियन मैरिज एक्ट 1872, मैरिड वीमेन प्रॉपर्टी एक्ट 1874,चाइल्ड मैरिज एक्ट 1929, स्पेशल मैरिज एक्ट 1954, हिन्दू मैरिज एक्ट 1955, फॉरेन मैरिज एक्ट 1969, इंडियन डाइवोर्स एक्ट 1969, मुस्लिम वुमन प्रोटेक्शन एक्ट 1986, नेशनल कमीशन फॉर वुमन एक्ट 1990, सेक्सुअल हर्रास्मेंट ऑफ वुमन एट वर्किंग प्लेस एक्ट 2013 आदि। इसके अलावा 7 मई 2015 को लोक सभा ने और 22 दिसम्बर 2015 को राज्य सभा ने जुवेनाइल जस्टिस बिल में भी बदलाव किया है। इसके अन्तर्गत यदि कोई 16 से 18 साल का किशोर जघन्य अपराध में लिप्त पाया जाता है तो उसे भी कठोर सजा का प्रावधान है।

राष्ट्रीय महिला आयोग की ओर से जारी आंकड़ों के मुताबिक 2023 में महिलाओं के खिलाफ अपराध के मामले में उत्तर प्रदेश सबसे आगे रहा। राष्ट्रीय महिला आयोग की तरफ से जारी आंकड़ों के मुताबिक देश भर से पूरे साल में महिलाओं के खिलाफ अपराध की 28,811 शिकायतें मिलीं। इसमें 16 हजार से ज्यादा मामले उत्तर प्रदेश राज्य से आए हैं। आंकड़े हैरान कर देने वाली हैं। क्योंकि आयोग में ये शिकायत गरिमा के अधिकार कैटेगरी के अंतर्गत दर्ज किया गया है। इसके बाद दूसरे नंबर पर राष्ट्रीय राजधानी दिल्ली में 2,411 मामले दर्ज किए गए। महाराष्ट्र में 1,343, बिहार में 1,312 और मध्य प्रदेश में 1,165 इतने मामले दर्ज किए गए हैं।

वर्ष 2023 के 12 महीने बाद जारी किए गए इस रिपोर्ट में महिलाओं के प्रति हो रहे अपराध में दहेज उत्पीड़न और दुष्कर्म जैसे अपराध दर्ज किए गए हैं। राष्ट्रीय महिला आयोग की यह रिपोर्ट महिलाओं के प्रति पुलिस की उदासीनता दिखाती है। आंकड़ों के मुताबिक देश भर में यौन उत्पीड़न के 805 मामले, साइबर अपराध के 605 मामले, पीछा करने की 472 मामले और सम्मान से जुड़े अपराध के खिलाफ 409 शिकायतें दर्ज कराई गईं। आंकड़ों के मुताबिक, महिलाओं के खिलाफ अपराधों में बलात्कार के मामले भी शामिल हैं। साल 2023 में बलात्कार और बलात्कार के प्रयास के 1,537 मामले दर्ज किए गए। इसके बाद गरिमा के अधिकार के तहत 8,540, घरेलू हिंसा के 6,274, दहेज उत्पीड़न के 4,797, छेड़छाड़ के 2,349,और महिलाओं के प्रति पुलिस की उदासीनता के 1,618 मामले दर्ज किए गए। वर्ष 2023 में महिलाओं के खिलाफ अपराध के मामले 2022 की तुलना में कम हुए हैं। 2022 में महिलाओं के खिलाफ अपराध के 30,864 मामले दर्ज किए गए थे। जबकि 2023 में यह संख्या घटकर 28,278 हो गई। यह एक सकारात्मक संकेत है लेकिन अभी भी बहुत कुछ किया जाना बाकी है। साल 2022 के बाद से शिकायतों की संख्या में कमी देखी गई है। जब 30,864 शिकायतें प्राप्त हुई थी, जो 2014 के बाद से सर्वाधिक आंकड़ा था। जहां तक बात महिलाओं की सुरक्षा की आती है तो पिछले कुछ वर्षों में भारत ने अभूतपूर्व निर्णयों से महिलाओं की सुरक्षा के लिए कई प्रबंध किये हैं। आज भारत में महिलायें पहले की अपेक्षा ज्यादा सुरक्षित है।

हम एक तरफ महिलाओं को हर क्षेत्र में बराबरी का दर्जा देकर उन्हे आगे बढ़ा रहें है। वहीं दूसरी तरफ उनके साथ अत्याचार की घटनाओं में भी लगातार बढ़ोतरी हो रही है। आये दिन हमें महिलाओं के साथ बलात्कार, दुर्व्यवहार होने की घटनाये सुनने को मिलती रहती है।

ऐसी घटनाओं से महिला सशक्तिकरण के अभियान को धक्का लगता हैं। देश में महिलाओं के प्रति खराब होते माहौल को बदलने की जिम्मेदारी सिर्फ सरकार की ही नहीं अपितु हर आम आदमी की भी है। हम सभी को आगे आकर महिला सुरक्षा की लड़ाई में महिलाओं का साथ देना होगा तभी देश की मातृ शक्ति सर उठा कर शान से चल सकेगीं। अब महिलाओं को समझना होगा कि आज समाज में उनकी दयनीय स्थिति समाज में चली आ रही परम्पराओं का परिणाम है। इन परम्पराओं को बदलने का बीड़ा स्वयं महिलाओं को ही उठाना होगा। तभी समाज में उनके प्रति सोच बदल पायेगी।

नजरिया

जहां तक पीड़िताओं को न्याय दिलाने की बात है तो इसके लिए फास्ट ट्रैक कोर्ट की मांग काफी समय से उठती रही है किन्तु हमारा सिस्टम कछुआ चाल से रेंग रहा है। ऐसे मामलों में कठोरता बरतने के साथ-साथ त्वरित न्याय प्रणाली की भी सख्त जरूरत है ताकि महिला अपराधों पर अंकुश लग सके। आज अगर समाज में शिक्षा के प्रचार-प्रसार के बावजूद महिलाओं के प्रति अपराध और संवेदनहीनता के मामले बढ़ रहे हैं तो हमें यह जानने के प्रयास करने होंगे कि कमी हमारी शिक्षा प्रणाली में है या कारण कुछ और हैं।

बलात्कार और हिंसा पर कब टूटेगी समाज की चुप्पी?

योगेश कुमार गोयल

मोबाइल : 9416740584

दुनियाभर में प्रतिवर्ष 8 मार्च को 'अंतर्राष्ट्रीय महिला दिवस' मनाया जाता है, जो सही मायनों में महिलाओं की सामाजिक, आर्थिक, सांस्कृतिक और राजनीतिक उपलब्धियों का जश्न मनाने वाला एक वैश्विक दिवस है। यह दिन लैंगिक समानता में तेजी लाने के लिए कार्रवाई के आह्वान का भी प्रतीक है। हालांकि चिंता का विषय यही है कि जिस 'आधी दुनिया' के प्रति सम्मान प्रदर्शित करने के लिए यह दिवस मनाया जाता है, उसी आधी दुनिया को जीवन के हर मोड़ पर भेदभाव या अपराधों का सामना करना पड़ता है। यदि इसे भारत के ही संदर्भ में देखें तो शायद ही कोई दिन ऐसा बीतता हो, जब आधी दुनिया' से जुड़े अपराधों के मामले देश के कोने-कोने से सामने न आते हों। होता सिर्फ यही है कि जब भी कोई बड़ा मामला सामने आता है तो हम सिर्फ पुलिस-प्रशासन को कोसने और संसद से लेकर सड़क तक कैंडल मार्च निकालने या अन्य किसी प्रकार से विरोध प्रदर्शन करने की रस्म अदायगी करके शांत हो जाते हैं और पुनः तभी जागते हैं, जब ऐसा ही कोई बड़ा मामला पुनः सुर्खियां बनता है, अन्यथा ऐसी छोटी-मोटी घटनाएं तो आए दिन होती ही रहती हैं।

देश में कानूनों में सख्ती, महिला सुरक्षा के नाम पर बीते कुछ वर्षों में कई तरह के कदम उठाने और समाज में आधी दुनिया' के आत्मसम्मान को लेकर बढ़ती संवेदनशीलता के बावजूद आखिर ऐसे क्या कारण हैं कि बलात्कार के मामले हों या छेड़छाड़ अथवा मर्यादा हनन या फिर अपहरण अथवा क्रूरता, आधी दुनिया' के प्रति अपराधों का सिलसिला थम नहीं रहा है? इसका एक बड़ा कारण तो यही है कि कड़े कानूनों के बावजूद असामाजिक तत्वों पर वो कड़ी कार्रवाई नहीं हो रही है, जिसके वो हकदार हैं और इसके अभाव में हम ऐसे अपराधियों के मन में भय पैदा करने में असफल हो रहे हैं। कहना गलत नहीं होगा कि महज कानून कड़े कर देने से ही महिलाओं के प्रति हो रहे अपराध थमने से रहे, जब तक उनका ईमानदारीपूर्वक कड़ाई से पालन न किया जाए। ऐसे मामलों में पुलिस-प्रशासन की भूमिका भी अनेक अवसरों पर संदिग्ध रहती है। पुलिस किस प्रकार ऐसे अनेक मामलों में पीड़िताओं को ही परेशान करके उनके जले पर नमक छिड़कने का कार्य करती है, ऐसे उदाहरण अक्सर सामने आते रहे हैं। ऐसी परिस्थितियों के मद्देनजर अपराधियों के मन में पुलिस और कानून का भय कैसे उत्पन्न होगा और कैसे महिलाओं के प्रति हो रहे अपराधों में कमी की उम्मीद की जाए? जरूरत इस बात की महसूस की जाने लगी है कि पुलिस को लैंगिक दृष्टि से संवदेनशील बनाया जाए ताकि पुलिस पीड़ित पक्ष को पर्याप्त संबल प्रदान करे और पीड़िताएं अपराधियों के खिलाफ खुलकर खड़ा होने की हिम्मत जुटा सकें, साथ ही जांच एजेंसियों और न्यायिक तंत्र से भी ऐसे मामलों में तत्परता से कार्रवाई की अपेक्षा की जानी चाहिए। ऐसी घटनाओं पर अंकुश के लिए समय की मांग यही है कि सरकारें मशीनरी को चुस्त-दुरूस्त बनाने के साथ-साथ प्रशासन की जवाबदेही सुनिश्चित करें कि यदि उनके क्षेत्र में महिलाओं के प्रति हो रहे अपराधों के मामलों में कानून का अनुपालन सुनिश्चित नहीं हुआ तो उन पर सख्त कार्रवाई की जाए।

दिनदहाड़े सामने आती छेड़छाड़, अपहरण, बलात्कार या सामूहिक दुष्कर्म जैसी घटनाएं सभ्य समाज के माथे पर बदनुमा दाग के समान हैं और यह कहना असंगत नहीं होगा कि महज कड़े कानून बना देने से ही महिला उत्पीड़न की घटनाओं पर अंकुश नहीं लगने वाला। आए दिन देशभर में हो रही इस तरह की घटनाएं हमारी सभ्यता की पोल खोलने के लिए पर्याप्त हैं। इस तथ्य को नजरअंदाज नहीं किया जा सकता कि बलात्कार और छेड़छाड़ के आए दिन जो मामले सामने आ रहे हैं, उनमें बहुत से ऐसे भी होते हैं, जिनमें पीड़िता के परिजन, निकट संबंधी या परिचित ही आरोपी होते हैं। दिल्ली पुलिस द्वारा जारी आंकड़ों में तो यहां तक कहा जा चुका है कि करीब 97 फीसदी मामलों में महिलाएं अपनों की ही शिकार होती हैं और यह समस्या सिर्फ दिल्ली तक ही सीमित नहीं है बल्कि महिला अपराधों के मामले में पूरी दुनिया की यही तस्वीर है। जहां देश में हर 53 मिनट में एक महिला यौन शोषण की शिकार होती है और हर 28 मिनट में अपहरण का मामला सामने आता है, वहीं संयुक्त राष्ट्र के आंकड़ों के अनुसार दुनिया में प्रत्येक तीन में से एक महिला का कभी न कभी शारीरिक शोषण होता है। दुनिया में करीब 71 फीसदी महिलाएं शारीरिक मानसिक प्रताड़ना अथवा यौन शोषण व हिंसा की शिकार होती हैं, दक्षिण अफ्रीका में हर छह घंटे में एक महिला को उसके साथी द्वारा ही मौत के घाट उतार दिया जाता है और अमेरिका में भी इसी प्रकार कई महिलाएं हर साल अपने ही परिचितों द्वारा मार दी जाती हैं।

जहां तक पीड़िताओं को न्याय दिलाने की बात है तो इसके लिए फास्ट ट्रैक कोर्ट की मांग काफी समय से उठती रही है किन्तु हमारा सिस्टम कछुआ चाल से रेंग रहा है। ऐसे मामलों में कठोरता बरतने के साथ-साथ त्वरित न्याय प्रणाली की भी सख्त जरूरत है ताकि महिला अपराधों पर अंकुश लग सके। आज अगर समाज में शिक्षा के प्रचार-प्रसार के बावजूद महिलाओं के प्रति अपराध और संवेदनहीनता के मामले बढ़ रहे हैं तो हमें यह जानने के प्रयास करने होंगे कि कमी हमारी शिक्षा प्रणाली में है या कारण कुछ और हैं। ऐसे कृत्यों में लिप्त रहने वाले लोगों की कुंठित मानसिकता के कारणों की पड़ताल करना भी बहुत जरूरी है, साथ ही सामाजिक मूल्यों का विकास करने के लिए विद्यालयों में नैतिक शिक्षा को लागू करना और छात्रों को अच्छा साहित्य पढ़ने के लिए प्रेरित करना समय की मांग है ताकि युवाओं की नकारात्मक सोच को परिवर्तित करने में मदद मिल सके, जिससे स्थिति में सुधार की उम्मीद की जा सके।

महत्त्वपूर्ण

Published by Bhupendra Kumar on behalf of New Media Company, Arihant Plaza, 2nd Floor, 84-85, Wall Tax Road, Chennai-600 003 and printed by R. Kannan Adityan at Deviyin Kanmani Achagam, 246, Anna Salai, Thousand Lights, Chennai-600 006. Editor : Bhupendra Kumar (Responsible for selection of news under PRB Act.). Group Editor - Shreekant Parashar. Reproduction of any matter from this newspaper in whole or in part or any suchmanner without prior written permission from the publisher is strictly prohibited and punishable by law.**Regn No.RNI No. : TNHIN / 2013 / 52520**

पाठकों से अनुरोध है कि इस प्रकाशन में प्रकाशित किए जाने वाले किसी भी तरह के विज्ञापन (वैवाहिक, वर्गीकृत, टैंड़र एवं सजावटी इत्यादि) पर कोई भी कार्यवाही, प्रतिबद्धता या धनराशि का व्यय करने से पूर्व इन विज्ञापनों के बारे में समस्त जानकारी वह स्वयं प्राप्त कर लें। दक्षिण भारत राष्ट्रमत समूह उत्पादों की गुणवत्ता तथा सेवाओं के लिए विज्ञापनदाताओं द्वारा किए जा रहे किसी प्रकार के दावों के लिए जिम्मेदार नहीं है। अगर विज्ञापनदाता विज्ञापन में किया जा रहा दावा पूरा नहीं करता है तो दक्षिण भारत राष्ट्रमत समूह के संपादक, मुद्रक एवं प्रकाशक या मालिकान को पाठक किसी भी रूप में उत्तरदाई नहीं बना सकता।- **दक्षिण भारत राष्ट्रमत**

'मुडा' मामले में सिद्दरामय्या की पत्नी और मंत्री को जारी समन रद्द

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
dakshinbharat.com

बेंगलूरु। कर्नाटक उच्च न्यायालय ने मैसूरु शहरी विकास प्राधिकरण (एमयूडीए/मुडा) भूमि आवंटन मामले में मुख्यमंत्री सिद्दरामय्या की पत्नी पार्वती बी. एम को जारी प्रवर्तन निदेशालय (ईडी) के समन को शुक्रवार को रद्द कर दिया। अदालत ने शहरी विकास मंत्री बी.एस. सुरेश को जारी समन भी रद्द कर दिया, जिनका नाम आरोपी के रूप में नहीं था, लेकिन उन्हें ईडी ने पूछताछ के लिए बुलाया था।

न्यायमूर्ति एम नागप्रसन्ना ने ईडी की कार्रवाई को चुनौती देने वाली पार्वती और सुरेश की याचिकाओं पर फैसला सुनाया। इससे पहले अदालत ने 27 जनवरी को समन पर रोक लगा दी थी। पार्वती के वकील वरिष्ठ अधिवक्ता संदेश चौटा ने दलील दी कि मामले की जांच लोकायुक्त पुलिस और विशेष जांच दल (एसआईटी) द्वारा पहले से ही की जा रही है, इसके बावजूद ईडी समानांतर जांच कर रही है।

इस बीच, ईडी का प्रतिनिधित्व कर रहे भारत के अतिरिक्त सॉलिसिटर जनरल (एएसजी) अरविंद कामथ ने दलील दी कि पार्वती इस अपराध में दूसरी आरोपी थीं और उन्होंने अपराध से धन अर्जित किया था। मंत्री सुरेश के वकील वरिष्ठ अधिवक्ता सी.वी. नागेश ने कहा कि उनके मुवक्किल इस मामले में आरोपी नहीं हैं, इसलिए उन्हें तलब नहीं किया जाना चाहिए था।

एएसजी कामथ ने हालांकि इसका विरोध करते हुए कहा कि धन शोधन निवारण अधिनियम (पीएमएलए) ईडी को दस्तावेज और रिकॉर्ड प्राप्त करने के लिए व्यक्तियों को बुलाने का अधिकार देता है, भले ही उनका नाम आरोपी के रूप में न हो। सिद्दरामय्या भी एमयूडीए द्वारा उनकी पत्नी पार्वती को 14 स्थलों के आवंटन में अनियमितता के आरोपों का सामना कर रहे हैं। सिद्दरामय्या, उनकी पत्नी, रिश्तेदार बी एम मल्लिकार्जुन स्वामी, देवराजू – जिनसे स्वामी ने जमीन खरीद कर पार्वती को उपहार में दी थी और अन्य का नाम मैसूरु स्थित लोकायुक्त पुलिस प्रतिष्ठान द्वारा 27 सितंबर, 2024 को दर्ज की गई प्राथमिकी में है।

ईडी ने 30 सितंबर को लोकायुक्त की प्राथमिकी का संज्ञान लेते हुए मुख्यमंत्री और अन्य के खिलाफ मामला दर्ज करने के लिए प्रवर्तन मामला सूचना रिपोर्ट (ईसीआईआर) दायर की थी। लोकायुक्त पुलिस ने हालांकि पिछले महीने सिद्दरामय्या, पार्वती और दो अन्य आरोपियों को इस मामले में क्लीन चिट दे दी थी और कहा था कि सबूतों के अभाव में पहले चार आरोपियों के खिलाफ आरोप साबित नहीं हुए हैं। ईडी ने धन शोधन निवारण अधिनियम, 2002 के तहत जांच के बाद 17 जनवरी को जारी अपने कुर्की आदेश में आरोप लगाया था कि सिद्दरामय्या और अन्य आरोपी एमयूडीए भूमि आवंटन मामले में धन शोधन के प्रयास में शामिल थे।

एमयूडीए मामले में आरोप है कि दूरदराज के एक गांव में एमयूडीए द्वारा जमीन अधिग्रहण के बदले में पार्वती को मैसूरु के महंगे इलाके में अपेक्षाकृत अधिक मूल्य के भूखंड आवंटित किए गए थे। एमयूडीए ने पार्वती को उनकी 3.16 एकड़ भूमि के बदले 50:50 अनुपात योजना के तहत भूखंड आवंटित किए थे। इस विवादास्पद योजना के तहत, एमयूडीए ने अधिगृहीत अविकसित भूमि के बदले में भूमालिकों को 50 प्रतिशत विकसित भूमि आवंटित की थी। आरोप है कि मैसूरु तालुक में कसाबा होबली के कसारे गांव में इस 3.16 एकड़ भूमि पर पार्वती का कोई कानूनी अधिकार नहीं था।

अमित शाह ने श्री विश्वेश तीर्थ मेमोरियल अस्पताल का उद्घाटन किया

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
dakshinbharat.com

बेंगलूरु। केंद्रीय गृह मंत्री अमित शाह ने शुक्रवार को यहां मराठाहल्ली में श्री विश्वेश तीर्थ मेमोरियल अस्पताल का उद्घाटन किया, जिसे 60 करोड़ रुपये की लागत से दो एकड़ भूमि पर बनाया गया है। श्री विश्वेश तीर्थ मेमोरियल अस्पताल, श्री कृष्ण सेवाश्रम ट्रस्ट की एक इकाई है। शाह ने इस अवसर पर संबोधित करते हुए कहा कि 150 बिस्तरों वाला यह मल्टी-स्पेशलिटी अस्पताल गरीबों और समाज के वंचित वर्गों के लिए मुफ्त इलाज के लिए एक आधुनिक केंद्र के रूप में काम करेगा तथा आने वाले कई वर्षों तक लोगों की सेवा करेगा।

उन्होंने केंद्र सरकार द्वारा चलाए गए विभिन्न स्वास्थ्य अभियानों पर प्रकाश डालते हुए कहा कि जब तक धार्मिक और सेवा-उन्मुख संगठन सक्रिय रूप से अपना प्रचार नहीं करेंगे, तब तक वे सफल नहीं होंगे। शाह ने इस बात पर जोर दिया कि प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी ने पिछले 10 वर्षों में लोगों के स्वास्थ्य और सेहत पर बहुत ध्यान दिया है। उन्होंने कहा कि 'स्वच्छ भारत अभियान, फिट इंडिया मूवमेंट', पोषण मिशन, मिशन इंद्रधनुष, आयुष्मान भारत योजना और जल जीवन मिशन जैसी पहल स्वस्थ भारत अभियान के विभिन्न घटक हैं। केंद्रीय गृह मंत्री ने कहा कि स्वच्छता से स्वास्थ्य का प्रबंधन किया जा सकता है, फिटनेस से स्वास्थ्य को चिरस्थायी बनाया जा सकता है और केवल पौष्टिक व संतुलित भोजन ही मानव शरीर को स्वस्थ रख सकता है। शाह ने इस बात पर प्रकाश डाला कि श्री श्री विश्वेशतीर्थ के नेतृत्व में, उडुपी स्थित पेजावर मठ ने राष्ट्रीय एकता को बढ़ावा देने, जबरन धर्मांतरण को रोकने, राम मंदिर आंदोलन का समर्थन करने और सनातन धर्म की सेवा करके पूरे देश में एक सम्मानित स्थान अर्जित किया है। उन्होंने दक्षिण भारत में हिंदू समाज को जातियों में विभाजित होने से रोकने में महत्वपूर्ण योगदान के लिए विश्वेशतीर्थ स्वामी की भी सराहना की। शाह ने मल्टी-स्पेशियलिटी अस्पताल के बारे में कहा, इस अस्पताल में 60 प्रतिशत बिस्तर गरीबों के लिए आरक्षित हैं और कई अत्याधुनिक सेवाओं से सुसज्जित है। सब्सिडी के साथ गरीब मरीजों की सेवा करने की इस परियोजना को सीटी स्कैन, एमआरआई, डायलिसिस और अल्ट्रासाउंड जैसी आधुनिक चिकित्सा सुविधाओं के साथ जोड़ा गया है। उन्होंने कहा, अस्पताल एक ही छत के नीचे गरीब मरीजों को बहुत जरूरी और उच्च श्रेणी की स्वास्थ्य सेवाएं प्रदान करेगा। मुझे पूरा विश्वास है कि श्री कृष्ण सेवाश्रम ट्रस्ट हमेशा समाज की बेहतरी और गरीबों के कल्याण के लिए काम करता रहेगा।

'नसीब' साइन करने से डर गयी थी हेमा मालिनी

मुंबई/एजेन्सी

बॉलीवुड की ड्रीम गर्ल हेमा मालिनी ने बताया है कि वह सुपरहिट फिल्म नसीब साइन करने से डर गयी थी। सोनी एंटरटेनमेंट टेलीविज़न का पॉपुलर सिंगिंग रियलिटी शो 'इंडियन आइडल 15' इस बार होली के रंगों से सराबोर एक खास एपिसोड लेकर आ रहा है। इस विशेष एपिसोड में ड्रीम गर्ल हेमा मालिनी स्पेशल जज के रूप में नजर आएंगी। उनके साथ इस रंगीन उत्सव में जज श्रेया घोषाल, विशाल ददलानी और बादशाह भी शामिल होंगे, जबकि अभिजीत सावंत और मियांग चांग शो को होस्ट करेंगे। शो की खास कंटेस्टेंट रितिका, जिन्हें प्यार से 'आइडल की बसंती' कहा जाता है, मशहूर गाने 'मेरे नसीब में' की शानदार प्रस्तुति देंगी। उनके एक्सप्रेशन्स और गायकी से प्रभावित होकर श्रेया घोषाल कहती हैं, मैं इसे ड्रामा क्वीन कहती हूं क्योंकि यह गाने के भाव को बेहद खूबसूरती से पकड़ती है। इस परफॉर्मेंस के बाद बादशाह ने हेमा मालिनी से सुपरहिट फिल्म 'नसीब' में काम करने के अनुभव के बारे में पूछा।

हेमा मालिनी ने मल्टी-स्टार कास्ट वाली फिल्म नसीब में शामिल होने को लेकर अपनी शुरुआती झिझक का खुलासा किया। उन्होंने कहा, जब मुझे मल्टी-स्टार कास्ट फिल्म में रोल ऑफर किया गया तो मैं डर गई थी। लेकिन इसके बाद कोई दिक्कत नहीं हुई। हमारा लक्ष्य एक साल के भीतर फिल्म को पूरा करना था, लेकिन सभी कलाकार व्यस्त थे। अमित जी, ऋषि कपूर, रीना रॉय, अमजद अली खान जी, शत्रुघ्न सिन्हा, यहां तक कि सहायक कलाकार भी व्यस्त थे। उन दृश्यों को शूट करना बहुत मुश्किल था जहां सभी एक साथ थे क्योंकि हम सभी की एक ही समय में कई फिल्मों की शूटिंग चल रही थी। हमें यात्रा करनी थी, लेकिन निर्माता और टीम की बदौलत हम बहुत अच्छे से कामयाब रहे और मुझे लगता है कि यह फिल्म एक साल में पूरी हो गई। 'इंडियन आइडल 15' का यह खास एपिसोड सोनी एंटरटेनमेंट टेलीविजन और सोनी लिव पर इस शनिवार और रविवार रात 8:30 बजे प्रसारित होगा।

कर्नाटक में सरकारी स्कूलों में सप्ताह में छह दिन मिलेंगे अंडे और केले : सिद्दरामय्या

बेंगलूरु। स्कूल प्रशासन द्वारा सप्ताह में छह दिन मध्याह्न भोजन में अंडे दिए जाने से उपस्थिति में उल्लेखनीय सुधार होने की बात कहने के बाद कर्नाटक के मुख्यमंत्री सिद्दरामय्या ने शुक्रवार को घोषणा की कि उनकी सरकार आगामी वर्ष में भी 1,500 करोड़ रुपये का निवेश जारी रखेगी। विधानसभा में बजट पेश करते हुए उन्होंने कहा, 53 लाख स्कूली बच्चों में कुपोषण को कम करने के लिए उन्हें सप्ताह में दो दिन अंडे/केले दिए जा रहे थे, जिसे अजीम प्रेमजी फाउंडेशन के सहयोग से 1,500 करोड़ रुपये की लागत से बढ़ाकर सप्ताह में छह दिन कर दिया गया है। यह कार्यक्रम 2025-26 में भी जारी रहेगा। उन्होंने यह भी कहा कि गर्म दूध में मिलाकर रागी स्वास्थ्य पाउडर अब तक स्कूली बच्चों को सप्ताह में तीन दिन वितरित किया जाता था, जिसे सप्ताह में पांच दिन दिया जाएगा और इसकी कुल लागत 100 करोड़ रुपये होगी। मुख्यमंत्री ने कहा कि इस परियोजना लागत का 25 प्रतिशत हिस्सा राज्य सरकार द्वारा वहन किया जाएगा।

कर्नाटक में लोकायुक्त के छापों में आठ सरकारी अधिकारियों की 36.53 करोड़ की संपत्ति का पता चला

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
dakshinbharat.com

बेंगलूरु। कर्नाटक में लोकायुक्त के जांच दलों ने आय के ज्ञात स्रोतों से अधिक संपत्ति अर्जित करने के आरोप में बृहस्पतिवार को आठ सरकारी अधिकारियों से संबंधित परिसरों पर छापे मारे।

छापेमारी में 36.53 करोड़ रुपये की संपत्ति का पता चला, जिसमें 26.47 करोड़ रुपये की अचल संपत्ति, 3.73 करोड़ रुपये के आभूषण और 3.08 करोड़ रुपये के वाहन आदि शामिल हैं।

लोकायुक्त सूत्रों के अनुसार, बेंगलूरु, कोलार, तुमकुरु, कलबुर्गी, विजयपुरा, दावणगेरे और बागलकोट जिलों में आरोपी अधिकारियों से संबंधित 40 परिसरों की तलाशी ली गयी। जिन अधिकारियों के यहां छापेमारी की गई उनमें बेंगलूरु में कार्मिक एवं प्रशासनिक सुधार विभाग में ग्रुप ए' के तहत मुख्य अभियंता टी डी नंजुंदप्पा, बृहद बेंगलूरु महानगर पालिका में गुणवत्ता नियंत्रण एवं गुणवत्ता आश्वासन, राजमार्ग इंजीनियरिंग ग्रेड-1' के कार्यकारी अभियंता एच. बी. कल्लेशप्पा, कोलार में सहायक कार्यकारी अभियंता जी नागराज, कलबुर्गी में परियोजना कार्यान्वयन इकाई के जगन्नाथ, दावणगेरे में स्वास्थ्य विभाग में खाद्य सुरक्षा एवं गुणवत्ता इकाई के जिला सांख्यिकी अधिकारी जी. एस. नागराजू शामिल हैं।

नंजुंदप्पा के पास 8.46 करोड़ रुपये की संपत्ति पायी गयी है, जिसमें 7.47 करोड़ रुपये मूल्य के नौ भूखंड, मकान और कृषि भूमि शामिल हैं। कल्लेशप्पा के पास 6.5 करोड़ रुपये की संपत्ति मिली, जिसमें दो भूखंड, तीन मकान और कृषि भूमि शामिल हैं।

नागराज के पास 2.19 करोड़ रुपये की संपत्ति थी, जगन्नाथ के पास 4.55 करोड़ रुपये, नागराज जे एस के पास 6.14 करोड़ रुपये, जगदीश के पास 3.11 करोड़ रुपये, दुर्गद के पास 1.92 करोड़ रुपये और केंबावी के पास 3.64 करोड़ रुपये की संपत्ति मिली।

प्रभास ने फिल्म 'कन्नप्पा' में फ्री में किया काम

मुंबई/एजेन्सी

दक्षिण भारतीय फिल्मों के सुपरस्टार प्रभास ने फिल्म कन्नप्पा में फ्री में काम किया है। अभिनेता-निर्माता विष्णु मांचू ने पुष्टि की है कि प्रभास ने 'कन्नप्पा' में रुद्र की भूमिका के लिए कोई शुल्क नहीं लिया हाल ही में आस्कविष्णु ट्विटर सेशन के दौरान विष्णु मांचू ने एक दिल को छू लेने वाले खुलासे में पुष्टि की कि बहुप्रतीक्षित फिल्म कन्नप्पा में रुद्र की भूमिका निभाने वाले स्टार प्रभास ने फ्री में अभिनय किया है। एक प्रशंसक ने विष्णु से पूछा कि क्या अफ़वाहें सच हैं, और उन्होंने पुष्टि करते हुए कहा, हाँ, जिससे प्रभास के उदार भाव पर प्रकाश पड़ता है। प्रभास, जो उद्योग के भीतर अपनी मज़बूत दोस्ती और सम्मान के लिए जाने जाते हैं, ने फ़िल्म कन्नप्पा का समर्थन करने में संकोच नहीं किया। ख़ास तौर पर विष्णु के पिता डॉ. एम. मोहन बाबू, जो फ़िल्म के निर्माता भी हैं, के साथ अपने घनिष्ठ संबंधों को देखते हुए प्रभास ने कोई फीस नहीं ली।भारतीय सिनेमा में सबसे ज़्यादा मांग वाले सुपरस्टार में से एक होने के बावजूद, प्रभास ने हमेशा अपने करीबी लोगों के प्रति बहुत विनम्रता और वफ़ादारी दिखाई है।

विष्णु ने यह भी साझा किया कि प्रभास ने भूमिका स्वीकार करने में केवल कुछ सेकंड लिए और फिल्म की रश से बहुत प्रभावित हुए, उन्होंने इसे एक ऐसा अनुभव बताया जो उन्हें बेहद पसंद आया। रुद्र के रूप में प्रभास के पहले लुक ने पहले ही ऑनलाइन चर्चा बटोर ली है, और प्रशंसक फिल्म में उनकी शक्तिशाली उपस्थिति का बेसब्री से इंतजार कर रहे हैं। इसके अलावा एक नेटिजन ने पूछा:प्रभास को यह भूमिका स्वीकार करने में कितना समय लगा?फिल्म की रश देखकर उनकी पहली प्रतिक्रिया क्या थी? साथ ही, क्या आप उन्हें प्री-रिलीज़ इवेंट में ला रहे हैं?विष्णु मांचू ने जवाब दिया: उन्हें स्वीकार करने में कुछ सेकंड लगे उन्हें यह बेहद पसंद आया। बिना किसी फीस के अभिनय करने का प्रभास का इशारा सोने के दिल वाले व्यक्ति के रूप में उनकी प्रतिष्ठा को और मजबूत करता है, जो हमेशा अपने दोस्तों और सहकर्मियों के लिए मौजूद रहते हैं। फिल्म कन्नप्पा 25 अप्रैल को दुनिया भर में रिलीज़ होने वाली है।

महिला दिवस मनाने में सिनेमा भी पीछे नहीं

मुंबई/एजेन्सी

किसी ने सही कहा है, महिला... ईश्वर की शानदार रचना है। वह मां के रूप में योद्धा तो बहन के रूप में जख्म पर मरहम भी लगाती है। दादी, मौसी, दोस्त या अन्य हर किरदार में वह शानदार है। फिल्म इंडस्ट्री ने ऐसी कई फिल्में बनाई हैं, जिसमें मुख्य कलाकार के तौर पर महिलाएं हैं। श्रीदेवी की 'मॉम' में एक योद्धा तो यामी गौतम की 'आर्टिकल 370' में दुश्मनों को धूल चटाती नायिका है। यहां पढ़िए अंतरराष्ट्रीय महिला दिवस पर महिलाओं पर आधारित कुछ विशेष फिल्मों के बारे में...

मिसेज :- हाल ही में रिलीज हुई फिल्म 'मिसेज' का निर्देशन आरती कडव ने किया है। फिल्म में महिलाओं पर शादी के बाद हो रहे शोषण के साथ ही घरेलू महिलाओं को किन परेशानियों का सामना करना पड़ता है, इसे दिखाया गया है। फिल्म में सान्या मल्होत्रा मुख्य भूमिका में हैं।

आर्टिकल 370 :- साल 2024 में रिलीज हुई 'आर्टिकल 370' में यामी गौतम मुख्य भूमिका में हैं। फिल्म का निर्देशन आदित्य सुहास जंभाले ने किया है। फिल्म में यामी खुफिया एजेंट के रूप में हैं, जो पर्दे पर खूब एक्शन करती नजर आईं।

थप्पड़ :- महिलाओं के बड़े कदम उठाने की बात की जाए तो तापसी पन्नू की 'थप्पड़' को नहीं भूला जा सकता है। साल 2020 में रिलीज फिल्म में महिलाओं पर पति के अत्याचारों को दिखाया गया है। इस फिल्म का निर्देशन अनुभव सिन्हा ने किया।

छपाक :- मेघना गुलजार के निर्देशन में बनी 'छपाक' महिलाओं

पर किए जा रहे एसिड अटैक के खिलाफ आवाज बुलंद करती है। 'छपाक' में दीपिका पादुकोण मुख्य भूमिका में हैं। साल 2020 में रिलीज हुई फिल्म में एसिड विक्टिम की कहानी को पर्दे पर उतारा गया है।

मॉम :- मां कितनी भी भोली-भाली हो, जब बात बच्चों की आती है तो वह शेरनी भी बन जाती है। यही बात साबित करती है साल 2017 में आई श्रीदेवी की फिल्म 'मॉम'। रवि उदयवार के निर्देशन में बनी फिल्म में रेप की शिकार हुई बेटी के लिए लड़ती एक मां की मजबूत कहानी को बखूबी दिखाया गया है। फिल्म का डायलॉग भगवान हर जगह नहीं होता है इसीलिए उसने मां बनाई है। फिल्म के सार को अपने में समेटे हुए है।

पिंक :- महिलाओं के कपड़ों और कैरेक्टर पर सवाल उठाते लोगों को लताड़ लगाती फिल्म 'पिंक' के जरिए उन लोगों को कड़ा मैसेज देने की कोशिश की गई, जो जोर-जबरदस्ती को सामान्य मानते हैं। 'नो का मतलब, नो होता है' जैसे डायलॉग से सजी फिल्म करारा तमाचा भी लगाती है। साल 2016 में रिलीज फिल्म का निर्देशन अनिरुद्ध रॉय चौधरी ने किया है।

नीरजा :- लड़कियां केवल कोमल या नाजुक नहीं होती हैं, वह समय आने पर दुश्मनों से दो-दो हाथ करने में भी पीछे नहीं हटती हैं और यही मैसेज देती है साल 2016 में रिलीज 23 साल की लड़की के जीवन पर आधारित फिल्म 'नीरजा', जो कि महिला के साहस को दिखाती है। फिल्म का निर्देशन राम माधवानी ने किया है।

मर्दानी :- रानी मुखर्जी स्टारर 'मर्दानी' और 'मर्दानी 2' की कहानी के जरिए महिलाओं पर हुए अत्याचार को दिखाया गया है।

सोनू सूद की फिल्म 'फतेह' जियो हॉटस्टार पर होगी स्ट्रीम

मुंबई/एजेन्सी

बॉलीवुड अभिनेता सोनू सूद निर्देशित पहली फिल्म 'फतेह' जियोहॉटस्टार पर स्ट्रीम होने वाली है। फिल्म फतेह एक्शन से भरपूर थ्रिलर साइबरक्राइम की खतरनाक दुनिया को उजागर करती है।इस फिल्म में सोनू सूद मुख्य भूमिका में हैं, उनके साथ नसीरुद्दीन शाह, जैकलीन फर्नांडीज और विजय राज ने भी अहम किरदार निभाया है।इस फिल्म का निर्देशन सोनू सूद ने किया है और इसे शक्ति सागर प्रोडक्शंस एवं ज़ी स्टूडियोज के बैनर तले सोनाली सूद और उमेश केआर बंसल ने बनाया है। सोनू सूद ने कहा, फतेह में काम करना और निर्देशन करना मेरे लिए एक अनोखा अनुभव रहा। यह एक चुनौती भी थी और रोमांच भी। मुझे हमेशा से एक्शन पसंद रहा है और यह देखकर खुशी होती है कि मेरे प्रशंसकों को भी उतना ही मजा आता है। इस फिल्म के जरिए हमने एक्शन को नए स्तर पर ले जाने की कोशिश की है। फतेह सिर्फ साइबरक्राइम के बारे में नहीं है, बल्कि यह जोश, जुनून और न्याय की लड़ाई की कहानी है। अभिनय और निर्देशन दोनों के बीच संतुलन बनाए रखना एक सीखने वाला अनुभव था। लेकिन मेरी पूरी टीम की मेहनत ने इसे आसान बना दिया। मैं उत्साहित हूं कि अब दर्शक इसे जियोहॉटस्टार पर देख पाएंगे और हमारी मेहनत को महसूस करेंगे। फिल्म फतेह में खुशी शर्मा का अहम किरदार निभाने वाली जैकलीन फर्नांडीज ने कहा, फतेह में काम करना मेरे लिए एक शानदार अनुभव रहा। आज साइबरक्राइम पूरी दुनिया के लिए एक गंभीर खतरा है और इस पर जागरूकता बढ़ाने की ज़रूरत है।

सोनू सूद एक सच्चे कलाकार और बेहतरीन निर्देशक हैं। उन्होंने एक मजबूत टीम बनाई, जिसने इस फिल्म को असली रूप दिया। इसकी कहानी, एक्शन और जज़्बात दर्शकों को बेहद पसंद आएंगे। मैं दर्शकों के जियोहॉटस्टार पर इस फिल्म को देखने और हमारे इस सफर का हिस्सा बनने का बेसब्री से इंतजार कर रही हूं।

श्वेता त्रिपाठी ने की अपने पहले प्रोडक्शन की घोषणा

मुंबई/एजेन्सी

बॉलीवुड अभिनेत्री श्वेता त्रिपाठी ने अपने पहले प्रोडक्शन की घोषणा कर दी है। श्वेता त्रिपाठी अब प्रोड्यूसर के रूप में अपनी नई पारी शुरू करने जा रही हैं। उनके प्रोडक्शन हाउस के तहत चार रोमांचक प्रोजेक्टस बनने वाले हैं, जो अलग-अलग शैलियों को दर्शाएंगे। इनमें से उनका पहला प्रोडक्शन एक समलैंगिक लव स्टोरी है, जो दो महिलाओं की प्रेम कहानी को दर्शाएगा। इस फिल्म से श्वेता पहले एक एक्टर के रूप में जुड़ी थीं, लेकिन बाद में इसे प्रोड्यूस करने का फैसला किया। एलजीबीटीक्यूआईए+ समुदाय के प्रतिनिधित्व को बढ़ावा देने वाली यह फिल्म उनके लिए एक बेहद व्यक्तिगत और खास प्रोजेक्ट है।

अपने इस फैसले के बारे में बात करते हुए श्वेता ने कहा, जब मुझे यह स्क्रिप्ट एक कलाकार के रूप में ऑफर हुई, तो मैं तुरंत

इसकी ईमानदारी, संवेदनशीलता और प्रेम की खूबसूरत अभिव्यक्ति से जुड़ गई। जैसे-जैसे मैंने इसे समझा, मुझे महसूस हुआ कि इस कहानी को सही तरीके से कहने की ज़रूरत है। तभी मैंने इसे प्रोड्यूस करने का निर्णय लिया। यह सिर्फ एक फिल्म नहीं, बल्कि प्रेम, पहचान और खुद को स्वीकार करने की हिम्मत का जश्न है। बतौर प्रोड्यूसर मुझे अब अपनी पसंदीदा कहानियां कहने की आज़ादी है, और इससे बेहतर शुरुआत मैं नहीं मांग सकती थी।

इस क्वीर रोमांस के अलावा, श्वेता के प्रोडक्शन हाउस में एक हॉरर फिल्म, एक ड्रामा और एक साइकोलॉजिकल थ्रिलर भी शामिल हैं। इसके अलावा, श्वेता बच्चों की कहानियों को भी प्रोड्यूस करने की इच्छुक हैं, क्योंकि यह एक ऐसा जॉनर है जो उनके दिल के बेहद करीब है।

उनका मानना है कि हम जिन फिल्मों को देखकर बड़े होते हैं, वे हमें गहराई से प्रभावित करती हैं, और वह ऐसी कहानियां बनाना चाहती हैं जो छोटे दर्शकों के दिलों में अपनी छाप छोड़ें। श्वेता ने कहा,बचपन में देखी गई फिल्मों ने मेरी सोच और व्यक्तित्व को बहुत प्रभावित किया है। वे हमें सहानुभूति, जिज्ञासा और हिम्मत सिखाती हैं, जो ज़िंदगीभर हमारे साथ रहती हैं। एक प्रोड्यूसर के रूप में, मैं ऐसी फिल्में बनाना चाहती हूं जो केवल मनोरंजन न करें, बल्कि अगली पीढ़ी को प्रेरित भी करें।

सुभाष घई ने सिनेमा हॉल में दर्शकों की घटती संख्या पर चिंता जताई

मुंबई/एजेन्सी

बॉलीवुड के दिग्गज फिल्म निर्माता सुभाष घई ने सिनेमा हॉल में दर्शकों की घटती संख्या पर चिंता जताई है और इसके लिए फिल्मों की टिकटों की बढ़ती कीमतों को जिम्मेदार ठहराया है। सुभाष घई ने सोशल मीडिया प्लेटफार्म इंस्टाग्राम पर खाली पड़े थिएटर की तस्वीर शेयर की और मौजूदा परिस्थितियों में सिनेमा उद्योग की स्थिरता पर सवाल उठाया। सुभाष घई ने अपने पोस्ट में लिखा, आज बॉलीवुड क्यों घाटे में है? सिनेमा हॉल में फिल्म देखने की भारी कीमत की वजह से। सिनेमा प्रेमियों ने बड़े पर्दे पर सामूहिक फिल्म देखने के अनुभव के लिए थिएटर जाना बंद कर दिया है। सुभाष घई ने इस मुद्दे का समाधान सुझाते हुये लिखा, इसका एकमात्र समाधान है कि बॉलीवुड, राज्य सरकारों के साथ मिलकर तमिलनाडु में 'इकोनॉमी क्लास' टिकटों की तरह किफायती कीमतों

पर सिनेमा हॉल के 30 प्रतिशत टिकटों की सीमा तय करने का नियम बनाये, तो शायद अधिक दर्शक वापस आएंगे। यह आज एक बड़ा सवाल है। गौरतलब है कि सुभाष की यह पोस्ट ऐसे समय में आई है जब फिल्म उद्योग दर्शकों के बदलते व्यवहार से जूझ रहा है, जिसमें कई लोग पारंपरिक सिनेमा की तुलना में स्ट्रीमिंग प्लेटफॉर्म की सुविधा और सामर्थ्य को प्राथमिकता दे रहे हैं।

दक्षिण भारत राष्ट्रमत

www.dakshinbharat.com
epaper.dakshinbharat.com

चेन्नई | शनिवार | 08-03-2025 /dakshinbharat /dakshinbharat DAKSHIN BHARAT RASHTRAMAT HINDI DAILY

RNI No. : TNHIN/2013/52520
Regn No. : TN/CCN/613/2014-2016
posted at Patrika Channel,
Egmore RMS, Chennai-8

आपसी सद्भावना के कम होने से मानवता कलंकित होती है, जीवन को सुकून और शांति नहीं मिलती, दुर्भावना के कारण मन में द्वेषभाव उत्पन्न होता है, ये सब जीवन की उन्नति के लिए बाधक तत्व हैं, इसीलिए सर्वप्रथम आपसी सद्भावना का विकास होना चाहिए। धर्म-आध्यात्म की बातों का क्रम उसके बाद आता है। साधु-संतों और प्रबुद्धजनों को, लोगों में आपसी सद्भावना बढ़ाने का महत्वपूर्ण कार्य करना चाहिए। जो लोगों को बांटने का काम करते हैं, वे धर्म और मानवता को कलंकित करते हैं। आने वाला समय इस दृष्टि से बहुत महत्वपूर्ण है। दुर्भावना से भरे मन को शांति कभी नहीं मिलती।

फाल्गुन फूलों कि होली के साथ राणीसती दादी का मंगल पाठ सम्पन्न

तिरुपुर/दक्षिण भारत राष्ट्रमत। यहां दादी परिवार तिरुपुर के सान्निध्य में फाल्गुन फुलों कि होली के साथ राणीसती दादी का मंगल पाठ सम्पन्न हुआ। रायपुरम् में गणेश मन्दिर में गणेश वन्दना के साथ पाठ शुरु हुआ। मंगलपाठ के कार्यक्रम में काफी संख्या में महिलाओं ने भाग लिया। महिलाओं ने मीठे मीठे भजनों से प्रभु को रिझाया।

दादी परिवार कि अध्यक्ष शिलाशाह पदाधिकारी सरोज पित्ती, प्रभा तोदी, मंजु जैन, चंदा डीडवानिया, सरिता तुलस्यान, अर्पिता पित्ती, मनीषा अग्रवाल, मीनाक्षी सरावगी, वीरा कामदार, सुमन गुप्ता उपस्थित रही। सभी भक्तों ने आपसे फाल्गुन फुलों कि होली से दादी के साथ भजन धमाल फूलों की होली खेली एवं आपस मे बधाई दी।

अन्नदानम

दक्षिण भारत राष्ट्रमत

चेन्नई। यहां महावीर इंटरनेशनल चेन्नई नार्थ टाउन द्वारा चेतपेट स्थित एसआरएस गर्ल्स हॉस्टल में आशीष सींघी के जन्मदिन के उपलक्ष में जगत प्रेम सींघी परिवार के सहयोग से 75 अनाथ लड़कियों को शाम का भोजन कराया गया। साथ ही सभी को नये कपड़े भी वितरित किए गये। चेयरमैन दीलखुशराज धोका ने सभी को धन्यवाद दिया। सहयोगी परिवार का साल द्वारा सम्मान गवर्निंग काउंसिल सदस्य ज्ञानचंद कोठारी व वाइस चेयरमैन शांतिलाल चौधरी ने किया।

वीरेन्द्रमुनि का होली चातुर्मास मंजूनाथनगर में

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
dakshinbharat.com

बेंगलूरु। शहर के मंजूनाथनगर सकल जैन संघ के तत्वावधान में जैन दिवाकर चौथमलजी के प्रपौत्र शिष्य विमलमुनिजी के शिष्य वीरेन्द्रमुनिजी ने फाल्गुनी होली चातुर्मास मंजूनाथनगर स्थित जैन भवन उत्तम अंकित विला में होने की स्वीकृति प्रदान की है। संघ की ओर से संघ के अध्यक्ष उत्तमचन्द आच्छा, मंत्री राकेश दलाल, राजेश कोठारी, वृद्धिचंद पितलिया ने संतश्री से होली चातुर्मास के लिए निवेदन किया था जिसे संतश्री ने स्वीकार कर लिया। मुनिश्री 10 मार्च को होली चातुर्मास के लिए प्रवेश करेंगे। होली चातुर्मास के लाभार्थी संघवी उत्तमचन्द आच्छा, विनोदकुमार मेड़तवाल, राजेश कोठारी एवं सुरेश बाघमार परिवार होंगे।

संस्कृत के वैश्विक गौरव को बढ़ावा दे रही बीएपीएस, सैकड़ों किशोरों को श्लोक कराए कंठस्थ

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
dakshinbharat.com

मेलबर्न/दक्षिण भारत। बीएपीएस ने संस्कृत के वैश्विक गौरव को बढ़ावा देने के लिए ऑस्ट्रेलिया में 1,400 से ज्यादा किशोरों को सत्संग दीक्षा दी और सिद्धांत कारिका का मुखपाठ कराया। संस्था ने कहा कि संस्कृत सिर्फ एक भाषा नहीं, बल्कि विज्ञान, संस्कृति और मानसिक विकास का दिव्य साधन है। संस्कृत की संरचना और वैज्ञानिक गुण स्मरण शक्ति, एकाग्रता और तार्किक क्षमता को बढ़ाने में सहायक हैं। बीएपीएस ने बताया कि वह संस्कृत को बढ़ावा देती आई है। यह आध्यात्मिक मार्ग का अनुसरण करने के साथ ही युवा पीढ़ी को शाश्वत मूल्यों से जोड़ने के लिए प्रतिबद्ध है। संस्था ने कहा कि महंत स्वामी महाराज ने हमेशा संस्कृत की महानता को उजागर किया और उनके आशीर्वाद से यहां संतों और युवाओं के लिए संस्कृत अध्ययन अनिवार्य है।

बीएपीएस ने बताया कि हाल में ऑस्ट्रेलिया में उसके 1,400 से ज्यादा किशोरों ने सत्संग दीक्षा ग्रंथ के 315 श्लोकों को हृदयस्थ कर उनका उच्चारण किया। कई विद्यार्थियों ने सिद्धांत कारिका के 565 श्लोक भी कंठस्थ किए हैं। संस्कृत श्लोकों से बच्चों के मस्तिष्क और व्यक्तित्व पर आश्चर्यजनक प्रभाव पड़ा है। कई अभिभावकों ने अनुभव किया कि मुखपाठ करने से बच्चे पढ़ाई में मेधावी और तेजस्वी बन गए हैं। उनकी स्मरण शक्ति और एकाग्रता में बढ़ोतरी हुई है। संस्था ने कहा कि संस्कृत सिर्फ अतीत की भाषा नहीं, बल्कि भविष्य की भी भाषा है। आज यह वैश्विक स्तर पर नई ऊंचाइयों को छू रही है।

एएफटीसी में तकनीकी अधिकारियों की स्नातक परेड हुई

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
dakshinbharat.com

बेंगलूरु। बासठ हफ्ते के कठोर प्रशिक्षण के सफल समापन पर, 104वें एयरोनॉटिकल इंजीनियर्स कोर्स (एईसी) अधिकारियों की औपचारिक पासिंग आउट परेड (पीओपी) शुक्रवार को यहां एयर फोर्स टेक्निकल कॉलेज (एएफटीसी) में आयोजित की गई। इस अवसर पर, 10 महिला अधिकारियों सहित कुल 47 इंजीनियरिंग अधिकारियों ने कॉलेज से स्नातक की उपाधि प्राप्त की। इस कार्यक्रम के मुख्य अतिथि मेंटेनेंस कमांड (एमसी) के एयर ऑफिसर कमांडिंग-इन-चीफ एयर मार्शल विजय कुमार गर्ग थे। उन्होंने बतौर समीक्षा अधिकारी (आरओ) परेड का निरीक्षण भी किया। कॉलेज के कमांडेंट एयर कमोडोर आशुतोष श्रीवास्तव ने उनका स्वागत किया।

परेड के दौरान कई शानदार प्रदर्शन किए गए, जिनमें डोर्नियर विमान द्वारा फ्लाई पास्ट, भारतीय वायुसेना की 'एयर डेविल्स' टीम द्वारा स्काईडाइविंग प्रदर्शन, एयर वॉरियर्स ड्रिल टीम' द्वारा ड्रिल प्रदर्शन और सेना सेवा कोर (एएससी) मोटरसाइकिल डिस्प्ले टीम द्वारा टॉरनेडो' प्रदर्शन शामिल हैं। योग्यता क्रम में प्रथम स्थान के लिए प्रतिष्ठित 'स्वॉर्ड ऑफ ऑनर' फ्लाइंग ऑफिसर अंकुश को दिया गया तथा प्रोफेशनल विषयों में सर्वश्रेष्ठ अधिकारी के लिए 'राष्ट्रपति पट्टिका' फ्लाइंग ऑफिसर अंकित राज को दी गई। इलेक्ट्रॉनिक और मैकेनिकल स्ट्रीम में योग्यता क्रम में प्रथम स्थान पाने के लिए 'चीफ ऑफ एयर स्टाफ मेडल' क्रमशः फ्लाइंग ऑफिसर हर्षित बिलंदी और फ्लाइंग ऑफिसर डोंगले अविष्कार नामदेव को दिए गए। बाद में, एयर मार्शल ने सभा को संबोधित किया और स्नातक अधिकारियों को बधाई दी। अपने संबोधन में, उन्होंने एयरोस्पेस सुरक्षा सुनिश्चित करने और वायु शक्ति को आगे बढ़ाने में इंजीनियरिंग अधिकारियों की भूमिका पर जोर दिया। उन्होंने स्नातक अधिकारियों से आह्वान किया कि वे अपने ज्ञान और कौशल को निरंतर उन्नत करते रहें, ताकि वे निरंतर बदलती तकनीकी प्रगति के साथ खुद को अद्यतन रख सकें।

माहेश्वरी महिलाओं ने लड्डू गोपाल के संग खेली फूलों की होली

बेंगलूरु/दक्षिण भारत। शहर के माहेश्वरी महिला संगठन ने माहेश्वरी भवन में लड्डू गोपाल के संग, फूलों की होली कार्यक्रम का आयोजन किया, जिसमें मंडल की विभिन्न सदस्याएं अपने अपने घर से अपने लड्डू गोपाल को सजाकर लेकर आईं। अनुसूया सारड़ा ने भगवान गणेश वंदना की। कला कचोलिया ने गोपाल के संग खेलें होली' भजन गाया।

प्रसिद्ध गायिका स्वाति शर्मा ने होली से संबंधित विभिन्न भजन गाए और धमाल गीत गाए। स्वाति शर्मा के मधुर भजनों पर महिलाओं ने नाच गाकर लड्डू गोपाल को रिझाया। संचालन गायत्री मालपानी ने किया। अध्यक्षा श्वेता बियाणी सहित अन्य पदाधिकारियों ने लड्डू गोपाल के संग फूलों की होली खेली।

कल केएसपी रन में 10 हजार से अधिक लोगों के भाग लेने की उम्मीद

बेंगलूरु। राज्य में नौ मार्च को होने जा रही कर्नाटक राज्य पुलिस (केएसपी) दौड़ के दूसरे संस्करण में पुलिस कर्मियों, सैन्यकर्मियों और पेशेवर धावकों समेत 10 हजार से अधिक लोगों के हिस्सा लेने की उम्मीद है। इस वर्ष 'नम्मा पुलिस, नम्मा हेम्मे' (हमारी पुलिस, हमारा गौरव) विषय पर हो रही केएसपी दौड़ भारतीय स्टेट बैंक के सहयोग से आयोजित की जाएगी। 'नशा मुक्त कर्नाटक, हरित बेंगलूरु और साइबर अपराध' के प्रति लोगों को जागरूक करने के मकसद से यह दौड़ आयोजित की जा रही है।शुक्रवार को जारी आधिकारिक विज्ञप्ति के अनुसार, यह दौड़ दो श्रेणियों में आयोजित होगी, सुबह साढ़े छह बजे 10 किलोमीटर की दौड़ होगी और सुबह सात बजकर 15 मिनट पर पांच किलोमीटर की दौड़ आयोजित की जाएगी।

पुलिस को सावधानी बरतनी चाहिए कि कोई निर्दोष परेशान न हो : आचार्यश्री विमलसागरसूरी

आचार्यश्री ने पुलिसकर्मियों को दिया प्रेरणादायी प्रवचन

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
dakshinbharat.com

हिरियूर/सिरा। शुक्रवार को आचार्य विमलसागरसूरीश्वरजी से आशीर्वाद ग्रहण कर मार्गदर्शन लेने हिरियूर, सिरा, कलंबेले आदि क्षेत्रों के पुलिसकर्मी व अधिकारी चिक्कनहल्ली पहुंचे। उनके निवेदन पर आचार्यश्री का सभी पुलिसकर्मियों के लिए एक प्रेरणादायी प्रवचन का आयोजन किया गया। कन्नड़ व हिंदी में मार्गदर्शन देते हुए आचार्यश्री विमलसागरसूरीश्वरजी ने कहा कि मन और रुचिपूर्वक किया गया कार्य मनुष्य को संतोष और खुशी देता है। बिना मन के, अरुचि से किया जाने वाला काम मन को उद्विग्न और भारी बनाता है। कार्य छोटा हो या बड़ा, पूरी निष्ठा और रुचि पूर्वक करना चाहिए। बिना मन के मजबूरीपूर्वक ड्यूटी करने का कोई अर्थ नहीं है। जो काम हम करें, उसमें अपनी पूरी ऊर्जा और पवित्रता यदि लगा दें तो ध्यान घटित हो सकता है।

जैनाचार्य ने कहा कि हर पुलिसकर्मी और अधिकारी को इस बात की पूरी सावधानी बरतनी चाहिए कि किसी निर्दोष को परेशान न किया जाए। दोषी व्यक्ति को पकड़ने के लिए निर्दोष को सताया न जाए।

अपने आराध्य की कृपा प्राप्त करने के लिए यह बहुत जरूरी है। इससे पुलिस के प्रति समाज में सद्भावना और विश्वास का वातावरण बनेगा। अगर निर्दोष का मन तड़पता है तो उसके अशुभ परमाणु हमें और हमारे परिवार को शांति से जीने नहीं देंगे। यह शाश्वत सत्य है। वर्तमान युग में अनेक साधु-संतों, नेताओं और पुलिसकर्मियों के प्रति लोगों का विश्वास डगमगाया है। समाज और राष्ट्र के लिए यह शुभ संकेत नहीं है। अच्छे साधु-संत और निष्ठावान ईमानदार पुलिस अधिकारी समाज का सुंदर मार्गदर्शन कर उसे अपराधों से दूर रखने का काम कर सकते हैं। समाज की शांति, उन्नति और आपसी भाईचारे के लिए यह अत्यंत आवश्यक है। कई अवसरों पर पुलिस को गहरे तनाव के बीच लंबे समय तक काम करना पड़ता है।

इसके लिए समय, भोजन, विश्राम और मन का व्यवस्थित मैनेजमेंट करना चाहिए। इससे कम थकावट में अधिक काम किया जा सकता है। दिन में दो-तीन बार पांच-दस मिनट के लिए पूर्व दिशा की ओर बैठकर पूरी तल्लीनता से ध्यान करना चाहिए। यह आंतरिक ऊर्जा का जागरण करेगा। समय निकाल कर सत्साहित्य का वांचन करना चाहिए। जैनाचार्य ने बताया कि पिछले पांच वर्षों में तमिलनाडु और कर्नाटक की पदयात्रा के दौरान हमारी सुरक्षा व्यवस्था में रहे सैकड़ों पुलिसकर्मियों ने शाकाहार और व्यसनमुक्ति का संकल्प लिया है।

'दक्षिण भारत में हिंदी भाषा की दिशा और दशा' विषय पर राष्ट्रीय संगोष्ठी संपन्न

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
dakshinbharat.com

बेंगलूरु। शहर के के. नारायणपुरा स्थित क्रिस्तु जयंती महाविद्यालय में दक्षिण भारत में हिंदी भाषा की दिशा और दशा' विषय पर एक दिवसीय राष्ट्रीय संगोष्ठी का आयोजन किया गया। महाविद्यालय के हिंदी विभागाध्यक्ष डॉ. श्रीधर पीडी ने स्वागत करते हुए हिंदी भाषा की विकास यात्रा, उसकी वर्तमान स्थिति और दक्षिण भारत में उसके महत्व पर प्रकाश डाला। उन्होंने हिंदी भाषा को राष्ट्रीय एकता की संजीवनी बताते हुए इसके प्रचार-प्रसार पर जोर दिया।

संगोष्ठी की अध्यक्षता महाविद्यालय के प्राचार्य रेवरेंड फादर डॉ. अगस्टीन जॉर्ज ने की। उन्होंने हिंदी भाषा को भारतीय संस्कृति और सामाजिक समरसता का महत्वपूर्ण अंग बताते हुए इसके शिक्षण और प्रचार-प्रसार को बढ़ावा देने की आवश्यकता पर बल दिया।

उद्घाटन सत्र के मुख्य अतिथि के रूप में मैसूरू विश्वविद्यालय, मानसगंगोत्री की पूर्व हिंदी विभागाध्यक्ष प्रो. प्रतिभा मुदलियार उपस्थित रहीं। उन्होंने दक्षिण भारत में हिंदी भाषा की स्वीकृति, शिक्षण पद्धति एवं भाषा के बढ़ते प्रभाव पर प्रकाश डाला। संगोष्ठी के बीज वक्ता के रूप में हिंदी विभागाध्यक्ष, कर्नाटक केंद्रीय विश्वविद्यालय, कलबुर्गी के प्रो. संदीप रणभिरकर ने अपने संबोधन में दक्षिण भारत में हिंदी के प्रचार-प्रसार, तकनीकी युग में हिंदी की भूमिका तथा नई शिक्षा नीति के संदर्भ में हिंदी भाषा के महत्व को रेखांकित किया।

कार्यक्रम में मानवीय संकाय के अध्यक्ष डॉ. गोपा कुमार ने हिंदी के महत्व पर प्रकाश डाला। समाजशास्त्र एवं भाषा विभाग के अध्यक्ष डॉ. कावेरी स्वामी भी उपस्थित रहे। इस संगोष्ठी में देशभर के हिंदी विद्वानों, शोधार्थियों एवं भाषा प्रेमियों ने भाग लिया। इस आयोजन में हिन्दी विभाग के अनेक प्राध्यापक प्रो. विनोद बाबूराव मेघश्याम, डॉ. मोहम्मद नयाज पाशा, डॉ. मुस्लिम अब्दुल रजाक, डॉ. गणशेटवार साईंनाथ नागनाथ, डॉ. कृष्णा डी. लमाणी और डॉ. बेंद्र बसवेश्वर नागाराव आदि उपस्थित थे।

महिला दिवस के उपलक्ष्य में कवि सम्मेलन व प्रेरणा सम्मान कार्यक्रम आयोजित

तेरापंथ महिला मंडल राजाजीनगर ने किया आयोजन

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
dakshinbharat.com

बेंगलूरु। स्थानीय तेरापंथ महिला मंडल राजाजीनगर द्वारा अंतर्राष्ट्रीय महिला दिवस पर नारीत्व का उत्सव-स्वरधारा' नामक कवि सम्मेलन एवं प्रेरणा सम्मान का आयोजन राजाजीनगर तेरापंथ भवन में किया गया। मंडल की अध्यक्षा उषा चौधरी ने सभी का स्वागत करते हुए नारी की महिमा का गुणगान किया। इस अवसर पर कवयित्री डॉ राखी शाह, गीता चौबे गूंज, स्वीटी सिंघल, डॉ.मंजू गुप्ता, भार्गवी रविन्द्र एवं प्रतीक्षा तिवारी ने नारी के सृजन, संघर्ष, सफलता, समानता, सम्मान और सशक्तिकरण से संबंधित काव्यपाठ किया।

इस वर्ष मंडल की ओर से डॉ .राखी शाह को प्रेरणा सम्मान' देकर सम्मानित किया गया। मंडल की रंजीता बोथरा, कोषाध्यक्ष सरिता हीरावत, स्नेहा चोरड़िया, तिरपुर की उपासिका संजू दुगड़ और ऋतु भूतड़ा ने भी अपनी काव्य प्रस्तुति दी। कमलाबाई रोशनलाल कोठारी का विशेष आर्थिक सहयोग रहा।

प्रेरणा सम्मान पत्र का वाचन और संचालन मंत्री लता नवलखा ने किया। संयोजिका सुनीता कोठारी और सहसंयोजिका सपना गन्ना ने कवयित्रियों का परिचय दिया। संगठन मंत्री रंजीता बोथरा ने आभार प्रकट किया। इस मौके पर मंडल सहित कुल 125 सदस्याएं उपस्थित थीं।

श्रुत ज्ञान की आराधना से ही जीवन मंगलमय बनता है : विनयमुनि खींचन

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
dakshinbharat.com

बेंगलूरु। शहर के हनुमंतनगर जैन स्थानक में विराजित श्री विनयमुनिजी खींचन ने अपने प्रवचन में कहा कि श्रुत ज्ञान की आराधना से ही जीवन मंगलमय बनता है। भगवान महावीर ने अन्तिम देशना में कहा था कि श्रुत ज्ञान की आराधना से अन्दर छिपे अज्ञान रूपी अंधकार का क्षय होता है और फिर किसी प्रकार का कलह-क्लेश जीवन में नहीं रहता है। संकल्प-विकल्प तथा आर्तध्यान, रौद्रध्यान छूटते ही धर्म, ध्यान, यम, नियम में प्रतिक्षण पवित्रता बढ़ती जाती है। मन की एकाग्रता, पवित्रता, निर्मलता बनने के बाद ही संयम आता है। संयम से आत्मा का निर्मलीकरण बढ़ता जाता है। तप से आत्मा में गुण बढ़ते हैं।

Published by Bhupendra Kumar on behalf of New Media Company, Arihant Plaza, 2nd Floor, 84-85, Wall Tax Road, Chennai-600 003 and printed by R. Kannan Adityan at Deviyin Kanmani Achagam, 246, Anna Salai, Thousand Lights, Chennai-600 006.
Regn No. RNI No. : TNHIN / 2013 / 52520 **Editor : Bhupendra Kumar** (Responsible for selection of news under PRB Act.). Group Editor - Shreekant Parashar.
Reproduction of any matter from this newspaper in whole or in part or any such manner without prior written permission from the publisher is strictly prohibited and punishable by law.